फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 01:52 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

सोमवार, 2 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 163, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 5 रुपये

आम बजट 2026-27

अहम बातें

एमएसएमई : ग्रोथ फंड बनाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एलान

एफएंडओ पर एसटीटी 0.02 से 0.05 फीसदी की गई

17 कैंसर की दवाएं व 7 दुर्लभ बीमारी की दवाएं होंगी सस्ती

नए संस्थान, हॉस्टल और यूनिवर्सिटी टाउनशिप

नौकरियां, कौशल और बेहतर अस्पताल को मिलेगा बढ़ावा

किसानों की आय बढ़ाने के साथ उन्हें टेक सपोर्ट देगी सरकार

बैंकिंग और निवेश में सुधार पर फोकस

इस बार इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं

7,84,678.28	2,77,830	1,39,289.48	1,06,530.42	2,55,233.53
रक्षा	रेलवे	शिक्षा	स्वास्थ्य	गृह मंत्रालय

सभी राशि करोड़ रुपये में

टैक्स वही, सोच नई

53.5 लाख करोड़ का बजट वित्त मंत्री ने किया पेश

बजट में लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज
किसानों और युवाओं पर फोकस

- 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने के साथ मेगा टेक्सटाइल पार्क किए जाएंगे विकसित
- ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट 15% बढ़ाया
- 2047 तक ग्लोबल लीडर बनने का लक्ष्य

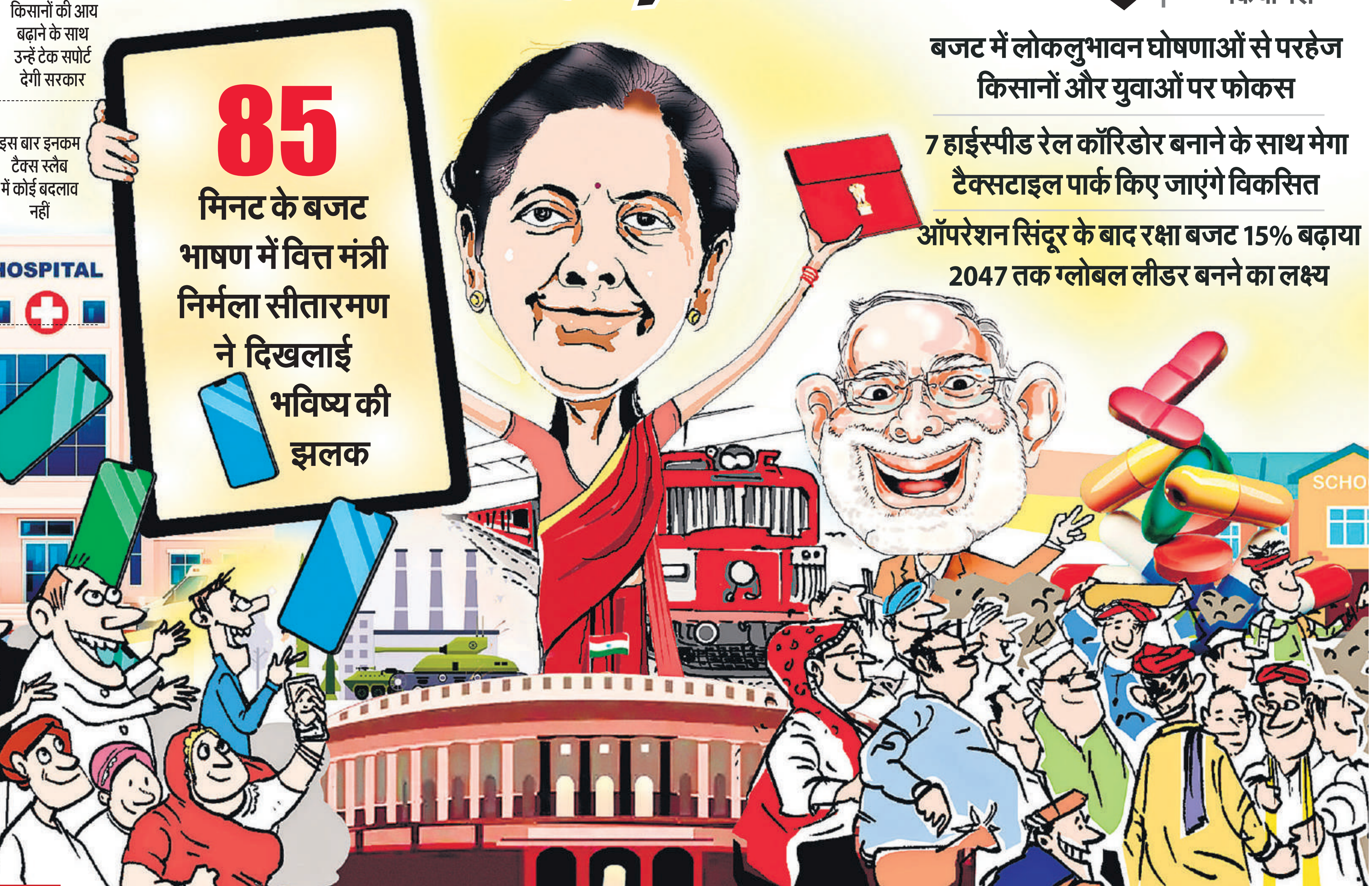

यह हुआ महंगा

- इनकम टैक्स में गलत जानकारी देना : टैक्स की रकम के 100% के बराबर पेनल्टी
- चल संपत्ति का खुलासा न करना : अब इस पर पेनल्टी लगेगी
- स्टॉक ऑप्शन और फ्यूचर्स ट्रेडिंग : सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स 0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया गया
- छाते और उनके पार्ट्स पर 10 प्रतिशत या 25 रुपये प्रति किलो (जो भी ज्यादा हो) ड्यूटी लगेगी
- शराब, मिनरल्स और स्क्रैप की बिक्री पर टीसीएस अब 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2% की
- क्रैनबेरी पर ड्यूटी 5 प्रतिशत और ब्लूबेरी पर 10 प्रतिशत कर दी गई है
- पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड पर ड्यूटी अब शून्य से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दी गई है।
- चबाने वाला तंबाकू, जर्दा और गुटखा पर एनसीसीडी 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 कर दिया

सस्ती हुई चीजें

- माइक्रोवेव ओवन के खास पार्ट्स पर अब बेसिक कस्टम ड्यूटी नहीं
- चमड़े के निर्यात में इस्तेमाल होने वाले कुछ खास इनपुट्स को ड्यूटी-फ्री आयात की सुविधा
- बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम बनाने में इस्तेमाल होने वाले कैपिटल गुड्स पर कस्टम ड्यूटी माफ
- सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले सोडियम एंटीमोनेट पर कस्टम ड्यूटी हटी
- न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट्स के लिए आयात किए जाने वाले सामान पर 2035 तक कस्टम ड्यूटी माफ
- एविएशन सेक्टर के पार्ट्स बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर कस्टम ड्यूटी माफ
- विदेशी टूर पैकेज पर टीसीएस की दर 5-20 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर की गई
- विदेश में पढ़ाई के खर्च पर एलआरएस के तहत अब कम टीडीएस लगेगा।
- एनर्जी ट्रांजिशन से जुड़े उपकरणों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी माफ
- फ्रोजन टर्की मांस और खाने योग्य ऑफल पर टैरिफ 30 से घटाकर 5 प्रतिशत
- आर्टेमिया सिस्ट और कैंसर की कुछ दवाओं पर टैरिफ 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश किया। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित पांच प्रमुख राज्यों में चुनाव करीब होने के बाद भी उन्होंने लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज रखा। साथ ही सुधार एक्सप्रेस को जारी रखते हुए वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए कर छूट और कृषि एवं पर्यटन क्षेत्रों को प्रोत्साहन का प्रस्ताव रखा। सीतारमण ने संसद में कुल 53.5 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। छोटे उद्यमों एवं विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की। अब तक के सर्वाधिक 12.22 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के साथ इस बजट को बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच वृद्धि को बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक रूपरेखा के रूप में देखा जा रहा है। सीतारमण ने छूट को युक्तिसंगत बनाकर सीमा शुल्क व्यवस्था को सरल बनाया है। इसके तहत 17 कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क से छूट दी गई है। बैगेज नियमों में ढील के साथ व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयातित वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

छोटे उद्योगों के साथ कृषि, पर्यटन क्षेत्रों पर जोर

नई दिल्ली। निर्मला सीतारमण ने अपना लगातार रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करते हुए वैश्विक अनिश्चितता के बीच बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर को बनाए रखते हुए पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया जो पिछले वित्त वर्ष में 11.2 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि सरकार सात क्षेत्रों औषधि, सेमीकंडक्टर, दुर्लभ-खनिज चुंबक, रसायन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र और खेल सामग्री में विनिर्माण को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देगी। साथ ही, रोजगार सृजन और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास पर भी जोर दिया जाएगा। बजट में पशुधन, मत्स्य पालन और उच्च मूल्य वाले कृषि क्षेत्रों के लिए भी कई कार्यक्रमों की घोषणा की गई। वहीं भारत को जैव-औषधि विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। कपड़ा क्षेत्र के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम की भी घोषणा की गई। पर्यटन के लिए हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पारिस्थितिकी रूप से टिकाऊ पर्वतीय मार्गों के विकास के साथ-साथ 15 पुरातात्विक स्थलों के विकास का भी प्रस्ताव किया गया। लघु उद्यमों को बढ़ावा देने और भविष्य के 'चैंपियन' तैयार करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई वृद्धि कोष बनाने का प्रस्ताव किया गया है। इसमें चुनिंदा मानदंडों के आधार पर उद्यमों को प्रोत्साहन प्रदान करने की बात कही गयी है। बजट में घोषित उपाय पिछले वर्ष आयकर में छूट और जीएसटी कटौती के पूरक हैं। इन उपायों ने बुनियादी ढांचे पर खर्च, श्रम कानून में सुधार और रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दर में कटौती के साथ मिलकर भारतीय अर्थव्यवस्था को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत के शुल्क का सामना करने में मदद की है।

वित्त मंत्री ने बताए 3 कर्तव्य

सीतारमण ने बजट पेश करते हुए सरकार का विकास रोडमैप सामने रखा। उन्होंने तीन मूल कर्तव्यों गिनाए।

- **आर्थिक ग्रोथ :** सरकार का पहला कर्तव्य है भारत की आर्थिक वृद्धि को तेज रखना। वैश्विक हालात चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और सरकार का लक्ष्य है कि वृद्धि दर को लगातार ऊंचा रखा जाए।
- **जनता की उम्मीद :** दूसरा कर्तव्य है जनता की उम्मीदों और उनके भरोसे पर खरा उतरना। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, युवाओं के अवसर, महिला सशक्तिकरण और रोजगार ऐसे क्षेत्र हैं जहां सरकार बजट के जरिए सीधे राहत देने और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है।
- **सबका साथ, सबका विकास :** सरकार का तीसरा कर्तव्य है विकास को सबके लिए समान और सुलभ बनाना। सीतारमण ने कहा कि किसी भी नीति या योजना का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचे।

एसटीटी बढ़ोतरी से बाजार धराशायी, सेंसेक्स 1,547 अंक टूटा

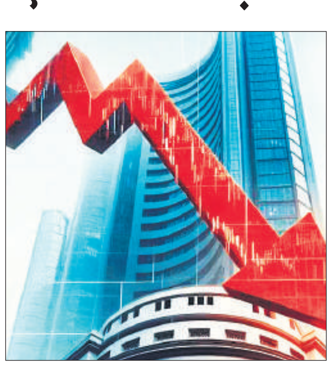

मुंबई। वायदा सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने की केंद्रीय बजट में घोषणा के बाद रविवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,547 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 495 अंक टूटकर बंद हुआ। मार्केट में भारी बिकवाली के दबाव में निवेशकों के 9.40 लाख करोड़ रुपये डूब गए। विश्लेषकों के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में सौदों पर एसटीटी को बढ़ाने का ऐलान बाजार को पसंद नहीं आया और यह बहुत तेजी से नीचे चला गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए दोपहर के कारोबार में 2,370.36 अंक यानी 2.88 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 80,000 अंक के अहम स्तर से भी नीचे फिसलकर 79,899.42 अंक पर खिसक गया था।

- **सात साल में सबसे बड़ी गिरावट, वित्त मंत्री बोलीं- सट्टेबाजी को रोकना है मकसद, निवेशकों के 9.40 लाख करोड़ डूबे**

हालांकि, बाद में सेंसेक्स थोड़े सुधार के साथ 1,546.84 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 495.20 अंक यानी 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 748.9 अंक यानी 2.95 प्रतिशत लुढ़ककर 24,571.75 अंक के निचले स्तर तक चला गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) धीरज रेल्ली ने कहा, एसटीटी में प्रस्तावित बढ़ोतरी अल्पावधि में पूंजी बाजार से जुड़ी इकाइयों के लिए दबाव बना सकती है, हालांकि दीर्घावधि में इसके सकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं।

140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं वाला बजट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है तथा विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है। मोदी ने कहा कि बजट में अवसरों की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि बजट में देश की नारी शक्ति का प्रतिबिंब झलकता है। सीतारमण ने लगातार नौवीं बार देश का बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं को नई गति देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह बजट 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा की नींव है। इस वर्ष का बजट भारत की सुधार एक्सप्रेस को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा। भारत केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट नहीं है और यह बजट भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करता है।

विकसित भारत के निर्माण का प्रेरणादायी संकल्प-पत्र

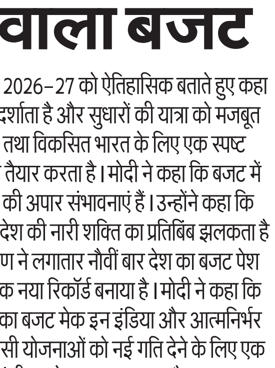

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह विकसित भारत के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प पत्र है। उन्होंने कहा यह बजट युवाओं को अवसर, किसानों को सुरक्षा, उद्यमियों को प्रोत्साहन, मध्यम वर्ग को राहत और श्रमिकों को सम्मान प्रदान करेगा। योगी ने कहा यह बजट नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को नई गति देने के साथ ही कृषि, ग्रामीण विकास, अवसंरचना, पर्यटन, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को सशक्त बनाते हुए 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को साकार करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन देकर 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव को और सुदृढ़ किया गया है।

वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि 2026-27 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.3 प्रतिशत रहेगा जो चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित 4.4 प्रतिशत से कम है। कहा कि सरकार अगले वित्त वर्ष में राज्यों को कर हस्तांतरण राशि के रूप में 1.4 लाख करोड़ रुपये प्रदान करेगी जबकि शुद्ध कर प्राप्तियां 28.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में अनुमानित राजकोषीय घाटा (सरकारी व्यय और आय के बीच का अंतर) सकल घरेलू उत्पाद (जीडपी) का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

एक लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को शामिल करने और आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान को मजबूत करने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने की घोषणाएं इस बार आम बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए खास हैं। इसी के साथ भारत को चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में पांच क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र स्थापित करने में राज्यों को सहायता देने के लिए योजना शुरू करने की घोषणा भी देश के चिकित्सा विशेषज्ञों को काफी भायी है।

स्वस्थ भारत

स्वास्थ्य मंत्रालय को 1,06,530 करोड़ रुपये का बजट आवंटित

10% पिछली बार से ज्यादा

निजी क्षेत्र की साझेदारी में बनेंगे पांच क्षेत्रीय चिकित्सा हब

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को 2026-27 के बजट में 1,06,530.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो 2025-26 के बजट के मुकाबले 10 प्रतिशत ज्यादा है। सरकार ने भारत को एक प्रमुख चिकित्सा पर्यटन गंतव्य के तौर पर बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में पांच क्षेत्रीय चिकित्सा हब बनाने में राज्यों की मदद के लिए एक योजना का प्रस्ताव रखा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को लोकसभा में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि ये हब एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल परिसर के तौर पर काम करेंगे, जिनमें चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय दूर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए, बजट आवंटन को 45 करोड़ रुपये से कुछ बढ़ाकर 51 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 350 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। स्वायत्त इकाइयों के लिए बजट आवंटन 2024-25 में 21,901.98 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 22,343.97 करोड़ रुपये हो गया है।

नई दिल्ली स्थित एम्स के लिए आवंटन 5,238.70 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,500.92 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि आईसीएमआर के लिए 4,821.21 करोड़ रुपये चिह्नित किए गए हैं, जो लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि है।

केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए आवंटन 37,100.07 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 39,390 करोड़ रुपये किया

530.42 करोड़ रुपये में से 1,01,709.21 करोड़ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग तथा 4,821.21 करोड़ रुपये स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के लिए

आयुष्मान भारत का बजट 5.6% बढ़ा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए आवंटन 8,995 करोड़ से बढ़ाकर 9,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

अगले पांच साल में बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

नई दिल्ली। बजट में अगले पांच वर्षों में बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से देश के दवा उद्योग को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। 'बायोफार्मास्युटिकल्स' या 'बायोलॉजिक्स' ऐसे जटिल औषधीय उत्पाद होते हैं, जिन्हें रासायनिक संश्लेषण के बजाय जीवों, कोशिकाओं या ऊतकों से तैयार किया जाता है। वित्त मंत्री ने विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा समेत छह प्रमुख क्षेत्रों के लिए ठोस पहल करने का प्रस्ताव रखा।

दस क्षेत्रों में जोड़े जाएंगे एक लाख स्वास्थ्य पेशेवर

नई दिल्ली। अगले पांच सालों में ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया और एप्लाइड साइकोलॉजी समेत अलग-अलग क्षेत्रों में करीब एक लाख सहायक स्वास्थ्य पेशेवरों (एएचपी) को जोड़ा जाएगा। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि एएचपी के लिए मौजूदा संस्थानों को उन्नत किया जाएगा और निजी तथा सरकारी क्षेत्र में नए एएचपी संस्थान बनाए जाएंगे। इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत के युवाओं के लिए कौशल वाले रोजगारों के नए रास्ते बनेंगे। इसमें ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ओटी टेक्नोलॉजी, एप्लाइड साइकोलॉजी और व्यवहार संबंधी सेहत समेत 10 चुने हुए क्षेत्र शामिल होंगे।

कैंसर के साथ सात अन्य दुर्लभ बीमारियों की दवाओं की कीमतें होंगी कम

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 में कैंसर के साथ सात और दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए रियायतों की घोषणा की है। वित्त मंत्री ने कहा कि कैंसर की 17 दवाओं पर मूलभूत सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी यानी इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा सात और दुर्लभ बीमारियों के उपचार में काम आने वाली दवाओं के आयात शुल्क में भारी छूट दी गई है। मूलभूत सीमा शुल्क वह टैक्स है जो भारत सरकार विदेशों से आयात किए जाने वाले सामान पर लगाती है और यह सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत लिया जाता है। इस फैसले का सबसे बड़ा असर कैंसर और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के काम में आने वाली दवाओं की कीमत पर पड़ेगा।

- बुजुर्गों और सहायक देखभाल सेवाओं के लिए एक मजबूत देखभाल प्रणाली बनाई जाएगी।

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

नई दिल्ली। पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और दवाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने का बजट में प्रस्ताव रखा गया। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद आयुर्वेद को दुनिया भर में पहचान और मान्यता मिली। अच्छी गुणवत्ता के आयुर्वेद उत्पाद जड़ी-बूटियों की पैदावार करने वाले किसानों और इनका प्रसंस्करण करने वाले युवाओं की मदद करते हैं।

वित्त मंत्री ने बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने, प्रमाणन तंत्र के लिए आयुष फार्मेसी और दवा जांच प्रयोगशालाओं को उच्च मानकों पर पहुंचाने और अधिक कुशल लोग उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। वित्त मंत्री ने कहा, प्राचीन भारतीय योग, जिसे दुनिया के कई हिस्सों में पहले से ही सम्मान है, को तब बड़े पैमाने पर वैश्विक पहचान मिली जब प्रधानमंत्री इसे संयुक्त राष्ट्र में ले गए। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद, आयुर्वेद को भी वैसी ही वैश्विक पहचान मिली। वित्त मंत्री ने जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक परंपरागत औषधि केंद्र को उन्नत करने का भी प्रस्ताव रखा ताकि पारंपरिक दवाओं के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।

निमहांस 2.0 के साथ रांची मानसिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में उभरेगा

रांची। अपने मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों के लिए जानी जाने वाली झारखंड की राजधानी रांची को इसका पहला निमहांस मिलने जा रहा है, जो उत्तर भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को रांची में दूसरे राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस 2.0) की स्थापना की घोषणा की।

पहला निमहांस बेंगलुरु में स्थित है। शहर के दो प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक केंद्र द्वारा संचालित रांची तांत्रिका और मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान 100 से अधिक वर्षों से मनोरोग देखभाल, अनुसंधान और पुनर्वास के प्रमुख केंद्रों के रूप में कार्य कर रहे हैं। सीआईपी अधिकारियों ने कहा कि वे संस्थान को निमहांस की तर्ज पर उन्नत करने की मांग कर रहे थे। इस संस्थान की स्थापना अंग्रेजों ने 17 मई 1918 को रांची यूरोपियन लुनेटिक असाइलम के नाम से की थी। सीतारमण ने कहा, उत्तर भारत में कोई राष्ट्रीय संस्थान नहीं हैं। इसलिए, हम निमहांस 2.0 की स्थापना करेंगे और रांची तथा तेजपुर में स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों के रूप में उन्नत करेंगे।

शिक्षित भारत

8.27% से ज्यादा वृद्धि

शिक्षा के क्षेत्र के लिए आम बजट 2026-27 में 1.39 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जिसमें उच्च शिक्षा के लिए 55,727 करोड़ रुपये शामिल

प्रमुख औद्योगिक लॉजिस्टक केंद्रों के पास देश में बनेंगी 5 विश्वविद्यालय टाउनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी

युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का उद्देश्य

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि सरकार प्रमुख औद्योगिक 'लॉजिस्टिक' केंद्रों के आसपास पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप स्थापित करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि सरकार प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के आसपास पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप बनाने में राज्यों को सहयोग देगी। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा, 'इन प्रस्तावित शैक्षणिक क्षेत्रों में कई विश्वविद्यालय, कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, कौशल केंद्र और आवासीय परिसर होंगे।

केंद्र सरकार ने बजट में शिक्षा को प्राथमिकता वाले क्षेत्र में रखते हुए इस वर्ष 8.27 प्रतिशत से अधिक धनराशि का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री की ओर से पेश किए गए बजट में शिक्षा को 1,39,289 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वर्ष 2025-26 के बजट में कुल 128650 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। सरकार का कहना है कि इस बजट का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को भविष्य के लिए तैयार करना और युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। बजट में उच्च शिक्षा और खासतौर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और मैथ्स (एसटीईएम) को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

हर जिले में बनेगा गर्ल्स हॉस्टल 700 से ज्यादा जिले हैं पूरे देश में

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के हर जिले में एक बालिका छात्रावास (गर्ल्स हॉस्टल) स्थापित करने की घोषणा की। देश में 700 से अधिक जिले हैं। सीतारमण ने पशु चिकित्सा महाविद्यालयों, अस्पतालों और जांच प्रयोगशालाओं के लिए ऋण से जुड़ी पूंजीगत सब्सिडी सहायता योजना का भी प्रस्ताव रखा। मंत्री ने आयुष औषधालयों और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं के उन्नयन तथा गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रमुख औद्योगिक ''लॉजिस्टिक'' केंद्रों के आसपास के क्षेत्रों में पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप के लिए भी सहायता प्रदान करेगा।

शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता पर उच्च स्तरीय समिति का होगा गठन

नई दिल्ली। देश को वैश्विक सेवा क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सरकार ''शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता'' पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करेगी। वित्त मंत्री ने रविवार को बजट पेश करते हुए कहा, मैं ''शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता'' पर एक उच्चस्तरीय स्थाई समिति के गठन का प्रस्ताव करती हूं, जो विकसित भारत के प्रमुख प्रेरक के रूप में सेवा क्षेत्र पर केंद्रित उपायों की सिफारिश करेगी। इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक सेवा क्षेत्र में अग्रणी बनाना है, ताकि वर्ष 2047 तक वैश्विक सेवाओं में हमारी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत हो सके। यह समिति विकास, रोज़गार और निर्यात की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करेगी। साथ ही, एआई सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के रोजगार और कौशल आवश्यकताओं पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर आवश्यक उपायों का सुझाव देगी।

15,000 स्कूलों, 500 कॉलेजों में स्थापित की जाएंगी 'एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब'

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की प्रमुख पहल 'इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज' के तत्वावधान में 15,000 माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने में सहयोग देने का प्रस्ताव रखा है।

सीतारमण ने बजट भाषण में कहा, भारत का एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र एक उभरता हुआ उद्योग है, जिसके लिए 2030 तक 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा, मैं 15,000 माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज, मुंबई को सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव करती हूं। केंद्रीय बजट में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को 4,551.94 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

इसमें से एक बड़ी राशि भारत के सार्वजनिक प्रसारक 'प्रसार भारती' के साथ-साथ एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स और गेमिंग क्षेत्र में प्रतिभा विकास और सामुदायिक रेडियो के विस्तार को समर्थन देने के लिए निर्धारित की गई है। एवीजीसी क्षेत्र में प्रतिभा विकास के लिए 250 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसके माध्यम से सरकार देश के युवाओं को कंटेंट क्रिएशन में अग्रणी बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

एवीजीसी क्षेत्र में प्रतिभा विकास के लिए 250 करोड़ रुपये

21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से बजट, शिक्षा के प्रति दर्शाता है सरकार की प्राथमिकता को : प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रविवार को पेश केंद्रीय बजट में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में शिक्षा के बजट को बढ़ाया गया है जो सरकार की शिक्षा के प्रति प्राथमिकता को दर्शाता है।

प्रधान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बजट में नवजात शिशु से लेकर युवा तक का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि क्वालिटी, स्कूल शिक्षा, स्किलिंग, नर्चरिंग इनोवेशन, इंटरप्रेन्योरशिप और शोध इस बजट के बड़े संकेत है। भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे ले जाने के लिए बजट में कई कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में शिक्षा में बजट बढ़ाया गया है। पिछली बार की तुलना में इस बार बजट 8.27 प्रतिशत अधिक है जो सरकार की शिक्षा के प्रति प्राथमिकता को दर्शाता है।

प्रधान ने कहा कि भारत की लड़कियां विज्ञान, तकनीक और गणित की शिक्षा में दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ है। सरकार ने इसमें और गति देने के लिए हर जिले में लड़कियों के लिए एक छात्रावास बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप बनाए जाएंगे जिसमें शोध,नवाचार और ज्ञान का एक इकोसिस्टम बनेगा। अर्थ नीति को बढ़ाने के लिए उसे ज्ञान से जोड़ना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान खोले जाने की घोषणा की गई है। देश से बाहर पढ़ने जाने वाले छात्रों को पहले पांच प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था उसे दो प्रतिशत किया गया जिससे छात्रों को देश के बाहर शोध करने के लिए जाना आसान होगा। उन्होंने कहा कि बजट में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीआरटी) के बजट में चौदह प्रतिशत की बढोत्तरी की गई है।

इस बजट में भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे ले जाने की कल्पना

रेलवे और रक्षा

2.77 लाख करोड़ में रेलवे करेगा विकास

नई रेल लाइन का निर्माण और लोकोमोटिव, वैगन तथा कोच की खरीद के साथ-साथ होंगे कई अन्य कार्य

- 2025-26 में 2,52 लाख करोड़ थे आवंटित वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 10.25% ज्यादा
- रेलवे की कमाई 3,85,733.33 करोड़ और खर्च 3,82,186.01 करोड़ होने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजी व्यय के लिए रेल मंत्रालय को 2,77,830 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की। बजट आवंटन में नई रेल लाइन का निर्माण और लोकोमोटिव, वैगन तथा कोच की खरीद के साथ अन्य कार्य शामिल हैं। मंत्रालय को वित्त वर्ष 2025-26 में 2,52,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। आने वाले वित्त वर्ष के लिए यह आवंटन 10.25 प्रतिशत ज्यादा है, जो अब तक का सर्वाधिक है। इसके अलावा, मंत्रालय को अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से 15,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

बजट दस्तावेज के मुताबिक, रेलवे की कुल कमाई 3,85,733.33 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि खर्च 3,82,186.01 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जिससे वित्त वर्ष के आखिर में 3,547.32 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि क्योंकि रेलवे की कमाई इतनी कम है कि वह परिसंपत्ति बनाने और नए कामों का समर्थन नहीं कर सकती, इसलिए उसे सरकार से धन मिलता है। इसलिए, मंत्रालय को नई लाइन बिछाने, नैरो गेज को ब्रॉड गेज में बदलने और सिंगल-लाइन वाले मार्गों पर डबल लाइन बनाने जैसे कार्यों के लिए 2,77,830 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बजट दस्तावेज में विभिन्न निर्माण कार्यों और संपत्ति निर्माण परियोजनाओं के लिए 2,77,830 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव है। इनमें नई लाइन के लिए 36,721.55 करोड़ रुपये, गेज परिवर्तन के लिए 4,600 करोड़ रुपये, लाइन दोहरीकरण के लिए 37,750 करोड़ रुपये, रोलिंग स्टॉक (लोकोमोटिव, वैगन आदि) के लिए 52,108.73 करोड़ रुपये, और सिग्नलिंग तथा दूरसंचार के लिए 7,500 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस दस्तावेज में 2024–25 में रेलवे की वास्तविक कमाई और खर्च का ब्यौरा भी दिया गया है। साल के दौरान, रेलवे ने 3,35,757.09 करोड़ रुपये कमाए और 3,32,440.64 करोड़ रुपये खर्च किए, जिससे 3,316.45 करोड़ रुपये की आय हुई। उस साल के लिए बजट में 2,51,946.56 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था।

एक अधिकारी ने कहा कि जहां तक वित्त वर्ष 2025–26 की बात है, कमाई और खर्च के असल आंकड़े वित्त वर्ष खत्म होने के बाद ही मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकतर कमाई और खर्च मामूली बदलावों के साथ उम्मीद के मुताबिक ही हैं। रेलवे के कुल खर्च में से सबसे बड़ा हिस्सा उसके कर्मचारियों को पेंशन देने में जाता है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2024-25 में पेंशन पर खर्च 58,844.07 करोड़ रुपये था, जिसके 2026-27 में बढ़कर 74,500 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

सात हाई-स्पीड, एक फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्तव रखा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को 2026–27 के केंद्रीय बजट में अलग–अलग शहरों के बीच सात हाई–स्पीड कॉरिडोर और पश्चिम बंगाल के डंकुनी से गुजरात के सूरत के बीच एक नए विशेष फ्रेट कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि पर्यावरण अनुकूल यात्री प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, हम शहरों के बीच ग्रोथ कनेक्टर के तौर पर सात हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करेंगे। वित्त मंत्री के मुताबिक, ये प्रस्तावित गलियारे मुंबई और पुणे, पुणे और हैदराबाद, हैदराबाद और बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई, चेन्नई और बेंगलुरु, दिल्ली और वाराणसी तथा वाराणसी और सिलीगुड़ी के बीच विकसित किए जाएंगे। सीतारमण ने कहा कि मालवहन के लिए पर्यावरण अनुकूल सतत परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, वह पूर्वी क्षेत्र में डंकुनी को पश्चिमी हिस्से के सूरत से जोड़ने वाला एक नया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रख रही हैं। अभी, अहमदाबाद और मुंबई के बीच एक हाई–स्पीड कॉरिडोर पर काम जारी है। इसी तरह, कई राज्यों और जिलों में दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर – ईस्टर्न और वेस्टर्न का काम जारी है।

राजकोषीय घाटे की भरपाई को 17.2 लाख करोड़ का कर्ज लेगी सरकार

सरकार अगले वित्त वर्ष में 4.3% के अनुमानित राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए कुल 17.2 लाख करोड़ रुपये उधार ले सकती है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025–26 में 14.80 लाख करोड़ रुपये के सकल कर्ज का अनुमान लगाया था। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से कर्ज लेती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए, प्रतिभूतियों से शुद्ध बाजार उधारी 11.7 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। शेष वित्तपोषण लघु बचत और अन्य स्रोतों से किये जाने की उम्मीद है। सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। कर्ज की राशि अधिक होने के प्रश्न पर, आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि शुद्ध बाजार उधारी 11.73 लाख करोड़ रुपये के आसपास है, जो कुछ वर्षों के आंकड़ों के करीब है। उन्होंने कहा कि यह बड़ी संख्या इसलिए है क्योंकि हमें इस साल 5.5 लाख करोड़ रुपये चुकाने हैं। इसलिए, उस लिहाज से हमें यह कोई बड़ी संख्या नहीं लगती। ठाकुर ने कहा कि प्रतिभूति पुनर्खरीद और अदला–बदली का मुख्य उद्देश्य सरकार पर ऋण चुकाने का बोझ कम करना, एक साथ कई ऋण के जमा होने के प्रभाव को कम करना और लागत को नियंत्रित करना है। उन्होंने कहा कि हमने इस साल उच्च ब्याज वाली प्रतिभूतियों की महत्वपूर्ण अदला–बदली की है। अगले साल इस 5.5 लाख करोड़ रुपये को चुकाना होगा। जैसे–जैसे ये प्रतिभूतियां आती रहेंगी, हम निर्णय लेते रहेंगे। बजट के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि केंद्र राज्यों से उनके राजकोषीय प्रबंधन के बारे में बात कर रहा है और उनके ऋणों पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र अनुच्छेद 293 (3) के तहत यह सुनिश्चित करने के लिए भी बाध्य है कि राज्यों के कर्ज पर भी नजर रखी जाए। हम उन्हें नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन उनके वित्तीय प्रबंधन अधिनियम से ऊपर जाने पर हम उस पर गौर कर सकते हैं।

बजट में राजकोषीय मजबूती, पूंजीगत व्यय बढ़ने से वृद्धि को मिलेगा प्रोत्साहन

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बजट 2026–27 में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रशंसा की। कांत ने एक्स पर कहा कि सीतारमण ने राजकोषीय घाटे को प्रभावशाली ढंग से घटाकर जीडीपी का 4.3 प्रतिशत किया है, जो 2020–21 के 9.2 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से एक बड़ी कमी है। उन्होंने कहा कि राजकोषीय अनुशासन के वादे को सफलतापूर्वक निभाने के लिए निर्मला सीतारमण को बधाई! इस उपलब्धि ने न केवल हमारी अर्थव्यवस्था में भरोसे को मजबूत किया है, बल्कि निजी क्षेत्र को कर्ज लेने के लिए अधिक अनुकूल वातावरण भी तैयार किया है। कांत ने कहा कि इस राजकोषीय मजबूती को पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ जोड़ा गया है, जिससे प्रभावी पूंजीगत व्यय अब जीडीपी का 4.4 प्रतिशत हो गया है।

लड़ाकू दक्षता बढ़ाने के लिए सेना को मिले 7.85 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7,84,678 करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जो पिछले वर्ष के आवंटन 6.81 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। सरकार का ध्यान खासकर चीन और पाकिस्तान से बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर सेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने पर है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के परिप्रेक्ष्य में पूंजीगत खरीद के बजट समेत रक्षा आवंटन में की गई यह वृद्धि हमारी सेना को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प को प्रबल बनाएगी। कुल आवंटन में से 2,19,306 करोड़ रुपये सशस्त्र बलों के पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए, जिसमें मुख्य रूप से नए हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य सैन्य उपकरण खरीदना शामिल है। यह पूंजीगत व्यय 2025-26 के बजट अनुमान की तुलना में 21.84 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय के तहत, 63,733 करोड़ रुपये विमान और एयरो इंजन के लिए और 25,023 करोड़ रुपये नौसेना बेड़े के लिए आवंटित किए गए हैं। कुल पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष के बजटीय अनुमान 1.80 लाख करोड़ रुपये से 39,000 करोड़ रुपये अधिक है। 2025-26 का संशोधित पूंजीगत व्यय 1,86,454 करोड़ रुपये अनुमानित था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 1.39 लाख करोड़ रुपये (पूंजीगत खरीद बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा) वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान घरेलू उद्योगों के माध्यम से खरीद के लिए निर्धारित किए गए हैं।

खरीदे जाएंगे 114 राफेल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पेश किए गए बजट में किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने की रक्षा तैयारियों को आगे बढ़ाने और सेनाओं के आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया है। बजट में वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के मद्देनजर पूंजीगत बजट में अच्छी खासी बढोतरी की गयी है जो 2.19 लाख करोड़ रुपये है। सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 24% अधिक है। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ दिए गए है जबकि पिछली बार 1.60 लाख करोड़ रुपये था। अनुसंधान और विकास के लिए भी 17250 करोड़ रुपये का प्रावधान है जो पिछली बार 14923 करोड़ रुपये था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आए बजट ने देश की रक्षा व्यवस्था को और मज़बूत बनाने के सरकार के संकल्प को और सुदृढ़ किया है।

5000 करोड़ में सात सीईआर होंगे स्थापित

सरकार ने शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए बेंगलुरु, सूरत और वाराणसी सहित सात शहरी आर्थिक क्षेत्र (सीईआर) स्थापित किए हैं। इनके लिए पांच साल में प्रति क्षेत्र 5,000 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया गया है। सीतारमण ने शहरों को भारत के विकास, नवोन्मेष और अवसरों का इंजन बताते हुए कहा कि यह नई पहल मझोली और छोटे शहरों (टियर दो और तीन) के साथ–साथ मंदिर नगरों पर केंद्रित होगी, जिन्हें आधुनिक बुनियादी ढांचे और बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है। सरकार ने बजट में दो नई योजनाओं–शहरी आर्थिक क्षेत्रों और क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्रों के लिए 2,000 करोड़ से अधिक का प्रस्ताव रखा है। यह आवंटन सात शहरी आर्थिक क्षेत्रों बेंगलुरु, भुवनेश्वर–पुरी–कटक त्रिपक्षीय क्षेत्र, कोयंबटूर–ईरोड–तिरुप्पुर, पुणे, सूरत, वाराणसी और विशाखापत्तनम के लिए प्रस्तावित किया गया है।

PARAS HEALTH

सेहत का सफर, अब हुआ आसान

पारस हॉस्पिटल की मुफ़्त बस सेवा

यात्राएँ: प्रति बस प्रतिदिन 2 (सुबह और दोपहर)
संचालन : सोमवार से शनिवार

पहली यात्रा: 10:00 बजे से
दूसरी यात्रा: 12:30 बजे से

दिनांक 3 फरवरी से बस सेवा की शुरुआत की जाएगी

Bus 1: हरजिंदर नगर → रामा देवी → पारस सिटी क्लिनिक (स्वरूप नगर) → हैलट हॉस्पिटल → रावतपुर स्टेशन → पारस हॉस्पिटल

Bus 2: नौबस्ता (केंद्रांचल डिस्पेंसरी) → बर्रा 2 (सचान चौराहा) → फजलगंज → रावतपुर स्टेशन → गुरुदेव → आज़ाद नगर डिस्पेंसरी → पारस हॉस्पिटल

Bus 3: रावतपुर (पाण्डु नगर डिस्पेंसरी) → विजय नगर → भाटिया चौराहा → पनकी मंदिर → अर्मापुर गेट न. 3 → कल्याणपुर → पारस हॉस्पिटल

पारस हॉस्पिटल, बिठूर रोड, कोठारी चौराहा, कानपुर
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें 0512 352 6969

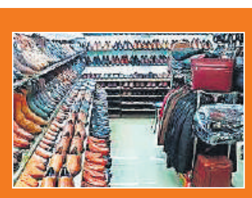

आयकर में नहीं मिली राहत स्टैंडर्ड डिडक्शन पहले जैसा

अमृत विचार, बजट डेस्क

केंद्रीय बजट में आमजन की टैक्स से जुड़ी उम्मीदों के मुताबिक, कोई ऐलान नहीं हुआ। इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। लोगों को आशा थी कि स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 75,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये की जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले बजट में सरकार ने इनकम टैक्स में बड़ा बदलाव किया था। इसके मुताबिक 12 लाख रुपये सालाना आय वालों को कोई टैक्स नहीं देना था। यही सीमा अब 2026-27 में भी लागू रहेगी। इसके ऊपर स्टैंडर्ड डिडक्शन भी पूर्व की भांति 75 हजार ही रहेगा। ऐसे में मिडिल क्लास के हाथ खाली रह गए।

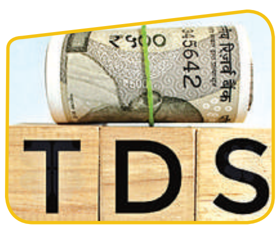

टैक्स में कुछ इन छूट का भी ऐलान

- वित्त मंत्री की बजट घोषणा के अनुसार अब किसी मोटर एक्सीडेंट क्लेम के तहत तय ब्याज को इनकम टैक्स से छूट दी जाएगी। इस पर कोई टीडीएस नहीं लगेगा। लेबर सर्विस को टीडीएस के तहत लाने का प्रस्ताव किया गया है और इन सेवाओं पर 1 से 2 फीसदी की टीडीएस कटौती हो सकती है।

छोटे करदाताओं को राहत

वित्त मंत्री ने कहा कि छोटे करदाताओं के लिए एक योजना का प्रस्ताव किया जा रहा है. अब आईटीआर फाइल करने पर कम या जीरो टैक्स कटौती सर्टिफिकेट ले सकेंगे। इसके अलावा, अलग-अलग कंपनियों के शेयर रखने वाले करदाताओं की सुविधा के लिए डिपोजिट्री, निवेशक के फॉर्म 15जी या फॉर्म 15एच स्वीकार करने और इसे सीधे उन कंपनियों को उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया गया है।

विदेश में घूमना, इलाज और पढ़ाई अब पहले से सस्ती

- सरकार ने विदेश घूमने वालों के लिए बड़ी राहत दी है। विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले टीसीएस जो पहले 5-20 फीसदी लगता था, को घटाकर सिर्फ 2 फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह विदेश में मेडिकल और पढ़ाई पर होने वाले खर्च को लेकर बजट में बड़ा ऐलान किया गया है। सरकार ने टीसीएस के तहत खर्च पर ब्याज दर को 5% से घटाकर 2% कर दिया है, यानी आप विदेश में अपना पैसा खर्च करते हैं तो कम ब्याज देना होगा। हालांकि, यह सिर्फ एजुकेशन और मेडिकल खर्च के लिए ही मान्य होगा। इससे विदेश में पढ़ाई और इलाज अब सस्ता हो जाएगा।

आईटीआर के लिए नई डेडलाइन

अब आईटीआर-1 और 2 को भरने के लिए डेडलाइन 31 जुलाई है। नॉन-ऑडिटेड बिजनेस को आईटीआर भरने की डेडाइन 31 अगस्त तय की गई है। वहीं एनआरआई के लिए टैन की जरूरत अब समाप्त कर दी गई है। अब अचल संपत्ति की बिक्री पर टीडीएस की कटौती किए जाने पर निवासी खरीदार के पैन पर चालान के जरिए टीडीएस जमा किया जा सकता है।

एक अप्रैल से आयकर अधिनियम 2025

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि आयकर अधिनियम 2025 को एक अप्रैल से लागू किया जाएगा। यह छह दशक पुराने आयकर कानून का स्थान लेगा। आयकर अधिनियम-2025 के नियम तथा 'टैक्स रिटर्न' फॉर्म जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे, ताकि करदाताओं को इसकी आवश्यकताओं से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

63,500- करोड़ रुपये बजट में किसान सम्मान निधि के लिए जारी किए गए हैं। पिछली बार भी इस योजना के लिए इतनी ही धनराशि का आवंटन किया गया था। इस तरह 6000 रुपये सालाना की किसान सम्मान निधि योजना जारी रहेगी।

वित्त मंत्री ने बजट में किया स्मार्ट फार्मिंग एआई टूल 'भारत विस्तार' का ऐलान

खेती में एआई क्रांति से किसान होंगे मालामाल

अमृत विचार, बजट डेस्क

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कृषि तथा संबद्ध क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ का प्रस्ताव और किसानों की आमदनी में इजाफा करने के लिए कई उपायों की घोषणा की। इनमें कृषि क्षेत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण घोषणा एआई टूल 'भारत-विस्तार' (वर्चुअली इंटीग्रेटेड सिस्टम टू एक्सेस एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज) को माना जा रहा है। यह एक बहुभाषीय एआई टूल होगा जो एग्रीस्टैक पोर्टल और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संसाधनों को एआई प्रणाली से जोड़ेगा। इसका मकसद किसानों को उनकी अपनी भाषा में खास सलाह देना, खेती के जोखिमों को कम करना और पैदावार बढ़ाकर बेहतर फैसला लेने में मदद करना है। इससे किसान आसानी से अपनी आय में इजाफा कर सकेंगे। एग्रीस्टैक भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारत सरकार ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों के लिए एक संपूर्ण डेटाबेस बनाना है जिसमें उनकी पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, ऋण, फसल की जानकारी और बीमा इतिहास शामिल है। यह खेतों से प्राप्त डेटा और सरकारी एपीआई से मिली जानकारी का उपयोग करता है। एग्रीस्टैक के अंतर्गत विभिन्न डिजिटल उपकरणों और सेवाओं को शामिल किया जाता है। 'भारत विस्तार' का ऐलान सबका साथ विकास कर्तव्य का हिस्सा है। इसके अंतर्गत फसल चयन, मिट्टी स्वास्थ्य, मौसम पूर्वानुमान, बीज-खाद और कीटनाशक की सलाह के अलावा सरकारी योजनाओं की जानकारी, आवेदन तथा ट्रैकिंग जैसी सारी जानकारी एक ही इंटरफेस पर किसान को उसकी अपनी भाषा में मिलेगी। इस तरह यह प्लेटफार्म फसल की उत्पादकता बढ़ाएगा, किसानों के बेहतर निर्णय में मदद करेगा तथा कस्टमाइज्ड एडवाइजरी से जोखिम कम करेगा।

यूनिफाइड सिस्टम और एआई चैटबॉट

भारत विस्तार एआई टूल किसानों के लिए एक बहुभाषी एआई आधारित सिस्टम है, जो मौसम, फसल स्वास्थ्य, कीट प्रबंधन

और बाजार कीमतों की सटीक जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में प्रदान करेगा। इसके तहत किसानों को एआई चैट बॉट, यूनिफाइड सिस्टम और टेस्टिंग की जानकारी दी जाएगी। कृषि साथी एआई चैटबॉट के जरिए किसान वॉयस चैटिंग कर सकेंगे और अपनी खेती संबंधित सवाल और समस्याओं के बारे में पूछ सकेंगे।इसमें वे वीडियो के जरिए भी समाधान हासिल कर सकेंगे।

कोकोनट प्रोत्साहन योजना से एक करोड़ किसानों को लाभ

भारत दुनिया का सबसे बड़ा नारियल उत्पादक है। एक करोड़ किसानों सहित

लगभग तीन करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए नारियल पर निर्भर हैं। नारियल संवर्धन योजना के माध्यम से नारियल उगाने वाले प्रमुख राज्यों में नारियल उत्पादन में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए पुराने और कम पैदावार देने वाले पेड़ों को नए पौधों और किस्मों से बदलने का काम किया जाएगा।

20 हजार से अधिक पशु चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ेगी

पशुपालन ग्रामीण कृषि आय का करीब 16 प्रतिशत योगदान देता है, जिसमें गरीब और

सीमांत किसानों की आमदनी भी शामिल है। इसे देखते हुए वित्त मंत्री ने 20,000 से अधिक पशु-चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ऋण-सम्बद्ध पूंजी सब्सिडी योजना पेश की है। यह योजना पशु चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल, निजी कॉलेज, डायग्नोस्टिक लैब और प्रजनन सुविधाओं की स्थापना को बढ़ावा देगी।

पशुपालन क्षेत्र को मदद मिलने से बढ़ेगी किसान की आमदनी

1,62,671 रुपये कृषि क्षेत्र के लिए कुल आवंटन

7% अधिक है यह राशि पिछले साल के बजट आवंटन से

पशुपालन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। दुग्ध, पोल्ट्री और पशु व्यवसायों का आधुनिकीकरण होगा तथा वैल्यू चेन में किसान संगठनों को बढ़ावा मिलेगा। सरकार पशुधन उद्यमों का संवर्धन और आधुनिकीकरण करके डेयरी और मुर्गीपालन के लिए संकेंद्रित मूल्य श्रृंखला का सृजन को संवर्धित करके और पशुधन कृषक उत्पादक संगठनों की स्थापना को प्रोत्साहन देगी। बजट में रेशम, ऊन और जूट जैसे प्राकृतिक फाइबर, मानव निर्मित फाइबर और नए जमाने के फाइबर में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना तैयार करने की बात भी कही गयी। इससे रेशम किसानों, भेड़ पालक किसानों और जूट की खेती करने वाले किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास

- मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास किया जाएगा। इससे अंतर्देशीय मत्स्य पालन मजबूत होगा, तटीय क्षेत्रों में वैल्यू चेन विकसित होगी और स्टार्टअप, महिला समूहों तथा फिश फार्मर प्रोड्यूसर संगठनों के जरिए बाजार से जुड़ाव बढ़ेगा।

कृषि से रोजगार

काजू और कोको 2030 तक बनेगा प्रीमियम ग्लोबल ब्रांड

- भारत को कच्चे काजू और कोको की पैदावार व प्रसंस्करण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा निर्यात बेहतर करने के उपायों पर जोर देते हुए बजट में भारतीय काजू और भारतीय कोको को वर्ष 2030 तक प्रीमियम वैश्विक ब्रांड में मशहूर करने के लिए एक खास कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है।

अल्पकालिक ऋण की सीमा 3 से बढ़ाकर 5 लाख रुपये की

- बजट में केसीसी के तहत सब्सिडी वाले अल्पकालिक ऋण की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। इससे करोड़ों किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को आसानी से सस्ता ऋण मिलने का रास्ता साफ होने से खेती-किसानी में निवेश बढ़ेगा।

सस्ती खाद को 1.71 करोड़ बनेंगे सब्जी उत्पादन क्लस्टर

- किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने के लिए 1.71 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रमुख खपत केंद्रों के पास सब्जियों के बड़े उत्पादन क्लस्टर विकसित किए जाएंगे ताकि आपूर्ति श्रृंखला बेहतर हो सके।

उच्च मूल्य वाली फसलों पर जोर

- सरकार ने पारंपरिक फसलों के बजाय उच्च मूल्य वाली फसलों पर जोर दिया है। इसमें नारियल प्रोत्साहन योजना, तटीय क्षेत्रों में काजू, कोको और चंदन की खेती को बढ़ावा। पहाड़ी क्षेत्रों में अखरोट, बादाम और पाइन नट्स के बागानों का आधुनिकीकरण। पूर्वोत्तर में अगर के पेड़ों की खेती को प्रोत्साहन शामिल है।

किसानों का कल्याण केंद्र की सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान कल्याण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्रीय बजट 2026–27 में किसान को केंद्र में रखकर ऐसे निर्णय लिए गए हैं, जो किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगे। कोकोनट प्रोत्साहन योजना से उत्पादन बढ़ेगा और 1 करोड़ किसानों सहित लगभग 3 करोड़ लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकारों के साथ मिलकर इंडियन सैंडलवुड इकोसिस्टम के गौरव को पुनर्स्थापित किया जाएगा। कृषि संसाधनों तक किसानों की आसान पहुँच के लिए 'भारत विस्तार' नाम से एक बहुभाषी एआई आधारित प्रणाली विकसित की जाएगी।

उद्योग जगत

इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के निर्माण को 40 हजार करोड़ तो कंटेनर के वैश्विक इकोसिस्टम के लिए 10 हजार करोड़ रुपये

मैन्यूफैक्चरिंग और एमएसएमई बनेंगे विकसित भारत की राह में गेम चेंजर

नई दिल्ली, बजट डेस्क

केंद्रीय बजट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत में मैन्यूफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाकर 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई है। सरकार ने 7 रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में मैन्यूफैक्चरिंग को गति देने का प्रस्ताव किया है। इसमें बायोफार्मा में अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 'बायोफार्मा शक्ति' योजना शुरू की गई है। इलेक्ट्रॉनिक घटकों के निर्माण की योजना का बजट बढ़ाकर 40,000 करोड़ कर दिया गया है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत उपकरणों और आईपी डिजाइन पर विशेष जोर दिया गया है। 200 पुराने औद्योगिक क्लस्टरों को आधुनिक बुनियादी ढांचे और तकनीक के जरिए पुनर्जीवित किया जाएगा।ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में रेयर अर्थ कॉरिडोर (रेयर अर्थ कॉरिडोर) और 3 समर्पित केमिकल पार्क बनाए जाएंगे। एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) से घरेलू बाजार में बिक्री के लिए रियायती शुल्क की सुविधा। कंटेनर विनिर्माण का अगले 5 वर्षों में वैश्विक इकोसिस्टम बनाने के लिए 10,000 करोड़ का आवंटन हुआ है। टेक्सटाइल क्षेत्र में प्राकृतिक और मानव निर्मित फाइबर के लिए नेशनल फाइबर मिशन और में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। स्टार्टअप्स के लिए ऋण गारंटी सीमा को 10 से बढ़ाकर 20 करोड़ कर दिया गया है।

'कॉरपोरेट मित्रों' का दस्ता एमएसएमई की करेगा मदद: सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की सहायता के लिए मझोले (श्रेणी-दो) और छोटे (श्रेणी-तीन) शहरों में 'कॉरपोरेट मित्रों' का एक दस्ता तैयार करेगी। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले उपायों की सिफारिश करने के लिए 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम' स्थायी समिति का गठन करेगी। 'कॉरपोरेट मित्रों' का यह दस्ता एमएसएमई को किफायती लागत पर अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। सरकार इस दस्ते को तैयार करने के लिए आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीएमएआई जैसे संस्थानों को मॉड्यूल पाठ्यक्रम और व्यावहारिक टूल डिजाइन करने में सहयोग देगा।

एमएसएमई को 'चैंपियन' बनाने के लिए 10,000 करोड़ का कोष

10 हजार करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' योजना

200 पुराने औद्योगिक क्लस्टर बनेंगे आधुनिक

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को 'चैंपियन' बनाने के लिए तीन-आयामी रणनीति अपना रही है जिसमें 10,000 करोड़ रुपये का एक समर्पित कोष भी शामिल है। एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए वित्त मंत्री ने इक्विटी समर्थन, नगदी समर्थन और पेशेवर समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इक्विटी समर्थन के तहत 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई विकास कोष के माध्यम से चुनिंदा मानदंडों के आधार पर उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

- उन्होंने कहा कि एमएसएमई को तरलता समर्थन के लिए ट्रेड्स मंच की पूरी क्षमता का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (सीपीएसई) द्वारा सभी एमएसएमई खरीदारी का लेनदेन ट्रेड्स मंच पर करना, सीजीटीएमएसई के माध्यम से ऋण गारंटी प्रदान करना और जीईएम को कारोबार के साथ जोड़कर वित्तपोषण को तेज और सस्ता बनाना शामिल है। इसके साथ ही सीतारमण ने 2021 में गठित 'आत्मनिर्भर भारत कोष' में 2,000 करोड़ की अतिरिक्त राशि डालने की घोषणा की ताकि सूक्ष्म उद्यमों को जोखिम पूंजी उपलब्ध रहे।

"भविष्य के लिए तैयार भारत" का बजट

- **नयी दिल्ली।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने केंद्रीय बजट को "भविष्य के लिए तैयार भारत" का बजट बताया है। उनके मुताबिक इस बजट का मकसद निर्यात और घरेलू विनिर्माण को मजबूती देना है। बजट में मैन्युफैक्चरिंग, सेवाएं, महिलाएं, शिक्षा, कौशल विकास, मछुआरे, पशुपालन और नई तकनीक जैसे अहम क्षेत्रों को शामिल किया गया है। गोयल ने कहा कि अब तक करीब 350 सुधार किए जा चुके हैं और लगातार नई पहलों के जरिए सुधार की रफ्तार तेज हो रही है। बजट में डेटा सेंटर्स को अभूतपूर्व लाभ देने और 2047 तक टैक्स छूट का प्रस्ताव भी रखा गया है, जिससे भारत को एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार की मंशा साफ झलकती है।

उद्योग जगत ने बताया दूरदर्शी और भरोसा बढ़ाने वाला बजट

- **नयी दिल्ली।** केंद्रीय बजट को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने दूरदर्शी और भरोसा बढ़ाने वाला बताया है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यह बजट भारत की विकास यात्रा को स्थिर और मजबूत दिशा देता है। बजट में सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, रसायन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र, खेल सामग्री, महत्वपूर्ण खनिज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बजट कर अवकाश

भारत के डेटा सेंटर का उपयोग करने वाली विदेशी क्लाउड कंपनियों को कर अवकाश का प्रस्ताव

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को उन विदेशी कंपनियों के लिए 2047 तक 'कर अवकाश' का प्रस्ताव रखा, जो देश में स्थित डेटा सेंटर का उपयोग करके दुनिया भर के ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं प्रदान करती हैं। यह कर अवकाश संबंधित संस्थाओं को कुछ शर्तों के अधीन दिया जाएगा। अपने बजट भाषण में सीतारमण ने कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और डेटा सेंटर में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी विदेशी कंपनी को 2047 तक कर अवकाश देने का प्रस्ताव करती हूं, जो भारत से डेटा सेंटर सेवाओं का उपयोग करके विश्वस्तर पर ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है।'' इस कर अवकाश का लाभ उठाने के लिए कंपनियों को एक भारतीय पुनर्विक्रेता इकाई के माध्यम से भारतीय ग्राहकों को सेवाएं देनी होंगी।

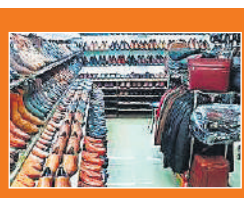

यूपी के विकास को मिलेगी रफ्तार, मिलेंगे 4 लाख करोड़ रुपये

● इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाई-स्पीड रेल, पर्यटन व सिटी इकोनॉमिक रीजन से टियर-2 व टियर-3 शहरों को मिलेगी मजबूती ● टेक्सटाइल व एआई आधारित कृषि पर फोकस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बजट -2026

● भाजपा जहां बजट को ऐतिहासिक बता रही, वहीं विपक्ष और विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है

अमृत विचार: आम बजट से प्रदेश को 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सौगात मिलने की उम्मीद है, जिससे विकास को नई रफ्तार मिलेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुखी योजनाओं पर फोकस से सरकार उत्साहित है। हाई-स्पीड रेल, जल परिवहन और सिटी इकोनॉमिक रीजन से तस्वीर बदलने की बात कही जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट को जमकर सराहा है। भाजपा जहां इसे ऐतिहासिक बता रही है, वहीं विपक्ष और विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है। आम आदमी और नौकरीपेशा वर्ग को प्रत्यक्ष राहत कम नजर आई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में केंद्रीय करों से उत्तर प्रदेश के हिस्से में 2.69 लाख करोड़ रुपये आएंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इस मद में राज्य को कुल 2.55 लाख करोड़ रुपये मिलने हैं। पूंजीगत निवेश (विकास कार्यों) के लिए राज्यों को ब्याजमुक्त ऋण योजना से 22 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इस मद में करीब 18 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान है।

इसी प्रकार केंद्र सहायतित योजनाओं के मद में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक, केंद्रीय वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर करीब 10 से 12 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। उत्तर प्रदेश के वित्त विभाग ने केंद्रीय योजनाओं से भी 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मिलने का अनुमान लगाया है। इन मदों से वर्ष 2026-27 में राज्य को करीब 4.18 करोड़ रुपये मिलेंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इन मदों से राज्य को 3.92 करोड़ रुपये मिलने हैं। अब केंद्र से मिलने वाले इस धनराशि के आधार पर राज्य सरकार अपना बजट तैयार करेगी।

बजट में किसान, महिला, युवा, कारीगर व छोटे उद्यमियों को केंद्र में रखते हुए समावेशी विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। विशेष रूप से पूर्वांचल, काशी क्षेत्र, बुंदेलखंड और टियर-2 व टियर-3 शहरों के लिए ये योजनाएं क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार, निवेश व आर्थिक गतिविधियों को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाराणसी-सिलीगुड़ी और दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का ऐलान किया, जिससे यूपी को कुल 1500 किमी हाई-स्पीड रेल मिली। इसके अतिरिक्त, सभी 75 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, कंटेनर निर्माण के लिए 10,000 करोड़ का विशेष बजट, नोएडा में सेमीकंडक्टर पार्क और तीर्थ स्थलों के विकास की घोषणा की गई। ये परियोजनाएं राज्य में कनेक्टिविटी, शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देंगी। केंद्र सरकार ने महिलाओं के सामाजिक और शैक्षिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में एक-एक गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा की है। इससे दूर-दराज़ इलाकों से उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए आने वाली छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक रहने की व्यवस्था मिलेगी।

बजट में यूपी को मिले प्रमुख तोहफे

- वाराणसी में इनलैंड वॉटरवेज शिप रिपेयर इकोसिस्टम
- बुंदेलखंड में होगा आईआईटी का निर्माण, पश्चिमी यूपी में खुलेगा एम्स
- सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना से टियर-2 व टियर-3 शहरों का कायाकल्प
- 12.2 लाख करोड़ के कैपेक्स से सड़क, रेल व लॉजिस्टिक्स को मजबूती
- खेल, एमएसएमई, खादी, हथकरघा व टेक्सटाइल सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन की घोषणा
- एआई आधारित 'भारत-विस्तार' से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक
- 'शी-मार्ट' से ग्रामीण महिलाओं को नया बाजार और उद्यमिता का अवसर
- सोलर, बैटरी व ई-मोबिलिटी को बढ़ावा, पीएम सूर्य घर योजना को गति
- हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल और जिला अस्पतालों की सुविधाओं का विस्तार
- 10,000 करोड़ का कंटेनर निर्माण विशेष बजट
- नोएडा में सेमीकंडक्टर पार्क, तीर्थ स्थलों का समग्र विकास

इस धनराशि से तय होगा यूपी के आम बजट का आकार

- केंद्रीय करों से हिस्सा (2026-27) : 2.69 लाख करोड़ (2025-26 में 2.55 लाख करोड़)
- पूंजीगत निवेश के लिए ब्याजमुक्त ऋण : 22,000 करोड़ (चालू वर्ष में 18,000 करोड़)
- केंद्र सहायतित योजनाएं : 1 लाख करोड़ से अधिक
- वित्त आयोग की सिफारिशों से : 10,000-12,000 करोड़
- केंद्रीय योजनाओं से अनुमानित राशि : 15,000 करोड़ से अधिक
- कुल अनुमानित केंद्रीय सहायता (2026-27) : लगभग 4.18 लाख करोड़
- (2025-26 में लगभग 3.92 लाख करोड़)

आपात-स्थिति में सस्ता और प्रभावी इलाज

गरीबों व निम्न आयवर्ग के लोगों को आपात-स्थिति में सस्ता व प्रभावी इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से केंद्रीय बजट में सभी जिला अस्पतालों की इमरजेंसी सुविधाएं बढ़ाने तथा ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे समय पर उपचार मिलने से जान बचाने की संभावनाएं बढ़ेंगी और जिला अस्पतालों की क्षमता में भी वृद्धि होगी। इन दोनों पहलों से यूपी में न केवल स्वास्थ्य का आधारभूत ढांचा मजबूत होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और सहायक कर्मियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सोलर, बैटरी और ई-मोबिलिटी क्षेत्र में रियायत बनेगी गेम चेंजर

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय बजट 2026 में सोलर ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज और ई-मोबिलिटी से जुड़े कस्टम ड्यूटी व आयात शुल्क में दी गई रियायतों को उत्तर प्रदेश के लिए गेम-चेंजर के रूप में देखा जा रहा है। इन फैसलों को प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना और राज्य में तेजी से उभरते ई-मोबिलिटी इकोसिस्टम से जोड़कर आंका जा रहा है। नीति विशेषज्ञों का मानना है कि बजट के ये प्रावधान रूफटॉप सोलर विस्तार, सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग, ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा संतुलन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी- इन चारों क्षेत्रों को एक साझा दिशा में आगे बढ़ाएंगे। बजट 2026 में लिथियम-आयन बैटरी निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल- कोबाल्ट पाउडर, बैटरी स्क्रैप और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। सोलर सेक्टर के लिए बजट में एक अहम प्रावधान करते हुए सोलर ग्लास निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल सोडियम एंटीमॉनेट को कस्टम ड्यूटी से छूट दी गई है। उद्योग जगत का मानना है कि इन रियायतों से डोमेस्टिक कंटेंट रिक्वायरमेंट (डीसीआर) आधारित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिलेगी। इनपुट्स सस्ते होने से घरेलू उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता घटेगी। इसका असर उत्तर प्रदेश में सोलर वैल्यू चेन के विस्तार के रूप में सामने आ सकता है। बजट प्रावधानों के बाद नोएडा, लखनऊ, कानपुर और पूर्वांचल के औद्योगिक क्षेत्रों में नई सोलर मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के साथ-साथ ईवी कंपोनेंट्स, बैटरी पैक असेंबली और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े निवेश बढ़ने की संभावना है।

कनेक्टिविटी से लेकर रोजगार तक बदलेगा यूपी का परिदृश्य

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय बजट 2026-27 उत्तर प्रदेश के लिए विकास का व्यापक खाका लेकर आया है। हाई-स्पीड रेल, जल परिवहन, सिटी इकोनॉमिक रीजन और 12.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड कैपिटल एक्सपेंडिचर से प्रदेश की कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही किसान, महिला, युवा, एमएसएमई, पर्यटन और टेक्सटाइल सेक्टर पर विशेष ध्यान देकर रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित करने की दिशा तय की गई है।

हाई-स्पीड रेल से बदलेगी कनेक्टिविटी की तस्वीर

केंद्रीय बजट में घोषित 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 2 महत्वपूर्ण कॉरिडोर सीधे उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं, जिनमें दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से राजधानी दिल्ली से काशी, पूर्वांचल और आगे पूर्वी भारत तक की रेलयात्रा तेज, सुरक्षित, सुविधाजनक तरीके से संपन्न होगी। आधुनिक तकनीक से लैस रेल नेटवर्क प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। हाई-स्पीड रेल से लंबी दूरी की यात्रा का समय काफी कम होगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियों, औद्योगिक निवेश व पर्यटन को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। काशी, पूर्वांचल व सीमावर्ती जिलों में उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

वाराणसी को मिलेगा जल परिवहन में नया आयाम

राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा जल परिवहन को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केंद्रीय बजट में वाराणसी में इनलैंड वॉटरवेज शिप रिपेयर इकोसिस्टम स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। यह पहल गंगा नदी पर विकसित हो रहे जलमार्ग आधारित परिवहन तंत्र को तकनीकी व व्यावसायिक रूप से मजबूत बनाएगी। शिप रिपेयर इकोसिस्टम के स्थापित होने से मालवाहक जहाजों और जलपोतों के रखरखाव व मरम्मत की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी, जिससे समय और लागत दोनों में कमी आएगी। इससे लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बढ़ावा मिलने के साथ जल परिवहन, एक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में प्रभावी होगा।

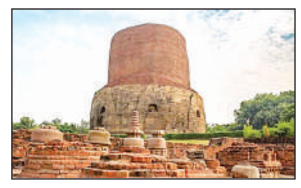

पर्यटन व धार्मिक स्थलों को नई पहचान, संरक्षण को विशेष महत्व

केंद्रीय बजट में पर्यटन व सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। इसी क्रम में भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ तथा हस्तिनापुर को देश के 15 प्रमुख पुरातात्विक पर्यटन स्थलों के विकास कार्यक्रम में शामिल किया जाना उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इससे न केवल यूपी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर नई मजबूती मिलेगी, बल्कि पर्यटकों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। इससे धार्मिक, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से होटल, होम-स्टे, ट्रांसपोर्ट, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और अन्य सहयोगी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

सिटी इकोनॉमिक रीजन से शहरों का होगा समग्र विकास

केंद्रीय बजट 2026-27 में टियर-2 और टियर-3 शहरों को विकास की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से सिटी इकोनॉमिक रीजन (सीईआर) योजना की शुरुआत की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत बड़े महानगरों पर निर्भरता कम करते हुए पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले अन्य शहरों में बुनियादी ढांचे व आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और झांसी जैसे प्रमुख शहरों को इस योजना का सीधा लाभ मिल सकता है। आगामी पांच वर्षों में प्रत्येक सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए लगभग 5000 करोड़ तक का चरणबद्ध निवेश प्रस्तावित है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में रिकॉर्ड निवेश की घोषणा मिलेगा सीधा लाभ

केंद्रीय बजट में देशभर में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास को गति देने के लिए 12.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) की घोषणा की गई है, जिसका सीधा व अप्रत्यक्ष लाभ उत्तर प्रदेश को भी मिलेगा। केंद्र सरकार के इस कैपेक्स का उद्देश्य आर्थिक विकास को रफ्तार देना, रोजगार सृजन करना और भारत को वैश्विक निवेश का आकर्षक केंद्र बनाना है। उत्तर प्रदेश में इस निवेश से सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, रेलवे नेटवर्क और लॉजिस्टिक हब के विस्तार को नई गति मिलेगी। राज्य का पहले से मजबूत होता एक्सप्रेसवे नेटवर्क (पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा और लिंक एक्सप्रेसवे) औद्योगिक कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करेगा।

एमएसएमई, खादी और वस्त्र क्षेत्र को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● लाखों उद्यमियों, कारीगरों और श्रमिकों के लिए नए अवसर

● एकीकृत वस्त्र कार्यक्रम, ग्रोथ फंड और ग्रामीण उद्योगों पर फोकस

अमृत विचार: केंद्रीय बजट 2026-27 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्रोद्योग को सशक्त बनाने के लिए कई अहम और दूरगामी प्रावधान किए गए हैं। वस्त्र क्षेत्र के लिए एक व्यापक, एकीकृत कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय फाइबर योजना, वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना, राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प कार्यक्रम, टेक्स-इको पहल और समर्थ 2.0 जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार सृजन और निर्यात को गति देना है। मेगा टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना से उत्तर प्रदेश में निवेश के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

इन प्रावधानों से प्रदेश के एमएसएमई, खादी, हथकरघा, रेशम और वस्त्रोद्योग से जुड़े लाखों उद्यमियों, कारीगरों और श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा। रोजगार बढ़ेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10,000 करोड़ का एसएमई ग्रोथ फंड स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही आत्मनिर्भर भारत फंड में 2,000 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी डाली जाएगी। छोटे उद्यमों की कार्यशील पूंजी की समस्या कम करने के लिए ट्रेड रिसीवेबल्स इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंटिंग सिस्टम के दायरे का विस्तार किया जाएगा।

कॉरपोरेट मित्र और विरासत औद्योगिक क्लस्टर का प्रस्ताव

'कॉरपोरेट मित्र' व्यवस्था के जरिए एमएसएमई को व्यावसायिक मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और बाजार से जोड़ने की पहल की गई है। इसके साथ ही देशभर में 200 विरासत इंडस्ट्रियल क्लस्टरों के कायाकल्प का प्रस्ताव है, जिनमें हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टर भी शामिल होंगे। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जूते के ऊपरी हिस्सों के शुल्क-मुक्त आयात का विस्तार और चमड़ा व वस्त्र परिधान निर्यात की समय-सीमा बढ़ाने जैसे कदम उठाए गए हैं। इनसे वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों को नई पहचान मिलेगी।

किसानों, महिलाओं व युवाओं पर विशेष ध्यान

केंद्रीय बजट में समावेशी विकास को प्राथमिकता देते हुए किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भारत-विस्तार योजना के माध्यम से किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि से जोड़ा जाएगा। इससे राज्य के अन्नदाता किसानों को मौसम, मिट्टी, फसल चक्र और बाजार की मांग के अनुरूप सटीक कृषि सलाह उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे फसल जोखिम कम होगा और राज्य के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि संभव होगी। विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलेगा, जो परंपरागत खेती पर निर्भर हैं। बजट में ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शी-मार्ट्स की शुरुआत की गई है। कृषि-तकनीक, डिजिटल मार्केटिंग, लॉजिस्टिक्स और उद्यमिता से जुड़े नए अवसर सृजित होंगे।

स्वास्थ्य व शिक्षा में सशक्त कदम

केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना का प्रावधान किया गया है, ताकि ग्रामीण व दूर-दराज के इलाकों से आने वाली छात्राओं को दिक्कत का सामना न करना पड़े। इससे उच्च शिक्षा, मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल की पढ़ाई करने वाली छात्राओं को सुरक्षित और सुलभ आवास सुविधा मिल सकेगी। बजट में प्रस्तावित स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग व मैथ्स) संस्थानों से प्रदेश में पहले से जारी स्किल डेवलपमेंट अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है बजट

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट भारतीय आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प इसमें स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने कहा कि यह बजट सर्वसमावेशी दृष्टि, दूरदर्शी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का सशक्त घोषणापत्र है। राज्यपाल ने कहा कि करीब 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना, राजकोषीय अनुशासन, नियंत्रित घाटा और संतुलित कर्ज-जीडीपी अनुपात इस बात का प्रमाण है कि भारत की विकास यात्रा सुदृढ़ नींव पर आगे बढ़ रही है।

बजट पर विभिन्न दलों के नेताओं का कहना...

ऐतिहासिक बजट : केशव प्रसाद मौर्य

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज का बजट ऐतिहासिक है। देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। अपार अवसरों का राजमार्ग है। 2047 के विकसित भारत की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है।

बजट में यूपी का रखा ध्यान : पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आम बजट में उत्तर प्रदेश का पूरा ध्यान रखा गया है। स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित हर क्षेत्र को बजट में समाहित किया गया है

विकसित भारत को लेकर जनोन्मुखी बजट: पंकज

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला जनोन्मुखी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आर्थिक मजबूती, सामाजिक संतुलन और दीर्घकालिक विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। हाई-स्पीड रेल, आयुष, सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, कृषि और एमएसएमई पर जोर से रोजगार, निवेश और कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

समझ से बाहर है बजट : अखिलेश

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बजट-2026 में आम जनता के लिए कुछ भी नहीं है और यह पूरी तरह समझ से बाहर है। अगर हालात ऐसे ही चलते रहे तो पीतल को लोहे पर चढ़ाकर गहने बनाने पड़ेंगे, यह बजट उसी सोच को दिखाता है। आरोप लगाया कि बजट कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है।

मायावती ने बजट पर उठाए सवाल

अमृत विचार : केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बजट में कई योजनाओं, परियोजनाओं और आश्वासनों का जिक्र है, लेकिन इनके वास्तविक असर का आकलन जमीन पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं, इन पर सही नीयत से अमल होना जरूरी है। सलाह देते हुए कहा कि बजट गरीब और बहुजन हितैषी होना चाहिए, न कि केवल पूंजीपतियों और बड़े उद्योगपतियों का पक्ष लेने वाला।

बजट जवाब देने से भागने वाला : संजय

अमृत विचार : केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह बजट सवालों से भागने वाला बजट है और सरकार को अब देश की जनता को जवाब देना ही होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने पहली बार शपथ ली थी, तब उन्होंने देश के युवाओं से वादा किया था कि बजट में बेरोज़गारी पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया।

आत्मनिर्भरता के संकल्प को ऊर्जा देगा बजट: अनिल

अमृत विचार : बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि यह विकसित भारत का बजट है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। यह बजट विशेष कर अन्नदाताओं, नौजवानों, महिलाओं और शोषित वंचित उत्थान के लिए समर्पित है और किसानों की आय बढ़ाने तथा ग्रामीण बुनियाद को मजबूत करने का काम करेगा।

विश्लेषण

बजट तात्कालिक वाहवाही के लिए नहीं, बल्कि समय की कसौटी पर खरा उतरने के लिए रचा गया वक्तव्य : प्रो. अजय द्विवेदी

बजट संख्या नहीं संकेत : देश की आर्थिक चेतना का निर्णायक क्षण

प्रो. अजय द्विवेदी
पूर्व डीन, प्रबंधन संकाय
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

अमृत विचार: भारत का आम बजट तब तक अधूरा रहता है, जब तक उसे केवल आय-व्यय के गणित की तरह पढ़ा जाता है। उसका वास्तविक अर्थ तब खुलता है, जब उसे समाज की मनःस्थिति, राष्ट्र की दिशा और सत्ता की मानसिकता के साथ जोड़कर देखा जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट एक ऐसे दस्तावेज़ के रूप में सामने आता है, जो शोर नहीं करता, संकेत देता है। यह बजट उत्सव का नहीं, निर्णय का बजट है। तात्कालिक वाहवाही के लिए नहीं, बल्कि समय की कसौटी पर खरे उतरने के लिए रचा गया वक्तव्य।

हर बजट अपने साथ अपेक्षाओं की एक लंबी कतार लेकर आता है। मध्यम वर्ग कर राहत की प्रतीक्षा करता है। किसान स्थिर आय और सुरक्षा की उम्मीद करता है। युवा रोजगार के ठोस संकेत खोजते हैं। उद्योग नीति स्थिरता और निवेश अनुकूल वातावरण चाहता है। सामाजिक क्षेत्र अधिक संसाधनों की आकांक्षा रखता है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं कि क्या यह बजट सबको खुश करता है, बल्कि यह है कि यह बजट किस दिशा में देश को ले जाना चाहता है। मध्यम वर्ग के लिए यह बजट भावनात्मक संतोष का साधन नहीं बनता। प्रत्यक्ष करों में बड़े और आकर्षक बदलावों का अभाव पहली दृष्टि में निराशा पैदा कर सकता है। पर इसके भीतर छिपा संदेश अधिक गहरा है। सरकार यह संकेत देती है कि अस्थिर अर्थव्यवस्था में दी गई त्वरित राहत अंततः उसी वर्ग को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। महंगाई नियंत्रण, निवेश निरंतरता और वित्तीय अनुशासन को प्राथमिकता देना यह दर्शाता है कि मध्यम वर्ग को उपभोक्ता नहीं, बल्कि आर्थिक भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। यह दृष्टि लोकप्रिय नहीं, पर जिम्मेदार है। कृषि और ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट करुणा से अधिक रणनीति की भाषा बोलता है। किसान को सहायता का पात्र नहीं, बल्कि आर्थिक संरचना का आधार मानने की सोच इस बजट को लोकलुभावन परंपरा से अलग करती है। ग्रामीण रोजगार, कृषि अवसंरचना और मूल्य संवर्धन पर निरंतर जोर यह स्पष्ट करता है कि सरकार जानती है कि गांव कमजोर हुआ तो शहर की प्रगति टिकाऊ नहीं रह सकती। यहां राहत बांटने से अधिक जड़ों को मजबूत करने का प्रयास दिखाई देता है। युवा वर्ग के लिए यह बजट सबसे अधिक बहस को जन्म देता है। सीधे रोजगार के बड़े वादे नहीं हैं, कोई ऐसा आंकड़ा नहीं जिसे पोस्टर पर उकेरा जा सके। पर कौशल, तकनीक, स्टार्टअप और अवसंरचना के माध्यम से अवसर निर्माण की जो संरचना प्रस्तुत की गई है, वह यह संकेत देती है कि सरकार नौकरी देने की नहीं, रोजगार अर्थव्यवस्था बनाने की सोच पर आगे बढ़ रही है। यह दृष्टि धैर्य मांगती है, पर दीर्घकाल में आत्मनिर्भरता की ठोस जमीन तैयार करती है।

उद्योग और व्यापार जगत के लिए यह बजट राहत की सांस जैसा है। करों में अप्रत्याशित झटकों का अभाव, नीति की निरंतरता और अवसंरचना निवेश का स्पष्ट संकेत यह दर्शाता है कि सरकार उद्योग को संदेह की दृष्टि से नहीं, साझेदार के रूप में देखती है। यह बजट उद्योग से यह नहीं कहता कि सरकार सब कुछ करेगी, बल्कि यह भरोसा देता है कि रास्ता स्थिर और स्पष्ट रहेगा, चलना उद्योग को स्वयं होगा। सामाजिक क्षेत्र में यह बजट भावनात्मक घोषणाओं से सावधानीपूर्वक दूरी बनाए रखता है। शिक्षा और स्वास्थ्य को नारों के रूप में नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यही वह सूक्ष्म अंतर है जो इस बजट को गंभीर बनाता है। यह स्वीकार किया गया है कि मानव संसाधन पर किया गया निवेश तत्काल राजनीतिक लाभ नहीं देता, पर दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण का यही आधार होता है। इस पूरे बजट की रीढ़ उसका वित्तीय अनुशासन है। राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने का संकल्प यह स्पष्ट करता है कि सरकार विकास की कीमत पर लापरवाही नहीं करना चाहती। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में यह संयम भारत को एक जिम्मेदार और परिपक्व अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है। अवसंरचना पर निरंतर निवेश के साथ यह अनुशासन यह दर्शाता है कि सरकार विकास को गति देना चाहती है, पर संतुलन खोकर नहीं।

बजट प्रतिक्रिया

वृद्धि, समावेशन का संयोजन वाला साहसिक बजट: सुनील मित्तल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने, ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करने और डेटा सेंटर परिवेश को प्रोत्साहन देने से भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास मजबूत होगा। मित्तल ने इसे विकास और समावेश को संयोजित करने वाला एक साहसिक बजट बताया और कहा कि कौशल विकास पर जोर के साथ विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान में लगातार निवेश समय पर किया गया कदम है, जो घरेलू क्षमताओं को मजबूत करेगा और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात की जगह घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देगा। मित्तल ने कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के उपाय, ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करना और डेटा सेंटर परिवेश को प्रोत्साहन देना, भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास को और मजबूत करेगा।

यह बजट झुनझुना है दिखता है पर बजता नहीं : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, एजेंसी। राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद प्रमोद तिवारी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ' 'मोना' ' ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि यह "झुनझुने" की तरह है, जो दिखता तो है लेकिन बजता नहीं। उन्होंने इसे किसान, बेरोजगार युवाओं और लघु एवं मध्यम उद्योगों के खिलाफ बताते हुए कहा कि बजट से देश की जनता निराश हुई है। उनका दावा है कि बजट के बाद बाजार में गिरावट इसका संकेत है। नेता ने कहा कि पिछले एक वर्ष से पूंजी निवेश ठहरा हुआ है और न तो विदेशी निवेश आ रहा है और न ही स्वदेशी निवेश में वृद्धि हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चालू वर्ष में राजस्व प्राप्तियों में 78,086 करोड़ रुपये और शुद्ध कर संग्रह में 1,62,748 करोड़ रुपये की कमी आर्थिक सुस्ती का संकेत है। उनके अनुसार स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास, नगर विकास, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई योजनाओं में बजटीय कटौती की गई है, जिससे अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए कोई ठोस नई योजना या अतिरिक्त प्रावधान नहीं किया गया है और यह बजट केवल नारों तक सीमित है।

खेल विकास से सधेगी युवा शक्ति

युवा और खेल मंत्रालय के लिए बजट में 1,133 करोड़ की वृद्धि, खेलो इंडिया मिशन की शुरूआत

नई दिल्ली, एंजेंसी

वर्ष 2025-26 3,346 करोड़
वर्ष 2026-27 4,479.88 करोड़

- 2036 तक भारत को टॉप 10 खेल देशों में और 2047 तक टॉप 5 में जगह दिलाने का विज़न
- स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये

यूनियन बजट 2026-27 भारत के स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है, जिसमें टैलेंट डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार पैदा करने पर फोकस किया गया है।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेलो इंडिया मिशन शुरू करने की घोषणा की, जिसका मकसद अगले दशक में स्पोर्ट्स सेक्टर को बदलना है। युवा मामले और खेल मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन में 1,133 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। डेवलपमेंट सेक्टर के तौर पर स्पोर्ट्स की बढ़ती अहमियत पर जोर देते हुए, फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा, स्पोर्ट्स सेक्टर रोज़गार, स्किलिंग और नौकरी के कई मौके देता है।

खेलो इंडिया प्रोग्राम के जरिए स्पोर्ट्स टैलेंट को सिस्टमैटिक तरीके से आगे बढ़ाने की शुरुआत करते हुए, मैं अगले दशक में स्पोर्ट्स सेक्टर को बदलने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं। यूनियन बजट में, स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये दिए गए हैं। खेलो इंडिया मिशन पूरे देश में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एक बड़ा तरीका अपनाएगा। इस मिशन का मकसद एथलीट के लिए सही रास्ते बनाना, इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी को मजबूत करना और सभी लेवल पर परफॉर्मेंस के नतीजों को बेहतर बनाना है। बजट में युवाओं पर केंद्रित नेचर पर जोर देते हुए, फाइनेंस मिनिस्टर ने इस बात पर जोर दिया कि ये प्रस्ताव युवाओं को जोड़ने की कोशिशों से निकले आइडिया और उम्मीदों को दिखाते हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 में, हमारे प्रधानमंत्री के साथ कई नए आइडिया शेयर किए गए, जिनसे कई प्रस्तावों को प्रेरणा मिली, जिससे यह एक अनोखा युवा शक्ति पर आधारित बजट बन गया। ग्लोबल स्पोर्ट्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में भारत की क्षमता को पहचानते हुए, बजट में स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक खास पहल का भी प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने कहाः केंद्रीय बजट 2026-27, युवा मामले और खेल मंत्रालय को कुल बजट आवंटन में 1,133 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ ज़्यादा फाइनेंशियल सपोर्ट देता है, ताकि 2036 तक भारत को टॉप 10 खेल देशों में और 2047 तक टॉप 5 में जगह दिलाने का विज़न पूरा हो सके। मंत्रालय के लिए आवंटन 2025-26 में 3,346 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 4,479.88 करोड़ रुपये हो गया है।

बढ़ा हुआ आवंटन केंद्र द्वारा चलाए जा रहे खेल और युवा विकास योजनाओं को लागू करने को मजबूत करेगा, जिसमें एथलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम, युवा जुड़ाव की पहल, कोचिंग और सपोर्ट सिस्टम, स्पोर्ट्स साइंस इंटीग्रेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शामिल हैं।

बैंकों के लिए उच्चस्तरीय समिति की हुई घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बजट में इस प्रस्ताव से होगा बही खाता सुधार, बैंकों की गांवों की ओर पहुंच और तेजी से बढ़ेगी
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण उपकरण) नियमों की हो सकेगी व्यापक समीक्षा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ''विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की। यह समिति बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करेगी और इसे भारत की वृद्धि के अगले चरण के लिए तैयार करेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र आज मजबूत बही-खाते, लाभप्रदता के ऐतिहासिक उच्चस्तर, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता और देश के 98 प्रतिशत से अधिक गांवों को शामिल करने वाली पहुंच से लैस है।

उन्होंने आगे कहा, हम इस मोड़ पर इस क्षेत्र की सुधार आधारित वृद्धि जारी रखने के लिए आवश्यक उपायों का मूल्यांकन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। सीतारमण ने लोकसभा में बजट भाषण देते हुए कहा, मैं वित्तीय स्थिरता, समावेश और उपभोक्ता संरक्षण को सुरक्षित रखते हुए इस क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करने और इसे भारत की वृद्धि के अगले चरण के साथ जोड़ने के लिए ''विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्चस्तरीय समिति'' स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के नजरिये को ऋण वितरण और प्रौद्योगिकी अपनाने के स्पष्ट लक्ष्यों के साथ जोड़ा गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी में पैमाना हासिल करने और दक्षता में सुधार करने के लिए उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन के पुनर्गठन का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा, मैं भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं के अनुरूप विदेशी निवेश के लिए अधिक समकालीन और उपयोगकर्ता के अनुकूल ढांचा तैयार करने के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण उपकरण) नियमों की व्यापक समीक्षा का प्रस्ताव करती हूं। इस प्रस्ताव से देश के बैंकिंग क्षेत्र को लाभ मिल सकेगा।

भारत बनेगा एआई में सबसे बड़ा हब

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बजट पेश होने के बाद रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा कि भारत कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े हब के रूप में उभरने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

उन्होंने डिजिटल और तकनीकी विकास को बजट की मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल बताया और कहा कि भारत का एआई-पारिस्थितिकी तंत्र आज पहले से कहीं अधिक व्यवस्थित, निवेश-अनुकूल बन चुका है। श्री वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सेमीकॉन 2.0 और सेमीकॉन 1.0 की सफलता के आधार पर आगे बढ़ रहा है, जो सेमीकंडक्टर के उपकरणों, सामग्री का घेरलू विनिर्माण और डिज़ाइन और प्रतिभा पारिस्थितकी तंत्र को मज़बूत करने पर फोकस करता है। उन्होंने मंत्रालय के तहत आईटी सेवाओं में बड़े सुधारों की भी घोषणा की। जिसमें टैक्स और लागू करने को आसान बनाना, और एआई डेटा सेंटर्स के लिए मज़बूत समर्थन शामिल है-जिसे 8.25 लाख करोड़ रुपये (90 बिलियन डॉलर) तक के निवेश और 2047 तक टैक्स हॉलिडे का सपोर्ट मिला है-जो भारत को वैश्विक एआई हब के तौर पर स्थापित करेगा। श्री वैष्णव ने बताया कि एआई और तकनीक को लेकर बजट में मिले प्रोत्साहन से देश में एआई -संबंधित बुनियादी ढांचे, डेटा-सेंटर, जीपीयू (ग्राफ़िक्स प्रोसेसिंग यूनिट) क्षमता और शोध को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत किसी अन्य देश की नकल नहीं कर रहा, बल्कि अपनी रणनीति के साथ एक वास्तविक और व्यावहारिक एआई विकास मॉडल तैयार कर रहा है। श्री वैष्णव ने कहा कि एआई सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था का अगला बड़ा इंजन है, और भारत की रणनीति इसे विश्व स्तर पर एक प्रमुख एआई हब के रूप में स्थापित करने की है। उन्होंने कहा कि सरकार एआई का उपयोग, स्किलिंग, रिसर्च और निवेश को समान रूप से बढ़ावा दे रही है ताकि देश के युवा, स्टार्टअप्स तथा उद्योग सभी इस तकनीक का लाभ उठा सकें।

पीएफ ट्रस्ट में नियोक्ता योगदान को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को भविष्य निधि या पीएफ ट्रस्ट के प्रावधानों को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया। इसके तहत नियोक्ता के योगदान पर समानता और प्रतिशत आधारित सीमाओं की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। इस पहल का मकसद कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) खातों में नियोक्ताओं के योगदान को सरल बनाकर कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देना है। इस समय कुछ ऐसे पीएफ ट्रस्ट हैं, जिन्हें सेवानिवृत्ति निधि संभालने वाली संस्था ईपीएफओ और आयकर विभाग से मान्यता प्राप्त है। इन ट्रस्ट के नियोक्ता कुछ सीमाओं के तहत पीएफ खातों में अपने कर्मचारियों के योगदान की तुलना में कम या अधिक राशि का योगदान करते थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि परिवर्तनों का उद्देश्य कामकाज को आसान बनाना है।

रियल एस्टेट और शहरी विकास को प्रोत्साहन

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा

केंद्रीय बजट पर राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने रविवार को कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यह बजट उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत आर्थिक विकास पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है।

श्री जैन ने बजट में लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सभी क्षेत्रों व सेक्टरों तक अवसरों की समान पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है, जो "सबका साथ, सबका विकास" की भावना को मजबूती देता है। श्री जैन ने शहरी संतुलित विकास के लिए पूंजीगत व्यय को वित्त वर्ष 2026-27 में 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किए जाने के निर्णय को दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों पर विशेष फोकस से टियर-2 और टियर-3 शहरों में रियल एस्टेट गतिविधियों को नई गति मिलेगी और मेट्रो शहरों से परे संतुलित शहरीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर लोहिया वर्ल्डस्पेस के निदेशक पीयूष लोहिया ने कहा कि यह बजट आधारभूत ढांचे पर केंद्रित है और रियल एस्टेट सेक्टर के लिए स्थिरता व दीर्घकालिक विकास का मजबूत आधार तैयार करता है। उन्होंने कहा कि सात हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर-मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेंगे और इनके आसपास नए रियल एस्टेट, औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित होंगे। दोनों विशेषज्ञों ने कहा कि यह बजट रियल एस्टेट सेक्टर के लिए भरोसेमंद, निवेश-अनुकूल और विकासोन्मुख वातावरण तैयार करता है, जो भारत के शहरी और आर्थिक भविष्य को नई दिशा देगा।

म्यूचुअल फंड आय से जुड़े ब्याज खर्चों पर कटौती खत्म करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने रविवार को लाभांश और म्यूचुअल फंड आय से संबंधित ब्याज खर्चों पर मिलने वाली कटौती को खत्म करने का प्रस्ताव रखा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस प्रस्ताव से वह मौजूदा प्रावधान खत्म हो जाएगा, जिसके तहत लाभांश या म्यूचुअल फंड आय के 20 प्रतिशत तक के ब्याज खर्चों पर कटौती की अनुमति मिलती थी। आम बजट 2026-27 के अनुसार, यह प्रस्ताव है कि लाभांश आय या म्यूचुअल फंड की इकाइयों से होने वाली आय के संबंध में किए गए किसी भी ब्याज व्यय पर कोई कटौती नहीं दी जाएगी। साथ ही, एक तय सीमा तक ऐसी कटौती की अनुमति देने वाले मौजूदा प्रावधान को हटाने का भी प्रस्ताव है।

यह बदलाव आयकर अधिनियम, 2025 का हिस्सा है, जो एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। अब अगर निवेशक कर्ज लेकर निवेश करते हैं, तो उनके ऋण के ब्याज जैसे खर्चों को लाभांश या म्यूचुअल फंड आय से घटाया नहीं जाएगा। इससे ऐसी आय पर कर योग्य राशि प्रभावी रूप से बढ़ जाएगी।

आवास ऋण के ब्याज पर छूट में अब ब्याज भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रस्ताव दिया गया है कि स्वयं के कब्जे वाली संपत्ति के मामले में आवास ऋण के ब्याज पर मिलने वाली दो लाख रुपये तक की आयकर कटौती में अब संपत्ति के अधिग्रहण या निर्माण से पहले दिया गया ब्याज भी शामिल किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए सरकार आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 22(2) में संशोधन करेगी। इससे एक अप्रैल 2026 से लागू नए कर कानून के तहत गृह ऋण लेने वाले करदाताओं को राहत जारी रहेगी। बजट दस्तावेज के अनुसार आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 22 गृह संपत्ति से होने वाली आय के मामले में मिलने वाली कटौतियों से संबंधित है।

विदेश में रहने वालों को निवेश की होगी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

पीआरओआई निवेश

- भारतीय कंपनियों में अब इक्विटी निवेश कर सकेंगे

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि भारत के बाहर रहने वाले व्यक्तिगत व्यक्ति (पीआरओआई) अब पोर्टफोलियो निवेश योजना के जरिये सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में इक्विटी निवेश कर सकेंगे। सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि पीआरओआई के लिए निवेश सीमा को भी अब पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा जा रहा है।

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार कॉरपोरेट बॉन्ड सूचकांक पर कोष एवं डेरिवेटिव्स तक उपयुक्त पहुंच के लिए एक ढांचा विकसित करने का प्रस्ताव कर रही है। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में आधारभूत संरचना के विकास पर ध्यान देना जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि गुजरात के जामनगर में स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन का वैश्विक परंपरागत औषधि केंद्र अद्यतन किया जाएगा। साथ ही देश की दूरबीन और खगोल विज्ञान अवसंरचना को भी उन्नत करने का प्रस्ताव है।

बजट के मुताबिक, पर्यटन एवं कौशल विकास क्षेत्र में सरकार 20 प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों पर 10,000 गाइड के कौशल उन्नयन के लिए पायलट योजना शुरू करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पर्वतारोहण में विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने की क्षमता मौजूद है। इसके अलावा केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पर्यावरण-संवेदनशील पर्यटन मार्ग भी विकसित करेगी।

सुधार | बजट में प्रशासनिक सुधारों को 65 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जाएगा

कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर 299 करोड़ खर्च करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश और विदेश में सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने तथा बुनियादी ढांचे से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 299 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव है।

रविवार को पेश बजट के अनुसार, इसके अलावा प्रशासनिक सुधारों के लिए 65 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस प्रावधान में सरकारी कार्यालयों के आधुनिकीकरण की योजना, प्रशासनिक सुधारों पर पायलट परियोजनाएं शामिल हैं जिनमें ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देना, सुशासन को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक शिकायतों के निवारण के लिए एक व्यापक प्रणाली शामिल है।

आगामी वित्त वर्ष के लिए कुल 299 करोड़ रुपये के परिव्यय में से, 120.8 करोड़ रुपये प्रशिक्षण प्रभाग, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) के लिए स्थापना संबंधी व्यय को पूरा करने के लिए, 52.2 करोड़ रुपये प्रशिक्षण योजनाओं के लिए और 126 करोड़ रुपये केंद्र के महत्वाकांक्षी ''मिशन कर्मयोगी'' या सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को निर्धारित की गई है। मिशन कर्मयोगी को सबसे बड़ी नौकरशाही सुधार पहल कहा जाता है। इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को अधिक रचनात्मक, सक्रिय, पेशेवर और प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना है। बजट दस्तावेज में कार्मिक मंत्रालय के लिए बजटीय प्रावधानों का विवरण देते हुए कहा गया कि 120.8 करोड़ रुपये के प्रावधान में दिल्ली स्थित आईएसटीएम, मसूरी स्थित एलबीएसएनएए और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रशिक्षण प्रभाग से संबंधित स्थापना व्यय शामिल हैं। ये संगठन सचिवालय के सभी स्तरों तथा श्रेणियों के कर्मचारियों को नवीनतम नियमों एवं विनियमों और योग्यताओं से पर्याप्त रूप से अवगत कराने के लिए आधारभूत पाठ्यक्रम, पुनरावलोकन पाठ्यक्रम तथा मिड-करियर (कामकाज के दौरान) प्रशिक्षण सहित कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इस आवंटन में घरेलू या विदेशी यात्रा पर होने वाला व्यय, केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) और केंद्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (सीएसएस) के अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम शुल्क भी शामिल होगा।

बजट दस्तावेज में कहा गया कि 52.2 करोड़ रुपये के आवंटन में सभी के लिए प्रशिक्षण का प्रावधान शामिल है। अगले वित्त वर्ष में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के प्रचार-प्रसार के लिए 3.5 करोड़ रुपये का कोष अलग रखा गया है।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) को लोक सेवकों के सेवा संबंधी मामलों के निवारण का दायित्व सौंपा गया है। इसको आगामी वित्त वर्ष के लिए स्थापना संबंधी व्यय को 166.42 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। बजट दस्तावेज में कहा गया कि इसमें सीएटी की विभिन्न पीठों के लिए भूमि की खरीद एवं भवनों के निर्माण का प्रावधान भी शामिल है। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) और राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी) के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 52.07 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने का प्रस्ताव है।

बजट समावेशी, वृद्धि और रोजगार बढ़ाने वालाः महेंद्र देव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने रविवार को कहा कि बजट 2026-27 समावेशी है और वृद्धि तथा रोजगार को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट कारोबारी सुगमता के साथ ही रहन-सहन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। देव ने लिंक्डइन पर पोस्ट किया, बजट 2026-27 विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अगला कदम है। यह वृद्धि, समावेश और रोजगार की दिशा में बढ़ने वाला बजट है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए कर छूट, और कृषि तथा पर्यटन क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन की घोषणा की।

दुर्घटना दावे से मिला हर्जाना अब आयकर से मुक्त होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- कानूनी उत्तराधिकारी को मि लेगी इसका लाभ
- एक अप्रैल से प्रभावी होगा यह संशोधन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को आम बजट 2026-27 में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) द्वारा दिए जाने वाले हर्जाने को आयकर से मुक्त करने का प्रस्ताव रखा। बजट दस्तावेज के अनुसार, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत न्यायाधिकरण किसी व्यक्ति या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को मृत्यु, स्थायी विकलांगता या किसी शारीरिक चोट के कारण मुआवजा और उस पर ब्याज देने का आदेश दे सकता है।

दस्तावेज में कहा गया कि ऐसे हादसों के शिकार लोगों और उनके परिवारों की पीड़ा को कम करने के लिए उक्त अनुसूची में संशोधन का प्रस्ताव है। इसके तहत मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत ब्याज के रूप में प्राप्त होने वाली किसी भी आय पर व्यक्ति या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को छूट दी जाएगी।

यह संशोधन एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा और तदनुसार कर वर्ष 2026-27 तथा उसके बाद के कर वर्षों के संबंध में लागू होगा। इसमें यह भी कहा गया कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा किसी व्यक्ति को दी गई मुआवजे की राशि पर मिलने वाले ब्याज के संबंध में स्रोत पर कोई कर कटौती नहीं की जाएगी।

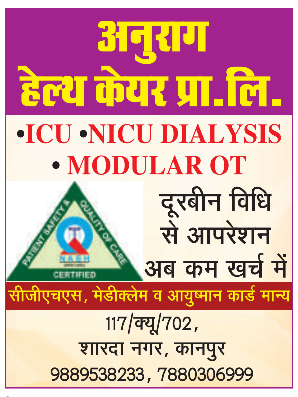

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

सौरिख। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना क्षेत्र के फूलनपुर गांव निवासी शिवम प्रजापति पुत्र नाथूराम प्रजापति (30) अपने पुत्र आयुष (12) के साथ रविवार सुबह 11 बजे अपनी बाइक से बाजार जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक अंकल ढाबा के पास पहुंची तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में शिवम को तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

चार को आएंगी महिला आयोग की सदस्य

कन्नौज। प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि 4 फरवरी को सुबह 11 बजे हर्ष वर्धन सभागार विकास भवन में राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय महिला मामलों की जनसुनवाई करेंगी।

कार की टक्कर से दो घायल, हालत गंभीर

तिर्वा। गंगा स्नान कर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को कार ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल युवकों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। कानपुर देहात के थाना शिवली के ग्राम दाईताला निवासी विश्वनाथ तथा इसी गांव के महेरविवार को महादेवी घाट पर गंगा स्नान के बाद दोपहर को अपनी बाइक से गांव जा रहे थे। तिर्वा-खैरनगर मार्ग पतेज रफ्तार से सामने से आ रही कार ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। इससे दोनों बाइक सवार उछल कर कार की डिग्गी पर जा गिरे। टक्कर इतनी तेज थी कार के दोनों एयर बैग खुल गए जिसके कार सवार युवकों की तो जान बच गई किन्तु बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज का जोरदार प्रदर्शन

नगर के कई मोहल्लों से निकाला जुलूस, तहसील पहुंचकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, छिबरामऊ

प्रदर्शन के दौरान मौजूद सवर्ण समाज के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर के पश्चिमी बाईपास स्थित नहर कोठी पर सवर्ण समाज के लोगों ने एकत्र होकर केंद्र सरकार की यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) की नई नीतियों के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी हाथों में यूजीसी विरोधी नारे लिखी पट्टियां, पोस्टर और बैनर लिए थे। जुलूस नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील परिसर पहुंचा।

इस दौरान जुलूस में शामिल लोग नारे लगा रहे थे। मुख्य नारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ और काला कानून यूजीसी वापस लो, यूजीसी रोलबैक करो जैसे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि यूजीसी की नई नीतियां शिक्षा व्यवस्था के लिए हानिकारक हैं और इनसे देश की शिक्षा प्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि विवादास्पद नियमों को तत्काल वापस लिया जाए।

तहसील पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीएम ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी को सौंपा। ज्ञापन में यूजीसी की नीतियों पर पुनर्विचार करने और इसे वापस लेने की मांग प्रमुखता से रखी गई।

इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। इनमें अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीश दुबे, नव हिंदू सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुपम बाजपेई एडवोकेट, पुनीत दुबे, राहुल दुबे, कौशलेंद्र सिंह, श्यामू चौहान, मनोज दीक्षित, शांतनु मोहन दुबे, संजीव चौहान, सभासद पंकज दुबे, अनुराग त्रिपाठी, आलोक दुबे, एडवोकेट अभिषेक शुक्ला, विमल मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनूप मिश्रा, आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की मौत, बेटी घायल

तिर्वा। इंदरगढ़-तिर्वा मार्ग पर रविवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

ठठिया थाना क्षेत्र के कुरियानी गांव निवासी रामप्रकाश (60) अपनी बेटी प्रियंका (27) के साथ इटावा के कबूली गांव स्थित उसकी ससुराल से बाइक द्वारा घर लौट रहे थे। जैसे ही वे इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कचाटीपुर गांव के पास पहुंचे, तभी सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में पिता-पुत्री दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां डॉक्टरों ने रामप्रकाश को मृत घोषित कर दिया। वहीं प्रियंका का इलाज जारी है। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। थानाध्यक्ष नीलम सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

पूर्व विधायक को बुके देकर स्वागत करते लोग। अमृत विचार

'भाजपा सरकार कर रही हिंदू मुस्लिम को लड़ाने का काम'

संवाददाता गुरसहायगंज

- 11 दिन से चल रहा सच्चानंद महाराज का शांति महोत्सव

अमृत विचार। शांति महोत्सव में पहुंचे पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने कहा कि सच्चानन्द महाराज ने हमेशा शांति की राह पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित किया। जबकि धर्म को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे। वहीं भाजपा सरकार में संत बाबाओं का अपमान किया।

रविवार को ब्लाक तालग्राम के ग्राम सराय दौलत में चल रहे सच्चानन्द महाराज के शांति महोत्सव में पहुंचे पूर्व विधायक का समिति के लोगों ने भव्य स्वागत किया। पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार में हिंदू मुस्लिम को आपस में लड़ाने का कार्य किया गया है।

इस दौरान संजीव पांडे, ज्योति चौरसिया, हरेंद्र कुशवाहा, श्याम सिंह, भुल्लन यादव, पवन चौरसिया, ठेकेदार अखिलेश, दिनेश लोधी, राजवीर दिवाकर, बीनू शाक्य, अंकुर यादव आदि मौजूद रहे।

नर्सरी से कक्षा एक तक में फ्री प्रवेश को आज से आवेदन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- निजी स्कूलों के लिए तीन चरणों में 02 फरवरी से 25 मार्च तक चलेगी ऑनलाइन प्रक्रिया

अमृत विचार। जनपद के निजी स्कूलों में 25 फीसदी सीटें दुर्बल वर्ग व अलाभित समूह के लिए आरक्षित हैं। निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के तहत तीन चरणों में प्रवेश मिलेंगे। इसके लिए 02 फरवरी यानि आज से ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे तो 25 मार्च तक किए जा सकेंगे।

इस बार पूरे दो महीने देरी से आरटीई की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस वजह से चार चरणों की बजाय तीन चरणों का ही लाभ जरूरतमंदों को मिल सकेगा। पहली अप्रैल से शुरू हो रहे शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए एक चरण कम कर दिया गया है। आरटीई में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में कक्षा 01 व पूर्व प्राथमिक कक्षा (प्री-प्राइमरी यानि नर्सरी) में निशुल्क प्रवेश के लिए 01 दिसंबर 2024 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई थी जो 19 मार्च 2025 तक चली थी। 109 दिन प्रवेश प्रक्रिया चली, इस बार 52 दिन ही प्रक्रिया चलेगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने जारी की सारिणी में बताया है कि पहले चरण के ऑनलाइन आवेदन 02 से 16 फरवरी तक होंगे। दूसरा चरण 21 फरवरी से 07 मार्च तक चलेगा। तीसरा व अंतिम चरण 12 से 25 मार्च तक है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने जनपद के सभी गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों की प्रारंभिक कक्षा की कुल क्षमता का न्यूनतम 25 फीसदी का शत-प्रतिशत मैपिंग व पंजीकरण करने को कहा है।

वाटर हीटर से पानी गर्म कर रही महिला करंट से झुलसी

कन्नौज। बाल्टी में वाटर हीटर डाल कर पानी गर्मकर रही महिला को करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सदर कोतवाली के गांव मौसमपुर अल्लड निवासी सुमन दुबे (50) पत्नी अर्जुन सिंह रविवार को 11 बजे बाल्टी में वाटर हीटर डाल कर पानी गर्मकर रही थी। हीटर को बंद किये बगैर बाल्टी से पानी निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान करंट की चपेट में आ गई। गर्म पानी भी फैल गया। इससे वह गंभीर रुप से झुलस कर बेहोश हो गई। जब परिजन घर पहुंचे तो वाटर ऑहीटर को निकालने के बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। बताया जाता है कि घटना के समय महिला का पति मजदूरी करने गया था। घर में वह बच्चों के साथ थी। बच्चों के शोर मचाने पर परिवार के लोग पहुंचे थे।

सपाइयों ने संत नरहरि व गुरु रविदास की जयंती मनाई

संत शिरोमणि नरहरि सुनार एवं गुरु रविदास की जयंती मनाते सपाई। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। सपाइयों ने संत शिरोमणि नरहरि सुनार एवं गुरु रविदास की जयंती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई।

रविवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष कलीम खां के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय में हुए आयोजन में पूर्व विधायक कलियान सिंह दोहरे ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। कहा कि इन दोनों महापुरुषों को सम्मान देना हर वर्ग की जिम्मेदारी है। सपा नेता जय कुमार तिवारी बऊअन, व्यापार सभा जिलाध्यक्ष प्रतयेश सिंह तोमर, विधानसभा अध्यक्ष पी.पी. सिंह वघेल, सयुस प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब हसन एवं सपा नेता यश कुमार दोहरे, जिला पंचायत सदस्य श्याम सिंह यादव ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके पर कुक्कू चौहान, अंशू पाल, विवेक पाल, कल्लू पाल, टिंकू पाल, तुफैल अहमद, जीशान वारसी, ज़ीशान कुरैशी आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में विजयी बच्चे प्रमाण पत्र के साथ व मौजूद भाजपा नेता व अन्य।

रविदास जयंती पर प्रतियोगिता, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कन्नौज। शहर के कन्हैयालाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संत रविदास की 649 वीं जयंती मनाई गई। बाबू जगजीवन राम फाउंडेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं कलम एक स्वैच्छिक संस्था कानपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि कैलाश राजपूत विधायक तिर्वा, विशिष्ट अतिथि वेद प्रकाश मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी कन्नौज एवं भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने बाबू जगजीवन राम एवं संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। विभिन्न स्कूलों के 216 बच्चों ने चित्रकला, निबंध, भाषण, क्विज में प्रतिभाग किया। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. के के दुबे प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय उन्नाव, लक्ष्मी नारायण, डॉ. सी पी शुक्ला, डॉ. शशिप्रभा अग्निहोत्री आदि ने विचार व्यक्त किए। डॉ सारिका त्रिवेदी, सचिव डॉ विपिन शुक्ला, कोषाध्यक्ष मंजू मिश्रा, सदस्य हरिशंकर मौजूद रहे।

जीएसटी में पंजीकृत व्यापारी रहे खाली हाथ

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- बजट में व्यापारी हित पर विचार न होने से व्यापारी सोचने को मजबूर

अमृत विचार। केंद्र सरकार की ओर से बजट पेश कर दिया गया है। इसको लेकर व्यापारियों की ओर से विश्लेषण किया गया है। यूं तो सरकार को सराहा है लेकिन जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों की तरफ ध्यान न दिए जाने पर अफसोस भी व्यक्त किया है।

राज शर्मा।

रतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश कन्नौज जिला अध्यक्ष राज शर्मा ने कहा कि जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों को आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजना, विद्युत यूनिटों में विशेष छूट, दुर्घटना बीमा की राशि को न बढ़ाए जाने समेत अन्य मांगों को केंद्र सरकार के बजट में शामिल नहीं किया गया। इससे व्यापारी सोचने को मजबूर हो गऐ हैं। हालांकि एमएसएमई उद्योगों को बढ़ावा देना मोदी सरकार की अच्छी पहल है। इससे मैन्युफैक्चर सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के भी नए आयाम स्थापित होंगे। बजट मिडिल क्लास, एवं किसानों और मैन्युफैक्चर सेक्टर के लिए मिला-जुला राहत भरा है। सरकार द्वारा इनकम टैक्स चोरी के मामलों में सजा के स्थान पर 30 प्रतिशत पेनल्टी लगाने की राहत स्वागत योग्य है।

बजट सराहनीय पर इत्र उद्योग पर भी हो फोकस

प्रमुख उद्यमी श्यामजी गुप्ता ने कहा, यह बजट सराहनीय है। हालांकि गुलकंद और गुलाबजल को अतर के स्लैब में जोड़कर रखा गया है। इसे टैक्सफ्री किया जाता तो और अच्छा रहता।

श्यामजी।

अतर पर 18 प्रतिशत टैक्स लग रहा है, इसे 5 प्रतिशत किया जाना चाहिए। फिर भी सरकार ने सभी वर्गों के लिए कुछ न कुछ किया है। सरकार ध्यान दे तो कन्नौज का इत्र व प्राकृतिक उत्पाद सीधे दुनियां तक पहुंच सकते हैं।

फर्रुखाबाद को हरा फाइनल में पहुंची बनारस की टीम

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। पहले सेमीफाइनल में बनारस 11 ने फर्रुखाबाद 11 को 10 विकेट से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया।

शहर के बोर्डिंग ग्राउंड में खेले जा रहे स्वर्गीय ओमप्रकाश पाठक स्मृति राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को पहला सेमीफाइनल मुकाबला बनारस 11 और फर्रुखाबाद 11 के बीच में खेला गया। बनारस 11 के कप्तान बृजेश सोनकर ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी फर्रुखाबाद 11 के टीम 27.4 ओवर में 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। फर्रुखाबाद 11 के बल्लेबाजों में अदवित्य दुबे ने 28, अंकित सिंह ने 29, पवन सिंह ने 24, सोनू ठाकुर ने 16 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बनारस की टीम के दोनों ही ओपनर बल्लेबाजों ने 10.2 ओवर में 129 रन बिना विकेट गंवाये बना कर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। बल्लेबाज सत्यम ने 34 गेंदों में 56 और रौनक सिंह ने 29 गेंदों में 62 रन नाबाद की पारी खेली। मैच के मैन ऑफ द मैच 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज बृजेश सोनकर रहे। संजय सामवेदी, अध्यक्ष पवन त्रिवेदी, सजल सिंह, पारस दुबे, बालाजी, मोहित मौर्या, हिमांशु शुक्ला, आदि लोग मैदान पर मौजूद रहे।

अवैध बायो डीजल पंपों पर हो सख्ती

संवाददाता, छिबरामऊ

बैठक को संबोधित करते एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विजय दुबे व अन्य पंप मालिक।

अमृत विचार। यूपी पेट्रोलियम ट्रेडर्स एसोसिएशन जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक नगर के एक रेस्टोरेंट में हुई। इसमें जिलाधिकारी से जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे बायोडीजल पंपों की तत्काल जांच कराने तथा अवैध पंपों शीघ्र बंद कराने की मांग की गई।

व्यवसायियों ने पेट्रोलियम कारोबार को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग उठाई। साथ ही डीजल और पेट्रोल पर डीलर कमीशन में वृद्धि की मांग की। अलीगढ़-कानपुर नेशनल हाईवे पर कई पेट्रोल पंपों के सामने एनएचएआई द्वारा लगाई गई 3 फीट ऊंची साइड वाल के कारण वाहनों का आवागमन बाधित होने का हवाला देकर इसे हटवाने की भी मांग की गई। बैठक में सागर अग्रवाल को जिला उपाध्यक्ष, शुभम गुप्ता को छिबरामऊ तहसील प्रभारी, दीपू सिंह गौतम को तिर्वा तहसील प्रभारी तथा राजीव बाजपेई को कन्नौज तहसील प्रभारी नियुक्त किया गया। विधायक कैलाश राजपूत, जिलाध्यक्ष विजय द्विवेदी, संरक्षक सतीश चतुर्वेदी, सुरेश गुप्ता एवं उमाशंकर गुप्ता को माल्यार्पण एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। जिला महामंत्री संजीव गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राजीव गोयल, उत्कर्ष गुप्ता, रमेश गुप्ता कन्हैया, शिवराम कृष्ण, अशोक चतुर्वेदी, नदीम जमा खान, दिवाकर गुप्ता सहित जनपद भर के पेट्रोलियम व्यवसायी मौजूद रहे।

आस्था | आसपास के जिलों से भी पहुंचे लोग, कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच गंगा स्नान

माघी पूर्णिमा पर पावन डुबकी लगा कमाया पुण्य

कार्यालय संवाददाता मानीमऊ, कन्नौज

गंगा के मेहंदीघाट पर स्नान करते स्नानार्थी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिले भर में माघी पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा व परंपरागत ढंग से मनाया गया। इस मौके पर गंगा के मेहंदीघाट पर आस्थावानों का रैला उमड़ा। कड़ाके की ठंड के बाद भी गंगा स्नान कर पुण्य कमाया और फिर मंदिरों में पूजा अर्चना की।

रविवार तड़के से ही जिले के अलावा आसपास के जिलों से भी पहुंचे भक्तों ने गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मान्यता है कि माघ मास की पूर्णिमा पर गंगा स्नान से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। जिले के महादेवी गंगा घाट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य किया तथा भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान "हर-हर गंगे" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। स्नान पर्व को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। घाटों पर पुलिस बल के साथ-साथ गोताखोरों की भी तैनाती रही। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ-सफाई, पेयजल और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखा गया। पूरे दिन गंगा घाटों पर धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहा।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने मेंहदी घाट का भ्रमण कर श्रद्धालुओं के लिए स्नान व पार्किंग स्थलों, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस बल, फ्लड पीएसी व स्थानीय गोताखोरों की लगायी गयी ड्यूटियो को चेक किया। मेहंदी घाट पर स्थापित खोया-पाया केंद्र श्रद्धालुओं से सम्बंधित जानकारी ली। लोगों में उल्लास रहा।

सूबे में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज का एनईसी में नवां स्थान

तिर्वा (कन्नौज)। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज ने आईआईटी बॉम्बे की ओर से आयोजित नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज (एनईसी) में प्रदेश के सभी सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में नवां प्राप्त किया है। बताया जा रहा है कि यह उपलब्धि कॉलेज के इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप प्रयासों को नई पहचान देती है।

कार्यक्रम में सरकारी एवं निजी दोनों प्रकार के इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हुए। अपने जनपद के कॉलेज ने राज्य स्तर पर 9वां तथा राष्ट्रीय स्तर पर 123वां स्थान प्राप्त किया। बताया गया है कि प्रतियोगिता करीब छह महीने तक चली, जिसमें देशभर की टीमों ने विभिन्न इनोवेशन, स्टार्टअप, आइडिया डेवलपमेंट एवं प्रोजेक्ट गतिविधियों में प्रतिस्पर्धा की। ई-सेल के इंचार्ज डॉ. आकाश अग्रवाल ने बताया कि यह उपलब्धि संस्थान के निदेशक प्रो. मनोज शुक्ल के मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन का परिणाम है। इस उपलब्धि में शामिल सभी छात्रों विशेष रूप से आयुष, दीपक, हमज़ा, महक, समीर, दीपांकर, आदर्श पाल, सुजल, अमित आदि के प्रयासों को सराहा गया। डॉ. अग्रवाल ने यह भी कहा कि कुछ तकनीकी कारणों के चलते टीम अंतिम चरण में भाग नहीं ले सकी, फिर भी ई-सेल ने अपने कार्य, परियोजनाओं और नवाचार गतिविधियों से रैंक हासिल की।

अमृत विचार
कानपुर, सोमवार, 2 फरवरी 2026
इटावा-जालौन

न्यूज ब्रीफ

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. बलराम सिंह यादव के बड़े बेटे गुड्डू का निधन

इटावा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व . बलराम सिंह यादव के ज्येष्ठ पुत्र जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं इटावा औरैया में विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक अजय यादव गुड्डू का दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। निधन के बाद उनका शव उनके आवास बलराम सिंह चौराहे पर लाया गया, जहां हजारों की संख्या में लोगों ने उनके अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अन्तिम संस्कार उनके पैतृक गांव खरगपुर सरैया में किया गया। श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से अजन्ट सिंह यादव, कुमदेश यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता अन्नू , प्रशांत राव चौबे, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित, व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष आलोक दीक्षित, अनीता यादव, रामनरेश यादव, अशोक यादव, सर्वेश शाक्य, कुलदीप गुप्ता संटू, फुरकान अहमद, शफी अहमद बालक, अशोक जाटव, लाखन सिंह जाटव, नेत्रपाल सिंह यादव, डा आशीष दीक्षित, के के यादव सहित हजारों लोग शामिल रहे।

पिकअप की टक्कर से सर्राफ की गई जान

इटावा। इकदिल ओवर ब्रिज के पास लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सराफा कारोबारी विवेक चौधरी निवासी रीतौर की मौत हो गई। जबकि उसका पुत्र लालजी घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा। परिजनों में कोहराम मच गया।

कोर्ट के आदेश पर पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

भरथना। न्यायालय के आदेश पर एक महिला सहित पांच लोगों के खिलाफ घर में घुसकर लात घूसों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। थाना क्षेत्र के गाँव निनावा की रामा देवी ने अपने ही गांव के सुबोद, सत्यप्रकाश, सुमन देवी, ललित कुमार, सुमित कुमार पर आरोप लगाया है कि 10 अक्टूबर 2025 को जब मैं घर के अन्दर शाम करीब पांच बजे खाना बना रही थी, तभी नामजद एकराय होकर घर में घुस आये और गाली गलौज करते हुए घर खाली करने की धमकी देने लगे। मना करने पर लात घूसों से मारपीट कर घर का करीब बीस हजार रुपये कीमत का सामान तोड़ दिया। मैं घर में अपनी पुत्र वधु रानी व भावना के साथ रहती हूँ, मेरे ससुर मृतक सालिगराम ने सुमन के नाम वसीयत की थी, जिसे आरोपी फर्जी बताकर घर खाली कराकर भगा देने की धमकी दे रहे है। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसों में दो लोग घायल

इटावा। जिले के अलग अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना लुहन्ना चौराहे के पास हुई जहां अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पुष्पेंद्र पुत्र जय सिंह निवासी नगला सलहदी थाना बलरई घायल हो गया। दूसरी घटना नुमायश चौराहे के पास हुई जहां पैदल जा रहे राजीव पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी टीबी अस्पताल के पास को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

दो निरीक्षक और एक एसआई का क्षेत्र बदला

इटावा। एसएसपी ने जिले की कानू व्यवस्था का मजबूत बनाने के उद्देश्य से बढ़पुरा के प्रभारी निरीक्षक के के मिश्रा को प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन, प्रभारी निरीक्षक वैदपुरा नरेंद्र कुमार मिश्रा को प्रभारी निरीक्षक बढ़पुरा का चार्ज दिया है। इसके अलावा प्रभारी सर्विलांस सैल उप निरीक्षक नागेंद्र सिंह को थाना वैदपुरा भेजा है।

बहन की डोली उठने से पहले उठी छोटे भाई की अर्थी, मचा कोहराम

भाई का शव झोपड़ी में फंदे पर लटका मिला, मंगलवार को आनी है बहन की बारात

संवाददाता भरथना इटावा

राहुल।

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगला काली पाली खुर्द गांव में रविवार सुबह खेतों में बनी झोपड़ी में युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से हड़कम्प मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की बहन की बारात मंगलवार को आनी थी।

जानकारी के अनुसार नगला काली मौजा पाली खुर्द निवासी यदुनाथ ने बताया कि रविवार सुबह करीब छह बजे ग्रामीणों ने उन्हें सूचना दी कि उनके पुत्र राहुल (18) का शव खेत में बनी झोपड़ी में फंदे से लटका हुआ है। परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि राहुल फांसी के फंदे पर झूल रहा था। परिजनों के मुताबिक, राहुल की बहन राधा की शादी तीन फरवरी मंगलवार को होनी है। शादी की तैयारियों के चलते राहुल कुछ दिन पहले ही गुजरात से घर लौटा था। घर में शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं।

इसी बीच हुई इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी राम दवन मौर्य और थाना प्रभारी विक्रम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं जिस घर में शादी की खुशियों की तैयारियां चल रही थी वहां मातम छा गया।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इटावा। इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिरारी में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से हड़कम्प मच गया। घटना की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार शिवम पुत्र चंद्रभान निवासी ग्राम ज्वाला प्रसाद बिरारी निवासी नाना नाथू राम के यहां रहता था। शनिवार की रात को उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार शिवम को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। घटना स्थल पर नगर क्षेत्राधिकारी अभय नारायण भी पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मृतक के मामा सोनू पुत्र नाथूराम एवं नानी सावित्री देवी पत्नी नाथूराम, निवासी ग्राम बिरारी ने थाना अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान को किसी भी प्रकार की अनहोनी की आशंका से अवगत कराया। इस पर सीओ सिटी एवं थाना प्रभारी ने परिजनों को आश्वस्त किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मेडिकल साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष व उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

सपाइयों ने संत रविदास और नर हरिदास सोनार की जयंती मनाई

कार्यालय संवाददाता इटावा

संतों के चित्र पर माल्यार्पण करते सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू।

अमृत विचार। सपा कार्यालय पर संत रविदास एवं संत नर हरिदास सोनार की जयंती के अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने महान संतों के चित्र पर पदाधिकारियों के साथ माल्यार्पण किया और उनके बताए रास्ते पर चलने की लोगों से अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने कहा कि संत रविदास 15वीं 16वीं शताब्दी के महान भारतीय रहस्यवादी कवि समाज सुधारक और भक्ति आंदोलन के संत थे उन्होंने जाति पाती आडंबरों का खंडन किया और भाईचारे का संदेश दिया, संत रविदास का जीवन हमें सादगी परोपकार और ईश्वर के प्रति समर्पण की शिक्षा देता है। सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने बताया कि संत नरहर दास 13वीं 14वीं शताब्दी के महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध वारकरी संत कवि और कट्टर शिव भक्त थे, उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर भक्ति को समर्पित कर दिया। उन्होंने दोनों महान संतों के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और सभी लोगों को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी सर्वेश शाक्य, वरिष्ठ नेता लाखन सिंह जाटव, सपा जिला उपाध्यक्ष उत्तम सिंह प्रजापति, जिला प्रवक्ता विक्की गुप्ता, प्रदीप सोनी, दीपी सिंह, प्रवीण कुशवाहा, राजपाल सिंह यादव, किशन यादव, फरहान शकील, बृजेंद्र यादव, सपा संतोष राजपूत, नम्रता सिंह दोहरे, अरविंद यादव, बृजेश यादव, दीपू यादव, नरेंद्र प्रजापति, अखिलेश वर्मा, हुकुम सिंह यादव अंकुर यादव, राणा प्रताप सिंह, जीतू, आशीष टिंकू, पूरन सिंह यादव, मोहम्मद अख्तर, कपिल, अभिषेक यादव आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा जिले के अन्य स्थानों पर संत रविदास की जयंती धूम धाम के साथ मनाई गई।

- **संतों के बताये रास्ते पर चलने का लिया निर्णय**

पुल पर रखे पत्थरों से टकराई डीसीएम

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। मथुरा के छाता से कोल्डड्रिंक लादकर कस्बा फफूंद जा रही डीसीएम आगरा कानपुर नेशनल हाईवे भरथना ओवरब्रिज के ऊपर अनियंत्रित होकर रखे पत्थरों से टकरा गयी। पत्थर पुल के नीचे खड़ी महिला के जाकर लगे जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इससे वहां पर हड़कंप मच गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को इलाज के लिए 50शैय्या अस्पताल भिजवाया।

रविवार की दोपहर आगरा की ओर से आ रहे डीसीएम चालक वाहन को लेकर बकेवर थाना क्षेत्र के आगरा कानपुर नेशनल हाईवे भरथना ओवरब्रिज के ऊपर पहुंचा कि तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और डीसीएम असंतुलित होकर ओवरब्रिज के ऊपर रखे बड़े-बड़े पत्थरों से टकराती हुई दो बिजली के पोल क्षतिग्रस्त करती हुई पुल के डिवाइडर से जा टकरायी डिवाइडर के पत्थर पुल के नीचे गिरने से अपने मायके बाबरपुर जाने के लिए आटो में बैठी महिला मधु पत्नी सुभाषचंद्र निवासी बिजौली थाना बकेवर इटावा गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल महिला को एम्बुलेंस बुलाकर इलाज के लिए 50शैय्या अस्पताल बकेवर भिजवाया। जहाँ इमरजेंसी ड्यूटी में मौजूद चिकित्सक ने इलाज किया।

महिला की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने डीसीएम चालक को हिरासत में लेकर थाने में बैठाया। डीसीएम की टक्कर से लुधियानी व पटिया फीडर को जाने वाली 11 हजार विद्युत लाइन को पुलिस ने बिजलीघर में सूचना देकर दोनों फीडरों की सप्लाई बंद करा दी।

सड़क हादसे में एक की मौत, आठ गंभीर

इटावा। बकेवर-लखना मार्ग पर रविवार रात करीब 7:45 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। बकेवर की ओर से तेज गति से आ रही लखना सामाजिक वानिकी की मार्शल ने नगला बनी के सामने हनुमान मंदिर के पास लखना की ओर से आ रहे दो ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

लोगों के अनुसार उसने एक ऑटो को टक्कर मारी, जिसमें पांडरी बाबा की पूजा कर लौट रहे यात्री सवार थे। टक्कर के बाद मार्शल दूसरे ऑटो से भी भिड़ गई, जिससे ऑटो पलट गया। हादसे में आशुतोष मिश्रा उनकी पत्नी शालिनी, अर्चना, विजयलक्ष्मी, रोहित, जगत सिंह, सनी ,रामकिशन गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं आरिफ की मौके पर ही मौत हो गई। सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस जांच में जुटी है।

भरथना रेलवे क्रासिंग पर कार फंसने से हड़कंप

संवाददाता भरथना इटावा

भरथना के रेलवे क्रॉसिंग पर फंसी कार इनसेट में व निरीक्षण करतीं डीटीएम।

अमृत विचार। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर भरथना के रेलवे क्रॉसिंग संख्या 20-बी पर कार चालक की लापरवाही से अफरातफरी मच गई। फाटक बंद होने के दौरान जल्दबाजी में ट्रैक पार करने की कोशिश में कार बीच रेलवे ट्रैक पर फंस गई। इसी दौरान अप लाइन पर तेज रफ्तार से नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस सिग्नल होने पर आ गई। ट्रेन को आता देख कार चालक ने कार फाटक के किनारे लगा दी और ट्रेन स्पीड से गुजर गई, ट्रेन गुजरने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

फाटक खुलते ही कार चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना से रेलवे में हड़कंप मच गया। गेट मैन को सस्पेंड कर देने की चर्चा है। रेलवे अधिकारी जांच पड़ताल में जुट गए है। जानकारी के अनुसार गेटमैन के खिलाफ प्रथम दृष्टया कार्रवाई कर उसे सस्पेंड कर दिया गया है। रात में ही गेटमैन को टूंडला जांच के लिए बुला लिया गया है। उस समय ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर ने मेमो जारी करके जानकारी दी। जांच पड़ताल के बाद लापरवाही करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। फिलहाल कार चालक के खिलाफ फिलहाल कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। रेलवे स्टेशन अधीक्षक मनोज ने बताया कि घटना की जानकारी होने पर मेमो के आधार पर प्रथम दृष्टया गेट मैन हरिओम को टूंडला मंडल यातायात प्रबंधक की ओर से सस्पेंड कर दिया गया है। अब इस पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है कि आखिर गलती कार चालक की है या गेटमैन की उसके घटना स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले की जांच पड़ताल करने के लिए टूंडला से अधिकारी भरथना रेलवे स्टेशन पर पहुंच रहे हैं।

डीटीएम टू टूंडला ने भरथना रेलवे स्टेशन केबिन का किया निरीक्षण : इस घटना के बाद डीटीएम टू टूंडला पूर्वी गर्ग ने भरथना रेलवे स्टेशन के पूर्वी ओर बने रेलवे फाटक 20 बी के केबिन में पहुंचकर व्यवस्थाओं को जांच परख कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। केबिन से पैदल चलकर स्टेशन पहुंची डीटीएम टू ने स्थानीय स्टेशन अधीक्षक आदि के साथ बैठक की।

बताया गया है कि यह रूटीन निरीक्षण है जोकि प्रत्येक 3-4 माह के अंतराल में किया जाता है। निरीक्षण के दौरान पहुंचे पत्रकारों से डीटीएम टू ने बात नहीं की। कयास लगाया जा रहा है कि आबादी क्षेत्र में स्थित रेलवे फाटक 20 बी पर दोनों बूम के बीच कार फंस जाने की गंभीर मामले को लेकर टूंडला से डीटीएम टू द्वारा निरीक्षण किया गया। मामले में ऑन ड्यूटी गेटमैन हरिओम को सस्पेंड कर दिया गया है मगर स्थानीय रेल अधिकारियों द्वारा अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई।

हर्ष मिस्टर व रितिका बनीं मिस फ्रेशर

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

मिस्टर एवं मिस फ्रेसर के साथ अनुज यादव मोंटी व स्टाफ। अमृत विचार

अमृत विचार। चौधरी सुघर सिंह नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में लैम्प लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह के साथ फ्रेशर पार्टी का प्रेरणास्पद आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्रबंध निदेशक अनुज मोंटी यादव एवं स्वधा हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. अंजली यादव द्वारा किया गया।

कॉलेज के एमडी अनुज मोंटी यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। नर्सिंग कॉलेज डायरेक्टर डॉ. रीमा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नर्सिंग के क्षेत्र में ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं नैतिक मूल्यों का विशेष महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, क्लीनिकल प्रैक्टिस एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात नर्सिंग की जनक फ्लोरेंस नाइटिंगेल के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए एवं नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल सेवा की शपथ दिलाई गई।

फ्रेशर पार्टी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें बीएससी नर्सिंग से हर्ष को 'मिस्टर फ्रेशर' एवं रितिका को 'मिस फ्रेशर', जीएनएम से देव शुक्ला को 'मिस्टर फ्रेशर' एवं प्राची को 'मिस फ्रेशर', जबकि एएनएम वर्ग से पूजा को 'मिस फ्रेशर' का खिताब प्रदान किया गया। फ्रेशर पार्टी के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सीनियर विद्यार्थियों द्वारा जूनियर छात्रों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. संदीप पांडे, अशांक हनी यादव, फार्मेसी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप यादव, इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रविन्द्र पाल, सुरेंद्र शर्मा, गौरव भदोरिया, मनीष चौधरी, फ्रांसिस के. ए. मनराज कौर नामधारी सहित नर्सिंग कॉलेज का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- **चौ. सुघर सिंह नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में लैम्प लाइटिंग का हुआ आयोजन**

बिना प्रपत्रों के नौ ट्रक सीज किये गये

कालपी जालौन। प्रशासन का बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ अभियान जारी है। शनिवार रात फिर टीम ने बिना खनिज प्रपत्रों के 9 ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही की है।

शासन के निर्देश पर डीएम राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा खनिज का अवैध परिवहन रोकने के लिए क्षेत्र में एसडीएम मनोज कुमार सिंह की अगुवाई में टीम का गठन किया गया है जिसमे सी ओ के साथ खनिज और परिवहन विभाग के भी जिम्मेदारों को शामिल किया गया है। अब तक बड़ी संख्या में बिना खनिज प्रपत्रो के एवं ओवरलोड वाहन पकड़े जा चुके हैं लेकिन इसके बाद भी यह कारोबार बन्द नहीं हो रहा है। शनिवार देर रात एसडीएम की अगुवाई वाली टीम ने आटा थाना क्षेत्र में 9 बालू और गिटटी लदे ट्रकों को कब्जे में लिया है जिन्हें क्षेत्रीय पुलिस के हवाले कर दिया गया है। एसडीएम के अनुसार खनिज का अवैध परिवहन किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा।

किसी भी विषय में 95 फीसद अंक लाने पर 1100 रुपये का पुरस्कार

संवाददाता जसवंतनगर जालौन

फेयरवेल पार्टी में उपस्थित छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार। महाराणा प्रताप साइंस एकेडमी इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट के छात्र, छात्राओं की फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें प्रबंधक मंगल सिंह चौहान ने बोर्ड परीक्षा में किसी भी विषय में 95 फीसदी अंक लाने पर 1100 रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। इस बात का वहां पर मौजूद स्टाफ व छात्र-छात्राओं ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

नगर में स्थित महाराणा प्रताप साइंस इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट के छात्र, छात्राओं को कक्षा 11 के छात्रों व विद्यालय परिवार द्वारा फेयरवेल पार्टी दी गई। फेयरवेल पार्टी में मुख्य अतिथि धीरज गुप्ता ने स्कूल में सीखे गए विषयों को समझकर परीक्षा में उनका उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को परीक्षा में धैर्य, लगन व मेहनत के साथ सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य रघुवीर सिंह राजावत ने कहा कि निरंतर प्रयास, कठिन परिश्रम व अनुशासन के माध्यम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। प्रबंधक मंगल सिंह चौहान ने कहा कि यदि इंटरमीडिएट की परीक्षा में कोई छात्र या छात्रा 95 प्रतिशत या अधिक अंक लाता है तो उन्हें 1100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही यूपी बोर्ड में स्थान पाने वाले छात्र व विषयाध्यापक को 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

इस मौके पर रामेंद्र गुप्ता, शिवकुमार कुशवाहा, मानसिंह चौहान, हरिओम प्रजापति, वीरेंद्र बरसईया, राजीव राजावत, विद्या सागर, साक्षी खेमरिया, खुशी खातून, अंश गौतम, अंश समाधिया आदि रहे।

बजट -2026

सपा, कांग्रेस और व्यापारियों ने बजट को बताया निराशाजनक

बजट में आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता पर दिया गया जोर : विधायक

कार्यालय संवाददाता इटावा

बजट का लाइव प्रसारण देखते भाजपा नेता अमृत विचार

कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित।

सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य।

व्यापारी नेता आलोक दीक्षित। अमृत विचार

अमृत विचार। रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गये बजट को भाजपा के नेताओं ने देश के विकास तथा हर वर्ग के लोगों को राहत देने वाला बताया। वहीं विपक्ष ने इसे किसान मजदूर विरोधी बताते हुए कहा कि बजट में किसानों गरीबों का ध्यान नहीं रखा गया। बजट में पूंजीपतियों को लाभ दिया गया गया है।

सदर विधायक सरिता भदौरिया ने बताया कि बजट में आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता और समावेशिता पर जोर दिया गया है। सबसे ज्यादा बजट परिवहन मंत्रालय को दिया गया है। जबकि दूसरे नंबर पर रक्षा मंत्रालय रहा। तीसरे नंबर पर ग्रामीण विकास व चौथे पर गृह मंत्रालय को बजट दिया गया है। वहीं कृषि शिक्षा ऊर्जा , स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने बताया कि भारत के 140 करोड़ नागरिक केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था से संतुष्ट नहीं हैं। भारत जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहता हैं। इस बजट में वित्त मंत्री ने ई-बसें चलाने, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, कैंसर की दवाओं के दाम घटाने और हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने सहित कई महत्वपूर्ण ऐलान किए।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशुतोष दीक्षित ने केंद्र सरकार द्वारा आज पेश किए गए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा बजट में किसानों के साथ खुली नाइंसाफी की गई है और पूंजीपतियों को पूरा लाभ पहुंचाया गया है। बजट जनता के लिए एक झुनझुना है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए आवंटन नाकाफी है, जिससे गरीब परिवारों पर बोझ और बढ़ेगा। एमएसपीकी कानूनी गारंटी, फसल बीमा की खामियाँ, लागत-मूल्य का संकट और ग्रामीण कर्ज़ जैसे मुद्दों पर बजट खामोश है। बजट में गरीबों, मज़दूरों, किसानों और युवाओं के लिए वास्तविक राहत नहीं दी गई है। महंगाई, ईंधन, शिक्षा-स्वास्थ्य और आवास के बढ़ते खर्च के बीच टैक्स राहत सीमित रखी गई है। बचत को प्रोत्साहन देने और जीवन यापन की लागत घटाने के ठोस कदम भी नही उठाये गए है।

सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य ने बजट को किसान, छात्र, गरीब, व्यापारी विरोधी बताया और कहा कि जो बजट पेश किया गया है वह पूरी तरह किसान, छात्र, व्यापारी और गरीब विरोधी है। बजट में विदेश यात्रा पर 2 प्रतिशत की जो छूट दी गई है उससे पूंजीपतियों को लाभ पहुंचेगा । केंद्र सरकार ने बजट में गरीबों को सिर्फ ठेगा दिखाया है। बजट पूंजीपतियों के हितों को ध्यान में रखकर पेश किया गया। समाजवादी पार्टी बजट का पूरी तरह विरोध करती है।

व्यापारी नेता आलोक दीक्षित ने बजट को व्यापारियों के लिए निराशाजनक बताया। श्री दीक्षित ने कहा जीएसटी जैसे कानून में जेल, सजा, जुर्माना को समाप्त नहीं किया गया, व्यापारियों उद्योगपतियों के लोन लिमिट पर लगने वाले बैंक की ब्याज दरों को कम नहीं किया गया, सरकार द्वारा आवासीय क्षेत्र में चल रहे कमर्शियल औद्योगिक संस्थानों को नियमित करने की कोई घोषणा नहीं की गई, जीएसटी स्लैब कम किए जाने के बाद 10 प्रतिशत व 7 प्रतिशत टैक्स डिफरेंट का पैसा जीएसटी आईटीसी पोर्टल पर जमा है को वापस किए जाने की कोई घोषणा नहीं की गई।

मैं बनूं इक गजल तुम गुनगुना जाओ...

कार्यालय संवाददाता जालौन

अमृत विचार। प्रीत की रीत आकर निभा जाओ तुम, मैं बनूं इक गजल गुनगुना जाओ तुम' इन पंक्तियों को ब्लॉक परिसर में आयोजित कवि सम्मेलन में कवियत्री प्रिया श्रीवास्तव दिव्यम् ने पढ़ा।

एलआईसी व केडीआईईए (कानपुर डिवीजन एम्प्लाइज, ऐसोशिएशन यूनिट) के सहयोग से रविवार को ब्लॉक परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का आगाज मां वीणा वादिनी की वंदना के साथ हुआ। इसके बाद कानुपर से आए कवि कुमार सूरज ने पढ़ा 'चांदनी रात है सितारे लिए, तट नदी के खड़े हैं किनारे लिए, सब सलामत रहें दुआ कीजिए हम तुम्हारे लिए तुम हमारे लिए।' इस गीत को सुनकर श्रोताओ को पुरानी यादें ताजा हो गईं। विपिन मलिहाबादी के 'जिंदगी जीना है तो इंसान होना सीखे, सब कुछ समझकर भी नादान होना सीखो' सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए। पवन सबरस के गीत 'मैं खड़ा हूं डगर पर सफर के लिए, साथ कोई नहीं हमसफर के लिए, जिंदगी में नहीं शेष कुछ भी रहा, सिर्फ आंसू बचे हैं नजर के लिए' को सुनकर श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। जितेंद्र लल्ला ने भी अपनी कविता सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कानुपर से आए कवि मुकेश श्रीवास्तव ने 'जब झुक के करे सैल्यूट हिमालय सागर दहराए, तिरंगा लहर, लहर लहराए' पढ़ा तो श्रोता वीर रस से सराबोर नजर आए। इस मौके पर शाखा प्रबंधक आरएन गौतम, महेंद्र पाटकार मृदुल, सुशील कुशवाहा, पवन प्रताप आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

सारस का उपचार किया

अछल्दा (औरैया)। रविवार दोपहर करीब 1 बजे निचली गंग नहर के रास्ते में एक सारस के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही अछल्दा क्षेत्र, जनपद औरैया के संयुक्त गोरक्षा दल के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह सेंगर मौके पर पहुंचे। उन्होंने सारस के उपचार के लिए पशु चिकित्सक को सूचना दी। पशु चिकित्सक के पहुंचने के बाद घायल सारस का प्राथमिक उपचार किया गया।

किया भूमि पूजन

बेला। थाना क्षेत्र के कानपुर रोड पर रविवार दोपहर जिला आर्य समाज प्रतिनिधि सभा औरैया एवं इटावा द्वारा भूमि पूजन, यज्ञ-भजन एवं उपदेश कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर डॉ. ज्ञानचंद्र सक्सेना, डॉ. सर्वेश आर्य प्रधान, सत्येंद्र आर्य मंत्री, डॉ. बागीश गुप्ता, आनंद कुमार गुप्ता मौजूद रहे। बेला समिति के पदाधिकारी नरेश चंद्र यादव, डॉ. राकेश चंद्र पाल, कुलकांत शुक्ला मौजूद रहे।

डीएम ने चार लोगों को किया जिला बदर

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने गुण्डा एक्ट के तहत सोनेलाल पुत्र रामसनेही निवासी लहोखर थाना दिबियापुर, हीरालाल पुत्र होरीलाल निवासी लहोखर थाना दिबियापुर, रतनेश कुमार पुत्र रामसनेही निवासी नगला जसोदा थाना कुदरकोट एवं अश्वनी कुमार उर्फ गोपाल शुक्ला पुत्र राजकिशोर निवासी तिरको थाना बेला को गुण्डा एक्ट के तहत जिला बदर किया।

वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट

अयाना। थाना क्षेत्र के महमूदपुर निवासी संजय कुमार ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि 12 दिसंबर की शाम उनके पिता शिवकुमार साइकिल से मुरादगंज से घर लौट रहे थे। अयाना- मुरादगंज मार्ग पर टकपुरा नहर पुल के पास तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गए। राहगीरों ने सीएचसी अयाना में भर्ती करवाया। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी छुट्टी कर दी। मगर अंदरूनी चोट होने के चलते तबीयत बिगड़ी इस पर सैफई मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां 21 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष जयप्रकाश पाल ने बताया कि तहरीर के आधार रिपोर्ट दर्ज की।

माघी पूर्णिमा पर रहा कोहरे का साम्राज्य

फर्रुखाबाद। जिले में माघी पूर्णिमा के दिन आसमान में कोहरे का साम्राज्य रहा। बीते तीन दिनों से घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। रविवार को न्यूनतम तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस रहा। घने कोहरे के कारण इटावा-बरेली हाईवे और दिल्ली-फर्रुखाबाद मार्ग पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। रविवार सुबह भी घना कोहरा और सर्द हवाएं जारी रहीं, जिससे कड़ाके की सर्दी महसूस की गई।कोहरे और सर्दी के कारण सुबह के समय टहलने वालों की संख्या में कमी देखी गई।

सपा नेताओं ने बीएलए को बांटे फॉर्म-6

फर्रुखाबाद। रविवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में सपा नेताओं ने जिले में बूथों पर पहुंचकर पार्टी संगठन द्वारा नियुक्त बीएलए को फॉर्म 6 वितरित किए ताकि पार्टी पदाधिकारी नए वोट वोटर लिस्ट से जुड़वा सकें। आगामी विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए समाजवादी पार्टी बड़ी तैयारी के साथ वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने के लिए अपने पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को बड़ी मुस्तैदी के साथ लगाए हुए है। इस दौरान उनके साथ अमृतपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव, जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश पाल आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनाई गई महान विभूतियों की जयंती

फर्रुखाबाद। रविवार को सपा के आवास विकास स्थित जिला कार्यालय में सन्त नरहरी दास जी (सोनार) एवं सन्त रविदास जी महाराज की जयंती मनाई गई। जिला सचिव शिव शंकर शर्मा की अध्यक्षता में दोनों महान विभूतियों की जयंती मनाई गई। इस दौरान दोनों महान संतों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों जीवन मूल्यों, सिद्धांतों एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर चर्चा की गई। कार्यक्रम प्रभारी समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष रोमित सक्सेना, जिला सचिव रामपाल यादव समेत कई लोग रहे।

फसल की रखवाली करने गए किसान की सर्दी लगने से मौत

संवाददाता, फफूंद

- फफूंद थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव का मामला, विधिक कार्रवाई शुरू

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक गांव में खेतों पर फसल की रखवाली कर रहे किसान की सर्दी लगने से मृत्यु हो गई। सुबह चाय लेकर गये किसान के पुत्र के देखने पर स्वजनों व पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने शव का पंचायत नामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रणधीर सिंह।

थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी 58 वर्षीय रणधीर सिंह यादव खेती किसानी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते थे, खेतों पर लगी सबमर्सिबल पंप के कमरे में ही वह रहते थे। शनिवार की शाम लगभग सात बजे घर से खाना खाकर फसल की रखवाली करने के लिए खेतों पर चले गए। खेत देखने के बाद सबमर्सिबल के कमरे में सो गये। रविवार सुबह 6 बजे किसान का पुत्र अर्जुन सिंह खेतों पर चाय देने के लिए गया। जब उसने पिता को जगाया वह नहीं जागे तो गांव में प्राइवेट डॉक्टर को दिखाया। जिन्होंने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के चार पुत्र नीलेश यादव, शरद यादव, अर्जुन सिंह, धीरेंद्र यादव व दो बेटियां अनीता व सुनीता है। जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा।

हिंदू सम्मेलन : सामाजिक समरसता का गूंजा शंखनाद

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। नगर फफूंद के ऐतिहासिक महाबीर धाम मंदिर में रविवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में हजारों की भीड़ ने एक सुर में संकल्प लिया कि राष्ट्र की रक्षा और धर्म के उत्थान के लिए जाति-पाति के भेदभाव को जड़ से मिटाना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत प्रेमदास महाराज ने की। विशिष्ट अतिथि के मड़ौक आश्रम के महंत रिंकू महाराज थे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मंच संचालन गोपाल पाण्डेय ने किया, जिससे पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा। मुख्य वक्ता आचार्य अजीत राज (प्रांत संयोजक, बजरंग दल) ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज को अब संगठित होकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाना होगा। जब हम एक होंगे, तभी राष्ट्र सुरक्षित होगा। मुख्य अतिथि राघव किशोर (क्रांत-दूत) ने वैचारिक क्रांति का आह्वान किया। वहीं ब्रह्माकुमारी आश्रम की बीके रिया ने आध्यात्मिक सशक्तिकरण पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला प्रचारक अनुपम, जिला प्रचार प्रमुख अभिमन्यु और जिला बौद्धिक प्रमुख हरिओम तिवारी ने व्यवस्थाओं की कमान संभाली। वहीं नरेश दुबे, योगेश त्रिपाठी, मुकेश भारतीय, अजित पांडे जिला प्रचार प्रमुख, अनूप जिला प्रचारक, हरिओम तिवारी जिला बौद्धिक प्रमुख, अकिलेश कटियार विभाग सह प्रमुख, उत्सुक सोनी, विनीत तिवारी, नितिन तिवारी, अभिषेक मिश्रा, मनु मिश्रा, अश्वनी पांडे, प्रवल शर्मा, प्रशांत त्रिपाठी, सत्यम अवस्थी, शिबम चौबे, आलोक मिश्रा, नंदलाल सिसोदिया, शिवकांत मिश्रा, बाल कृष्ण मिश्रा, गौरव श्रीवास्तव, संजीव कुमार प्रजापति, दलवीर यादव, कन्हैया लाल दिवाकर, सतीशंकर दोहरे सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक और मातृशक्ति मौजूद रहीं।

हिन्दू सम्मेलन में मौजूद लोग। अमृत विचार

हिन्दू सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

बैठक कर रूपरेखा बनाते संगठन के लोग।

बेला। रविवार को कस्बा के बिधूना रोड पर 9 फरवरी को कानपुर रोड स्थित एक वाटिका में होने वाले हिन्दू सम्मेलन को लेकर बैठक की गई। बैठक में सर्व समाज के लोगों ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक की। इसमें कई लोगों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गये। इस मौके पर अनिल पाण्डेय, राकेश चौहान प्रधान बेला, विमल दुबे, योगी मिश्रा, राम प्रकाश शुक्ला, राधाकृष्ण दुबे, प्रेमजीत, जेपी त्रिवेदी, अरुण दुबे, बबलू चौहान, विनीत तिवारी, ओम दुबे, ओम प्रकाश मिश्रा, घनश्याम चौबे समेत कई लोग मौजूद रहे।

छेड़खानी व आगजनी के दोषी को 10 वर्ष की कैद

छह साल पुराने मामले में विशेष न्यायाधीश पाक्सो ने सुनाया फैसला

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जनपद के थाना सहायल क्षेत्र में छह वर्ष पुराने छेड़खानी और आगजनी के मामले में न्यायालय ने शनिवार को फैसला सुनाया। विशेष न्यायाधीश (पाक्सो अधिनियम) अखिलेश्वर प्रसाद मिश्र ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए अवनीश कुमार उर्फ पुरी को 10 वर्ष के कठोर कारावास व 42 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़िता की मां ने थाना सहायल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 31 दिसंबर 2019 की रात करीब 11:30 बजे गांव का ही निवासी अवनीश कुमार उर्फ पुरी दीवार फांदकर पीड़िता के घर में घुस आया। उस समय पीड़िता अपनी नाबालिग बेटी के साथ अलग-अलग चारपाइयों पर सो रही थी। आरोपी ने नाबालिग से छेड़छाड़ शुरू कर दी और नया साल मनाने की बात कही। बच्ची के शोर मचाने पर मां जाग गई। मां के शोर करने पर आरोपी ने घर की छत पर आग लगा दी और पूरे गांव में आग लगाने की धमकी देते हुए फरार हो गया। इसके बाद आरोपी ने गांव के नंदराम और रमेश के घरों में भी आगजनी की। इस घटना में रमेश की एक भैंस और उसका पाड़ा जलकर मर गए। आरोपी द्वारा पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही थीं। पुलिस ने मामले की जांच कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। विशेष लोक अभियोजक मृदुल मिश्रा ने छेड़छाड़, आगजनी और पशुओं की मौत को गंभीर अपराध बताते हुए कठोर सजा की मांग की। जबकि बचाव पक्ष ने आरोपी को निर्दोष बताया। न्यायालय ने दोष सिद्ध करार देते हुए आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और अर्थदंड की राशि में से 5 हजार रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया। सजा के बाद दोषी अवनीश कुमार उर्फ पुरी को जिला कारागार इटावा भेज दिया गया।

मेला देखकर लौट रही महिला से मारपीट, पर्स छीना

अछल्दा (औरैया)। कस्बे में रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे मेला देखकर घर लौट रही एक महिला के साथ मारपीट कर पर्स छीनने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कुछ युवकों पर हमला कर लूटपाट करने का आरोप लगाया है।

ग्राम तुरुकपुर निवासी मीणा देवी अपनी बेटी और बेटे के साथ अछल्दा कस्बे में मेला देखकर वापस घर जा रही थीं। जैसे ही वे नगर पंचायत कार्यालय के सामने पहुंचीं, वहां पहले से मौजूद कुछ युवकों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर मचाने पर आरोपी युवक मौके से फरार हो गए। पीड़िता के अनुसार मारपीट के दौरान आरोपियों ने मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया। कुछ दूरी पर मोबाइल फोन पड़ा मिला, लेकिन पर्स आरोपी अपने साथ ले गए। थानाध्यक्ष पंकज मिश्रा ने बताया आपसी विवाद का मामला है, आरोप लगाए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

मनरेगा में फर्जी हाजिरी लगाने का चल रहा खेल

संवाददाता, रूरूगंज (औरैया)

अमृत विचार। मनरेगा में धांधली रोकने के लिए श्रमिकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था लागू होने के बावजूद फर्जीवाड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालात यह हैं कि कार्यस्थलों पर मजदूरों की हाजिरी दर्ज कराने के लिए एक-दो ही ग्रुप फोटो बार-बार अपलोड कर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।

बिधूना विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत रुरुखुर्द में 10 जनवरी से 23 जनवरी तक कराए गए कार्य के मस्टर रोल संख्या 5261 से 5264 के तहत बलवीर के खेत से नंदपुर सरहद तक संपर्क मार्ग निर्माण कार्य दर्शाया गया है। इस 14 दिवसीय कार्य में 40 श्रमिकों की हाजिरी लगाई गई है, जबकि प्रत्येक दिन वही एक-दो फोटो कई बार अपलोड की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति किसी एक दिन की नहीं, बल्कि रोजाना की है।

इसके बावजूद न तो ग्राम सचिव और न ही ब्लॉक स्तर के अधिकारी इस पर कोई निगरानी कर रहे हैं, जिससे मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीडीओ बिधूना राम दुलार ने बताया कि जांच कर दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

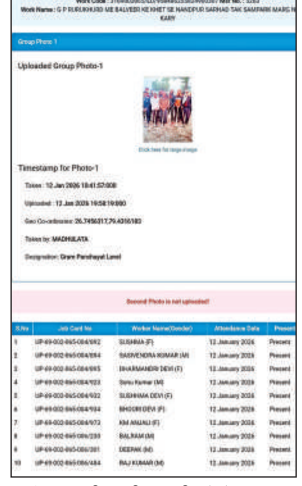

कई बार लगी मिली एक ही फोटो।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा पलटा, 8 लोग घायल

औरैया। दिबियापुर-औरैया मार्ग पर कढ़ौरे का पूर्वा गांव के मोड़ के पास रविवार को एक तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पलट गया, जिससे उसमें सवार चालक समेत आठ लोग घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर मारने वाली कार भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष रविद्री की बताई जा रही है, जिसे उनका चालक चला रहा था। घायलों में गौरीगंगा प्रसाद निवासी अनमोल सिंह, संगीता पत्नी महेंद्र, मैरी पुत्री राजकुमार तथा कमालपुर निवासी प्रिया पुत्री अशोक, सचिन पुत्र अशोक, पूजा पत्नी कुलदीप, सुनीता पत्नी अमित और शीतला पत्नी कालिंद्री शामिल हैं। सभी घायल ककोर बुजुर्ग बाजार से खरीदारी कर ई-रिक्शा से अपने गांव लौट रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। कार चालक को भी मामूली चोटें आई हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गाड़ी साइड करने के विवाद में दूध व्यापारी व उसके बेटे को पीटा

फर्रुखाबाद। कादरीगेट थाना क्षेत्र में गाड़ी साइड करने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दबंग युवकों ने एक दूध व्यापारी के घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। में दूध व्यापारी रमेश और उनके पुत्र राजन घायल हो गए।

घटना विकास खंड बढ़पुर क्षेत्र के गांव पपियापुर की है। दूध व्यापारी रमेश बाइक से घर लौट रहे थे। पपियापुर की ओर मुड़ते समय ढाबे के पास कुछ युवक रास्ते में खड़े थे। रमेश ने उनसे गाड़ी साइड करने को कहा, लेकिन युवकों ने मना कर दिया। इसके बाद रमेश वहां से निकलकर अपने घर पहुंच गए। कुछ ही देर बाद वही युवक रमेश के घर पहुंच गए और लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए रमेश के पुत्र राजन को भी हमलावरों ने घायल कर दिया। परिजनों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मिनरल ऑयल से भरा टैंकर पलटा, कार खड्ड में गिरी

संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। रविवार को कोहरे के कारण मोहम्मदाबाद क्षेत्र में मिनरल ऑयल से भरा टैंकर पलट गया, जबकि अमृतपुर थाना क्षेत्र में एक कार खड्ड में जा गिरी।

मोहम्मदाबाद में रविवार सुबह 8 बजे घने कोहरे के कारण इटावा-बरेली हाईवे पर मिनरल ऑयल से भरा एक टैंकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। यह घटना मोहम्मदाबाद कस्बे के पास हुई, जिससे कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जेसीबी की मदद से पलटे हुए टैंकर को सीधा कराया। टैंकर जनपद एटा के अलीगंज क्षेत्र के मझोला से मिनरल ऑयल लेकर फतेहपुर जा रहा था। टैंकर चालक धीरेश यादव पुत्र जीतपाल सिंह ने बताया कि घने कोहरे के कारण उनका वाहन डिवाइडर से टकरा गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर पलट गया।

पलटा पड़ा मिनरल ऑयल टैंकर।

अमृतपुर क्षेत्र में शनिवार रात इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर कोहरे के चलते एक कार खड्ड में गिर गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। कार में सवार राज वर्मा पुत्र अजय वर्मा, निवासी ग्राम रूपपुर, थाना गुरसहायगंज, कन्नौज और मोहित पुत्र राम बक्श, निवासी ग्राम खेड़ा, थाना जहानगंज, फर्रुखाबाद घायल हो गए।

मसेनी चौराहे पर मिला नवजात का शव, हड़कंप

फर्रुखाबाद। एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। मसेनी चौराहा स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल के पास एक खाली प्लॉट में नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार सुबह के समय कुछ लोगों ने खाली प्लॉट में पड़े नवजात के शव को देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फतेहगढ़ कोतवाली प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही दरोगा राम मोहन यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस द्वारा मौके पर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की गई। नवजात के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

केंद्रीय बजट 2026 पर फर्रुखाबाद में हुआ भाजपा का चर्चा कार्यक्रम

संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। रविवार को केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026 को लेकर जनपद भाजपा फर्रुखाबाद की ओर से आवास विकास स्थित माधव मैक्स अस्पताल में बजट चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लाइव स्क्रीन पर बजट भाषण देखा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मोहन पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह नौवां बजट 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें किसान, गरीब, युवा, महिला और मध्यम वर्ग सभी को शामिल किया गया है।

बजट का सीधा प्रसारण देखते भाजपाई। अमृत विचार

- आवास विकास स्थित माधव मैक्स अस्पताल में कार्यक्रम

जिला संगठन प्रभारी शिव महेश दुबे ने बजट को भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने वाला बताया। वहीं जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने कहा कि बजट की जानकारी कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाएंगे। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, हिमांशु गुप्ता, जीएस राठौर, अमरदीप दीक्षित, रश्मि दुबे, धर्मेंद्र राजपूत, अभिषेक बाथम, संजीव गुप्ता, वीरेंद्र कठेरिया, संजय सिंह, अशनील दिवाकर, रजनीश मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी शिवांग रस्तोगी आदि लोग मौजूद रहे।

उल्लास

मेला श्रीरामनगरिया में विभिन्न जिलों के श्रद्धालुओं के साथ साधु-संत भी माघी पूर्णिमा पर पहुंचे

माघी पूर्णिमा : गंगा तटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। माघी पूर्णिमा पर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि हर रास्ता गंगा तट की ओर जाता है। फर्रुखाबाद में पांचालघाट पर 'राम की नगरी' हो या फिर सैन्य क्षेत्र के किला व रानी घाट अथवा बरगदियाघाट। सभी जगह स्नानार्थियों की भीड़ थी। शमशाबाद के ढाईघाट, कम्पिल और ऐतिहासिक श्रृंगीरामपुर में भी श्रद्धा का सैलाब देखा गया।

आलम यह था कि दूसरे जनपदों से शनिवार को ही लोग पहुंच गये थे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे पर रात्रि गुजारकर रविवार सुबह गंगा स्नान किया। गंगा तट पर श्रद्धालुओं ने सत्यनारायण कथा, यज्ञ और भंडारों का आयोजन किया। कई भक्तों ने बच्चों के मुंडन संस्कार भी कराए और जोत जलाकर पुण्य अर्जित किया। मेला श्रीरामनगरिया में माघ माह से कल्पवास कर रहे विभिन्न जिलों के श्रद्धालुओं के साथ उनके परिजन, रिश्तेदार और साधु-संत भी माघी पूर्णिमा पर पहुंचे। उन्होंने गंगा में स्नान किया और मेले तथा झूलों का आनंद लिया। कई स्थानों पर कन्या भोज भी आयोजित किए गए। श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से गंगा स्नान के लिए पहुंच रहे थे और स्नान के बाद वापस भी जा रहे थे।

मेला श्रीरामनगरिया में श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

भक्तों ने संतों से आशीर्वाद लिया। मेले में जगह-जगह यज्ञ और भंडारे आयोजित किए गए, जहां साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बच्चा स्वामी के क्षेत्र में स्वामी शिव स्वरूप बच्चा बाबा ने शतचंडी महायज्ञ का पूर्ण आहुति के साथ समापन किया, जिसमें भक्तों ने भी आहुति डाली। पूरे घाट क्षेत्र में 'हर-हर गंगे' और 'जय मां गंगा' के जयघोष गूंजते रहे। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों में विशेष उत्साह देखा गया।

माघी पूर्णिमा के मौके पर गंगा घाट के आसपास अस्थायी मेले जैसा माहौल बन गया। चाट, पकौड़ी, मिठाई, फल और पूजा सामग्री सहित विभिन्न दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। बच्चों के लिए खिलौने और खाने-पीने की दुकानों पर भी काफी लोग नजर आए, जिससे स्थानीय दुकानदारों को रोजगार मिला। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रयास किए गए। दिनभर घाट पर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा और शाम तक स्नान का सिलसिला जारी रहा। माघी पूर्णिमा के इस पावन पर्व पर अचानकपुर गंगा घाट आस्था और परंपरा का केंद्र बना रहा, जहां श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक स्नान कर पुण्य कमाया।

मेले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। बाजार क्षेत्र की निगरानी के लिए वॉच टावर बनाए गए थे, जहां से पुलिसकर्मी भीड़ पर नजर रख रहे थे। प्रत्येक घाट पर पुलिस बल तैनात था और नावों से भी लगातार निगरानी की जा रही थी। दूरबीन का उपयोग कर सुरक्षाकर्मी स्थिति पर नजर बनाए हुए थे।

श्री रामनगरिया में जागरूकता शिविर का किया आयोजन

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फर्रुखाबाद के तत्वावधान में रविवार को विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन मेला श्री रामनगरिया, पांचाल घाट स्थित सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश नीरज कुमार, अपर जनपद न्यायाधीशगण दीपेंद्र कुमार सिंह, मेराज अहमद, संजय कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट घनश्याम शुक्ला, सिविल जज जयवीर सिंह एवं दीपिका रानी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव प्रियंका गांधी ने उपस्थित जनमानस को प्राधिकरण के कार्यों एवं विभिन्न विधिक प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया। पर्व सचिव/अपर जनपद न्यायाधीश संजय कुमार ने लोगों से अपील की कि वे शिविर से प्राप्त विधिक जानकारी को अपने पड़ोसियों एवं रिश्तेदारों तक भी पहुंचाएं। वहीं अपर जनपद न्यायाधीश मेराज अहमद ने गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

जनपद न्यायाधीश नीरज कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों की सराहना करते हुए आमजन से विधिक सहायता योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर सचिव प्रियंका गांधी ने अधिवक्ता जवाहर सिंह गंगवार, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सुरेंद्र कुमार राणाजनमानस का विशेष आभार जताया।

सपने को साकार होने से रोकने वाली एकमात्र चीज है-
असफलता का भय।
-पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

संप्रभुता पर सख्त

देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा यह स्पष्ट कहना कि तथाकथित 'चिकन नेक' भारत की भूमि है और इस पर कोई हाथ नहीं लगा सकता, वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक गंभीर रणनीतिक संकेत है। बयान बताता है कि केंद्र सरकार 22 किलोमीटर चौड़ी सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर अत्यंत सतर्क और इसकी रक्षा के लिए आक्रामक रुख रखती है। 'चिकन नेक' पूर्वोत्तर भारत को शेष देश से जोड़ने वाली एकमात्र स्थलीय कड़ी है। इसके पश्चिम में नेपाल, पूर्व में बांग्लादेश और उत्तर में भूटान तथा चीन का प्रभाव क्षेत्र है। यदि इस संकरी पट्टी की सुरक्षा में कोई व्यवधान आता है, तो आठ पूर्वोत्तर राज्यों की भौगोलिक और सामरिक निरंतरता पर प्रत्यक्ष असर पड़ सकता है। इस दृष्टि से इसे रणनीतिक संप्रभुता का मामला माना जाना चाहिए।

गृहमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि दिल्ली में कुछ तत्वों ने इस कॉरिडोर को 'काट देने' जैसे नारे लगाए थे। उनके बयान पर केंद्र की कड़ी प्रतिक्रिया यह संदेश देती है कि राष्ट्रीय एकता और भौगोलिक अखंडता पर कोई भी सार्वजनिक उकसावा अब सहन नहीं किया जाएगा और राजनीतिक विमर्श की आड़ में सामरिक संवेदनशीलता को हल्के में लेने वालों के साथ सख्त रवैया अपनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में सरकार बनते ही सीमा पर बाड़ लगाने की घोषणा भी इसी व्यापक सुरक्षा दृष्टिकोण का हिस्सा है। जहां भूमि संबंधी विवाद हैं, वहां केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है, हालांकि केवल भूमि का मुद्दा ही बाधा नहीं है; तकनीकी सर्वेक्षण, सीमा निर्धारण के अंतर्राष्ट्रीय समझौते और स्थानीय विरोध भी प्रक्रिया को धीमा करते हैं। असल में सीमा प्रबंधन में भूमि अधिग्रहण, स्थानीय प्रशासन का सहयोग, पर्यावरणीय स्वीकृतियां तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा प्रोटोकॉल जैसे जटिल पहलू शामिल होते हैं। कई स्थानों पर राज्य सरकारों द्वारा भूमि उपलब्ध कराने में देरी एक व्यावहारिक बाधा रही है, पर यह पूरी कहानी नहीं है। नदियां, आबादी का घनत्व, तस्करी की चुनौतियां और सीमा पर रहने वाले नागरिकों के आजीविका संबंधी प्रश्न भी बाड़बंदी को जटिल बनाते हैं। इसलिए दूसरी सीमाओं, विशेषकर कुछ हिस्सों में भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा पर भी पूर्ण बाड़बंदी अभी बाकी है।

भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में नहीं आती तो भी बाड़ तो लगेगी, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा किसी एक दल के शासन पर निर्भर नहीं हो सकती। संवैधानिक ढांचे के भीतर केंद्र सरकार के पास सीमा सुरक्षा के पर्याप्त अधिकार हैं। किंतु प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार का सहयोग अनिवार्य होता है। बेहतर समाधान यह होगा कि इसे चुनावी मुद्दा बनाने के बजाय सर्वदलीय सहमति और केंद्र-राज्य समन्वय के जरिए आगे बढ़ाया जाए। गृहमंत्री का बयान केवल चुनावी आरोप-प्रत्यारोप नहीं माना जाना चाहिए। यह उस बदलते सुरक्षा वातावरण की स्वीकृति है, जिसमें हाइब्रिड युद्ध, सूचना युद्ध और आंतरिक अस्थिरता के प्रयास समान रूप से गंभीर खतरे हैं। 'चिकन नेक' केवल एक भूगोल नहीं, भारत की पूर्वोत्तर नीति, 'एक्ट ईस्ट' रणनीति और सामरिक आत्मविश्वास का प्रतीक है, इसलिए इस मुद्दे को राजनीतिक शोर से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय सुरक्षा के ठोस, संस्थागत और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना समय की मांग है।

प्रसंगवश

एक संन्यासी ने हजारों आंखों में भर दी रोशनी

पंजाब के एक छोटे से गांव से निकले एक साधारण युवक ने संन्यास का मार्ग चुना और राजस्थान में पहुंच कर भक्ति के साथ जन सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। उसने अपने तप, त्याग व करुणा से हजारों लोगों की जिंदगी में उजाला भर दिया। वह युवक संत स्वामी ब्रह्मदेव के नाम से जाना जाता है। गणतंत्र दिवस पर केंद्र सरकार ने उन्हें पदमश्री प्रदान देने की घोषणा की है। उन्हें यह सम्मान देने की घोषणा केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं बल्कि उस विचारधारा पर मुहर है, जिसमें सेवा को साधना और मानवता को धर्म माना जाता है।

पंजाब के मोगा जिले की निहाल सिंह वाला तहसील में एक छोटा सा गांव है- रौंता। इस गांव से एक दिन एक युवक निकला, लेकिन उसने दुनिया से कुछ पाने का नहीं बल्कि दुनिया को कुछ लौटाने का रास्ता चुना। यह युवक आगे चलकर स्वामी ब्रह्मदेव के नाम से विख्यात हुआ। स्वामी ब्रह्मदेव ने संन्यास लिया, लेकिन समाज से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने पीड़ित मानवता की पीड़ा को देखा। उन्होंने 1963 में जब अमृतसर में श्री दुर्ग्याना मंदिर में अंध विद्यालय को देखा तो ऐसा ही कोई काम करने का संकल्प किया।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

अपनी शिक्षा पूर्ण कर वह 1978 में राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक मंदिर में आए। यहीं से शुरू हुई श्री जगदंबा अंध विद्यालय की कहानी। शुरुआत बहुत साधारण थी। कोई बड़ी इमारत नहीं, कोई सरकारी मदद नहीं। थे तो बस कुछ अच्छे लोग और स्वामी जी का अटूट भरोसा। जन सहयोग से रोपा गया एक छोटा सा पौधा। किसी ने नहीं सोचा था कि यही पौधा एक दिन वटवृक्ष बन जाएगा।

वर्ष 1980 में उन्होंने जगदंबा अंध विद्यालय की आधारशिला रखी। जगदंबा अंध विद्यालय की शुरुआत केवल एक बच्चे और एक शिक्षक के साथ हुई थी, लेकिन आज वह वटवृक्ष बन चुका है। बीते साढ़े चार दशकों में उन्होंने सात हजार से ज्यादा दृष्टिबाधित बच्चों को शिक्षित किया है। मूक-बधिर बच्चों के लिए चार दशक से स्कूल भी चल रहा है। स्वामी ब्रह्मदेव ने बच्चों को सिर्फ पढ़ाया नहीं, बल्कि उन्हें जीना भी सिखाया। नेत्रहीन और मूक-बधिर बच्चों के हाथ में हुनर दिया, साथ में आत्म विश्वास भी दिया। आज उस विद्यालय से पढ़े अनेक बच्चे अपने पैरों पर खड़े हैं।

स्वामी जी यहीं नहीं रुके। उन्होंने देखा कि बहुत से लोग ऐसे हैं, जो जन्म से अंधे नहीं हैं, बस आर्थिक संकट के कारण इलाज नहीं करा पाए। यहीं से शुरू हुआ मोतियाबिंद ऑपरेशन का काम। वर्ष 1993 में स्थापित श्री जगदंबा आई हॉस्पीटल में अब तक साढ़े चार लाख से ज्यादा जरूरतमंद लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई जा चुकी है। साढ़े चार लाख का यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं है। यह साढ़े चार लाख घरों में लौटी उम्मीद है। स्वामी ब्रह्मदेव ने समाज को एक और गहरी बात सिखाई है, वह है मरणोपरांत नेत्रदान। उन्होंने लोगों को समझाया कि मौत के बाद भी किसी की जिंदगी रोशन की जा सकती है। धीरे-धीरे यह बात लोगों के दिलों में उतरती गई। सालों से संस्था के जरिए नेत्रदान करा कर जरूरतमंदों को नेत्र प्रत्यारोपित किए जाते हैं।

स्वामी ब्रह्मदेव का जीवन दिखावे से दूर रहा है। वह कथा-कीर्तन करते हैं, चढ़ावे में आया धन सेवा में लगा देते हैं। न कोई शोर, न कोई प्रचार। वही सादा वेश, वही सरल बोलचाल। वे खुद संस्था में मौजूद रहते हैं, काम देखते हैं, लोगों से मिलते हैं। उनके लिए सेवा कोई परियोजना नहीं है, जीवन का स्वभाव है। पदमश्री मिलने के बाद भी उन्होंने श्रेय खुद नहीं लिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रभु की कृपा और जनता के निःस्वार्थ सहयोग का प्रतिफल है।

आम बजट 2026 विकास व अनुशासन का संतुलन

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

केंद्रीय बजट 2026-27 केवल सरकार का हिसाब-किताब नहीं, बल्कि यह बताता है कि आने वाले समय में देश किस दिशा में आगे बढ़ेगा। दुनिया में व्यापार तनाव, तकनीकी बदलाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच सरकार ने इस बजट में विकास और वित्तीय अनुशासन दोनों को संतुलित करने की कोशिश की है। सरकार ने पूंजीगत खर्च बढ़ाकर लगभग 12.2 लाख करोड़ रुपये किया है और यह लक्ष्य रखा है कि देश का कुल कर्ज (Debt/GDP) अनुपात को बजट अनुमान 2026-27 में GDP के 55.6 % के रूप में आंका गया है, जबकि संशोधित अनुमान 2025-26 में यह 56.1% था। Debt-to-GDP अनुपात में गिरावट का अर्थ है कि समय के साथ सरकार को ब्याज भुगतान पर कम खर्च करना पड़ेगा। इसका मतलब है कि सरकार खर्च भी करेगी और कर्ज को भी नियंत्रण में रखेगी।

बजट में राजकोषीय घाटा लगभग 4.3% ऑफ जीडीपी के स्तर पर रखने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि इससे देश की आर्थिक सेहत मजबूत होती है। जब सरकार का घाटा घटता है, तो उसे कम उधार लेना पड़ता है और ब्याज पर होने वाला खर्च भी कम होता है। इसका सीधा फायदा यह होता है कि सरकार के पास शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे जरूरी क्षेत्रों पर खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा बचता है। घाटा कम होने से महंगाई पर भी दबाव घटता है। इसके अलावा, जब फिस्कल डेफिसिट नियंत्रण में रहता है, तो विदेशी निवेशकों और रेटिंग एजेंसियों का भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा बढ़ता है, जिससे देश में निवेश आता है और रुपया भी मजबूत रहता है। कुल मिलाकर, इस बजट में फिस्कल डेफिसिट घटाने का उद्देश्य केवल हिसाब संतुलित करना नहीं है, बल्कि भविष्य में विकास के लिए स्थायी और भरोसेमंद आर्थिक आधार तैयार करना है।

कृषि क्षेत्र के लिए बजट को आय स्थिरता व जोखिम प्रबंधन का बजट कहा जा सकता है। सिंचाई परियोजनाओं, कृषि अवसंरचना और वेयर हाउसिंग नेटवर्क के विस्तार से फसल नुकसान कम होगा और किसानों को बेहतर कीमत मिल सकेगी। एग्री-लॉजिस्टिक्स और कोल्ड-चेन पर निवेश बढ़ाकर कृषि उत्पादों की बर्बादी घटाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजिटल एग्री प्लेटफॉर्म और फसल बीमा कवरेज के विस्तार से किसानों की आय में स्थिरता आएगी। कृषि-आधारित एमएसएमई और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में मूल्यवर्धन और रोजगार दोनों बढ़ाने की रणनीति अपनाई गई है।

छात्रों और युवा शक्ति के लिए यह बजट 'शिक्षा से रोजगार' की कड़ी को मजबूत करता है। डिजिटल शिक्षा अवसंरचना, स्कूलों और कॉलेजों में आधुनिक लैब तथा उद्योग से जुड़े कौशल कार्यक्रमों पर जोर दिया गया है। शिक्षा और मेडिकल शिक्षा से जुड़े टीसीएस प्रावधानों को घटाकर 2% किए जाने से विदेश में अध्ययन करने वाले मध्यम वर्गीय छात्रों को सीधी राहत मिलेगी। इसका उद्देश्य केवल डिग्री उत्पादन नहीं, बल्कि रोजगार योग्य युवा तैयार करना है, ताकि जनसंख्या लाभांश वास्तविक आर्थिक शक्ति बन सके। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बजट में केंद्रीय स्थान मिला है। स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को सस्ते ऋण, बीमा और डिजिटल बैंकिंग से जोड़ने से महिलाओं की भागीदारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में बढ़ेगी।

एमएसएमई क्षेत्र के लिए बजट 2026 संजीवनी जैसा है। सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का एमएसएमई ग्रोथ फंड घोषित किया है, जिससे छोटे उद्योगों को सस्ता ऋण और विस्तार का अवसर मिलेगा। यह क्षेत्र देश में 11 करोड़ से अधिक रोजगार देता है, इसलिए इसमें निवेश सीधे रोजगार सृजन से जुड़ा है। एमएसएमई के डिजिटलीकरण और निर्यात क्षमता बढ़ाने से भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगा। कपड़ा और टेक्सटाइल उद्योग के लिए बजट ने पूरी वैल्यू चेन- फाइबर से फैशन तक को मजबूत करने का रोडमैप दिया है। नई नेशनल फाइबर स्कीम से उत्पादन लागत घटेगी और गुणवत्ता बढ़ेगी। भारत का टेक्सटाइल निर्यात पहले ही लगभग 40 अरब डॉलर के स्तर पर है और इस नीति से इसमें और वृद्धि की संभावना बनेगी। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा। इससे पलायन कम होगा।

सरकार ने सात नए रेल कॉरिडोर और टियर-2 शहरों पर फोकस की घोषणा की है। इससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी। उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। रेलवे में निवेश का गुणक प्रभाव स्टील, सीमेंट और निर्माण उद्योग पर पड़ता है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन संभव है। आईटी, एआई और डेटा सेंटर नीति बजट 2026 की सबसे रणनीतिक घोषणाओं में से एक है। सरकार ने एआई के लिए 'पिक एंड शोवेल' अप्रोच अपनाई है यानी सीधे एप्लिकेशन पर नहीं, बल्कि अवसंरचना पर निवेश। विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर सेवाओं का उपयोग करने पर 2047 तक टैक्स हॉलिडे देने की घोषणा की गई है, बशर्ते वे भारतीय रीसेलर्स का उपयोग करें। इससे भारत ग्लोबल डेटा हब बनने की दिशा में बढ़ेगा और आईटी सेक्टर में उच्च-मूल्य रोजगार सृजित होंगे।

स्वास्थ्य और बायो-फार्मा सेक्टर को बजट में नई ऊर्जा मिली है। अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल से अनुसंधान, विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। मेडिकल टूरिज्म, आयुष केंद्र, डायग्नोस्टिक सेवाओं और पोस्ट-केयर सुविधाओं के विस्तार से भारत वैश्विक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उभर सकता है। वर्तमान में मेडिकल टूरिज्म बाजार लगभग 9-10 अरब डॉलर का है, जिसे कई गुना बढ़ाने की क्षमता इस नीति में है। रेयर अर्थ और सेमीकंडक्टर रणनीति बजट 2026 का सबसे भू-रणनीतिक पक्ष है। सरकार ने रेयर अर्थ खनिजों के घरेलू उत्पादन, प्रोसेसिंग और वैल्यू-चेन विकास के लिए विशेष आवंटन किया है।

दुनिया में व्यापार तनाव, तकनीकी बदलाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच सरकार ने इस बजट में विकास और वित्तीय अनुशासन दोनों को संतुलित करने की कोशिश की है।

आमने सामने

खुद के ऊपर 14-14 मुकदमे हैं। उनमें जमानत करा लें। उनको सेटल करा लें सरकार से हाथ-जोड़ी करके। पौने तीन साल बाद में कांग्रेस की सरकार आ रही है। मदन दिलावर जी से मिलने जेल में मैं जाऊंगा। गोविंद डोटासरा तो यहीं रहेगा। कहीं नहीं जाएगा।

-गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस नेता, राजस्थान

कांग्रेस सरकार के दौरान मिड-डे मील योजना में करीब दो हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ। जांच की आंच उन 'मगरमच्छों' तक पहुंचेगी, जिन्होंने जनता की कमाई पर डाका डाला। भ्रष्टाचारियों को पकड़ने का जाल बिछ चुका है।

-मदन दिलावर
शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार

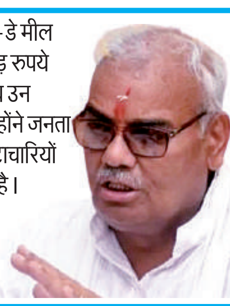

सुप्रीम फैसले से प्राइवेट स्कूलों में बराबरी की बात

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत अब हर प्राइवेट स्कूलों में 25 फीसदी सीटें आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए आरक्षित की गई हैं। यानी अगर आपके पास साधन नहीं हैं, फिर भी आपका बच्चा महंगे प्राइवेट स्कूल में मुफ्त पढ़ाई कर सकता है। हाल ही में शिक्षा के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट का एक अहम और दूरगामी फैसला सामने आया है। अदालत ने साफ कहा है कि सच्चा बंधुत्व तभी संभव है, जब समाज के हर वर्ग के बच्चे एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में साथ पढ़ें। इसी सोच को मजबूत करते हुए शीर्ष अदालत ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्राइवेट और गैर-सरकारी स्कूलों में गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत मुफ्त सीटें सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे की संवैधानिक भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में गरीब बच्चों को प्रवेश देना 'एक राष्ट्रीय मिशन होना चाहिए।'

आरटीई एक्ट यानी शिक्षा का अधिकार कानून, पहली अप्रैल 2010 को लागू हुआ। इसके तहत छह से 14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना भारत सरकार की जिम्मेदारी है। संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत यह हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। शिक्षा के अधिकार को आसान भाषा में समझने की कोशिश करें, तो इसमें कोई भी स्कूल बच्चे को दाखिला देने से मना नही कर सकता है। हर 60 बच्चों पर कम से कम दो प्रशिक्षित अध्यापकों का होना अनिवार्य है। हर तीन किलोमीटर के अंदर स्कूल होना जरूरी हैं। राईट टू एजुकेशन पर होने वाले खर्चों का 55 प्रतिशत केंद्र और 45 प्रतिशत राज्य सरकार उठाती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, देश के स्कूल शिक्षा तंत्र में 24.8 करोड़ से अधिक छात्र नामांकित हैं और प्राथमिक स्तर पर नामांकन दर 96.9 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है।

कोर्ट ने कहा कि कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों का दाखिला केवल कागज़ी अधिकार नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को स्पष्ट नियम बनाने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से जुड़े इस मामले में याचिकाकर्ता दिनेश बीवाजी अष्टिकर ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों को पड़ोस के निजी स्कूल में 25 फीसदी कोटे के तहत दाखिला नहीं मिला। आरटीआई से सामने आया कि सीटें खाली थीं, फिर भी स्कूल ने जवाब नहीं दिया। हाईकोर्ट ने यह कहते हुए राहत नहीं दी कि ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।

मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, लेकिन वर्षों की देरी के कारण बच्चों को समय पर राहत मिलना संभव नहीं रहा। इसके बावजूद अदालत ने इसे 'नज़ीर तय करने वाला' मामला मानते हुए व्यापक दिशा-निर्देश देने का फैसला किया। कोर्ट ने माना कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, भाषा की बाधा, डिजिटल अशिक्षा और जानकारी की कमी के कारण गरीब परिवारों के लिए 25 फीसदी कोटे तक पहुंचना आज भी मुश्किल है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पड़ोस के स्कूलों में दाखिला केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक समानता की दिशा में बड़ा कदम है।

अदालत ने यह याद दिलाया कि निजी स्कूलों में वंचित वर्ग के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना कोई अलग कल्याणकारी योजना नहीं है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 (ए) और 39 (एफ) में निहित बाल विकास और बंधुत्व के सिद्धांतों को लागू करने का जरिया है। शीर्ष अदालत का कहना था कि आरटीई कानून सभी बच्चों को जाति, वर्ग, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव के बिना एक ही स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा देने की बात करता है।

अदालत ने कोठारी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उसमें कॉमन स्कूल सिस्टम पर जोर दिया गया था, जहां पर समाज के हर वर्ग के बच्चों को बिना भेदभाव के शिक्षा मिल सके। संविधान के भाईचारे का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब एक रिक्शा खींचने वाले का बच्चा, एक करोड़पति या सुप्रीम कोर्ट के जज के बच्चे के साथ एक ही स्कूल में पढ़े। शीर्ष अदालत के इस फैसले को समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे की संवैधानिक भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य सलाहकार परिषदों से सलाह लेकर, धारा 12(1)(सी) के प्रावधानों को लागू करने के लिए आवश्यक नियम और कानून तैयार करें और जारी करें। कोर्ट ने आगे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को निर्देश दिया कि वह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा नियम और कानून जारी करने की जानकारी इकट्ठा करें और 31 मार्च तक कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सच्चा बंधुत्व तभी संभव है, जब समाज के हर वर्ग के बच्चे एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में साथ पढ़ें।

सोशल फोरम

जिगर और नातिया मुशायरा

अजमेर में एक नातिया मुशायरा था। आयोजकों के सामने बड़ी मुश्किल थी कि जिगर मुरादाबादी को इस मुशायरे में कैसे बुलाया जाए। वे खुले रिंद (शराब पीने वाले) थे। नातिया मुशायरे में उनकी शिरकत आसान नहीं थी। आयोजकों में कुछ उनके हक़ में थे, कुछ खिलाफ़। आख़िर बहुत सोच-विचार के बाद आयोजकों ने फैसला किया कि जिगर को दावत दी जानी चाहिए। जब जिगर को बुलाया गया तो वे सिर से पांव तक कांप उठे।

हिस्ट्री अनफोल्ड
ब्लॉगर

'मैं गुनहगार, रिंद, सियाहकार, बदनसीब—
और नातिया मुशायरा! नहीं साहब, नहीं।'

अब आयोजकों के सामने यह समस्या थी कि जिगर साहब को कैसे तैयार किया जाए। उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे और होंठों से इनकार। आख़िरकार असगर गोंडवी ने हुक्म दिया और जिगर ख़ामोश हो गए। सिरहाने बोतल रखी थी, उसे कहीं छिपा दिया। दोस्तों से कह दिया कि कोई उनके सामने शराब का नाम तक न ले। यह मौक़ा मिला है तो मुझे इसे खोना नहीं चाहिए। शायद यह मेरी बख्शीश की शुरुआत हो। एक दिन गुज़रा, दो दिन गुज़र गए। नात के मज़मून सोचते थे और ग़ज़ल कहने लगते थे। सोचते रहे, लिखते रहे, काटते रहे, लिखे हुए को काट-काट कर थकते रहे। आख़िर एक दिन नात का मतला हो गया।

फिर एक शेर हुआ, फिर तो जैसे बारिश-ए-अनवार हो गई। नात मुकम्मल हुई तो उन्होंने सज्द-ए-शुक्र अदा किया। मुशायरे के लिए इस तरह रवाना हुए जैसे हज को जा रहे हों। उन्होंने कई दिनों से शराब नहीं पी थी, लेकिन हलक़ सूखा नहीं था। इधर तो यह हाल था, दूसरी तरफ़ मुशायरा-गाह के बाहर और शहर के चौराहों पर विरोध में पोस्टर लग गए थे कि एक शराबी से नात क्यों पढ़वाई जा रही है। आख़िर मुशायरे की रात आ गई। जिगर को बड़ी सुरक्षा के साथ मुशायरे में पहुंचा दिया गया। मंच से आवाज़ उभरी- 'रईस-उल-मुतग़ज़्ज़िलीन हज़रत जिगर मुरादाबादी!'

इस एलान के साथ ही एक शोर उठ खड़ा हुआ। जिगर ने बड़े धैर्य के साथ मजमे की ओर देखा और प्रेम से भरे स्वर में बोले, 'आप लोग मुझे हूट कर रहे हैं, या रसूल पाक की नात को, जिसे पढ़ने की सआदत मुझे मिलने वाली है और जिसे सुनने की सआदत से आप अपने आप को महरूम करना चाहते हैं?'

शोर को जैसे सांप सूंघ गया। बस यही वह विराम था, जब जिगर के टूटे हुए दिल से यह आवाज़ निकली-

एक रिंद है और मद्हत-ए-सुल्तान-ए-मदीना
हां, कोई नज़र-ए-रहमत-ए-सुल्तान-ए-मदीना

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बेटियों का कागजी कवच और सामाजिक बेड़ियां

बेटियां घर की रौनक होती हैं। समाज की शक्ति होती हैं और राष्ट्र की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। फिर भी देश की बेटियां समान अवसर, सुरक्षा एवं लैंगिक समानता की उपेक्षा का बोझ ढो रही हैं। सरकार ने बेटियों के लिए कई महत्वपूर्ण नीतियां और कानून बनाए हैं, जैसे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, सुकन्या समृद्धि योजना, महिला आरक्षण विधेयक, पास्को एक्ट, घरेलू हिंसा से सुरक्षा कानून और अन्य कल्याणकारी योजनाएं, जिनके माध्यम से बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और कानूनी अधिकार प्रदान करने के प्रयास किए गए हैं। इन योजनाओं से कुछ सकारात्मक बदलाव भी दिखे हैं।

फिर भी, जमीनी हकीकत आज भी बहुत नहीं बदली है। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में लड़कियों की उन्नति दिखावा मात्र है। जिस समाज में हर रोज कोई लड़की या महिला बलात्कार का शिकार होती हो, उस समाज को प्रगतिशील कहना, दोगलापन है। राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार, देश में प्रतिदिन 81 रेप के पुलिस केस दर्ज होते हैं। ये तो बस आंकड़े हैं, अधिकतर घटनाएं तो लोक-लाज के डर से परिवार और समाज द्वारा छिपा लिए जाते हैं।

अंबिका अंबी
लेखिका

जहां एक तरफ लड़कियों के लिए समान अवसरों की बातें तो बोली जाती हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू जिम्मेदारियां लड़कियों पर ही लाद दी जाती हैं। आज भी लड़कियों को खुद के सपने चुनने का अधिकार नहीं है और न ही स्वतंत्रता से कहीं आने-जाने की छूट ही मिलती है। साथ ही, रसोई और घरेलू कामों का बोझ शुरू से ही उनके कंधों पर डाल दिया जाता है।

वास्तविकता में, लड़कियों को स्वतंत्रता और समान अवसर की सुविधाएं केवल मौखिक एवं कागजी स्तर पर ही सीमित रही है। वैश्विक लैंगिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा कम है। घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ इतना भारी है कि शिक्षा में आगे होने के बावजूद कई लड़कियां नौकरी या आगे की पढ़ाई छोड़ देती हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता, लैंगिक भेदभाव, असुरक्षा की भावना और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी चुनौतियां हर कदम पर उन्हें कमजोर करती हैं। आज भी लाखों लड़कियां शिक्षा और नौकरी के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है, सामाजिक एवं पारिवारिक सहयोग का प्राप्त न होना।

डिजिटल युग में साइबर हिंसा और ऑनलाइन उत्पीड़न ने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। खुले आम महिलाओं को टारगेट किया जा रहा है, उनके चरित्र पर उंगलियां उठाई जाती हैं और गालियां दी जा रही हैं। यह हिंसा न केवल व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं की गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य को चोट पहुंचाती हैं, बल्कि उन्हें ऑनलाइन स्पेस से दूर रहने, अपनी राय व्यक्त न करने या डिजिटल दुनिया से कट जाने पर मजबूर करने की साजिश है। यह क्रूर सच्चाई है कि जहां इंटरनेट ने महिलाओं को आवाज दी, शिक्षा दी और अवसर दिए, वहीं इस प्लेटफॉर्म का उनके खिलाफ दुरुपयोग हो रहा है।

लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए बचपन से ही शिक्षा और घर-समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप बहुत जरूरी है। सही मायने में, देश की बेटियां की वास्तविक प्रगति तब होगी, जब कानून और योजनाएं सिर्फ घोषणाएं न रहें, बल्कि समाज की सोच बदलने, जमीनी सुरक्षा सुनिश्चित करने, घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ बांटने और हर बेटी को बराबरी का हक दिलाने में सक्षम बनें। हमारे देश को 'बेटी बचाव, बेटी पढ़ाओ' नारे की अपेक्षा 'समाज और परिवार में बेटियों के प्रति भेदभाव मिटाओ' नारे की ज्यादा ही जरूरत है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

नई कार स्टेटस देती पुरानी कार समझदारी

कार खरीदना कुछ लोगों के लिए बुनियादी जरूरत है, तो कुछ लोगों के लिए शानो-शौकत और रुतबे का प्रतीक, लेकिन हम में से अधिकांश लोगों के लिए यह हमेशा से एक सपने के सच होने जैसा है। कार आज हम सभी के घरों का एक जरूरी और अहम हिस्सा बन चुकी है। इस मांग की वजह से ही हाल के वर्षों में पुरानी कारें खरीदने का चलन तेजी से बढ़ा है और देश में पुरानी कारों का बाजार एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है। यह तब हुआ है, जब लोगों को भरोसा हुआ है कि पुरानी कारें भी नई कारों जितनी ही अच्छी हो सकती हैं। एक और वजह यह भी है कि पसंदीदा नई कारें आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही हैं, ऐसे में कम बजट में बेहतर ब्रांड, शानदार फीचर्स की उपलब्धता भी पुरानी कारों की मांग को शहरों से लेकर कस्बों तक आगे बढ़ा रही है। हालांकि काफी सारे लोग पुरानी कार खरीदने में जोखिम और धोखाधड़ी के कारण बचते हैं, लेकिन पुरानी कारों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आने के बाद से चीजें काफी आसान भी हो गई हैं।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

पुरानी कारों की बिक्री नई कारों से ज्यादा

भारत में पुरानी कारों की बिक्री नई कारों की तुलना में 8 से 10 फीसदी सालाना वृद्धि दर से बढ़ रही है। वर्तमान में प्रत्येक नई कार की बिक्री पर लगभग 1.4 पुरानी कारें बेची जा रही हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार साल 2026 के अंत तक भारत में इस्तेमाल की गई कारों की बिक्री 75 लाख यूनिट्स तक पहुंचने का अनुमान है। यही नहीं इस साल देश में पुरानी कारों का बाजार 3.4 लाख करोड़ से अधिक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि पुरानी कारों के बाजार में हिस्सेदारी की बात करें, तो अभी भी सिक्का स्थानीय डीलरों और ब्रोकर का चलता है, जो बाजार के लगभग 68 फीसदी हिस्से पर काबिज हैं, लेकिन ग्राहकों का भरोसा अब वारंटी और सर्टिफाइड कारों के कारण तेजी से संगठित क्षेत्र की ओर शिफ्ट हो रहा है। इस बदलाव से डिजिटल माध्यमों से होने वाली पुरानी कारों की बिक्री की हिस्सेदारी इस साल के अंत तक करीब 30 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है।

मारुति, टाटा, महिंद्रा के साथ ऑनलाइन स्टार्टअप्स ने जीता यूज्ड कार का भरोसा

पुरानी कारों के संगठित कारोबार में मारुति सुजुकी True Value, महिंद्रा First Choice और टाटा मोटर्स Assured जैसे निर्माताओं के साथ Cars24, Spinny, CarDekho और Droom जैसे बड़े खिलाड़ियों के साथ और भी अनेक ऑनलाइन स्टार्टअप्स शामिल हैं। ये सभी सर्टिफाइड गाड़ियां खोजने, टेस्ट ड्राइव बुक करने और पूरी लेनदेन प्रक्रिया में मदद के अलावा अधिकतर कार के मूल्यांकन और कागजी कार्रवाई में भी सहायता प्रदान करते हैं, जिससे पुरानी कार खरीदना आसान हो जाता है। इनमें Cars24 को पुरानी कारों की खरीद-बिक्री के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें आप कार का मूल्यांकन, टेस्ट ड्राइव और पूरी कागजी कार्रवाई जैसे आरसी ट्रांसफर, लोन आदि में मदद पा सकते हैं। Spinny भी एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म है, जो सर्टिफाइड और अच्छी क्वॉलिटी वाली पुरानी कारों को आसान और सुरक्षित तरीके से खरीदने का बेहतर अनुभव प्रदान कर रहा है। CarDekho पुरानी और नई दोनों तरह की कारों की पूरी जानकारी जैसे मॉडल, कीमत और माइलेज जैसी डिटेल्स प्रदान करता है। इसके मुकाबले Droom ऑनलाइन मार्केट प्लेस है, जहां आप विभिन्न कारों की तुलना कर सकते हैं और कई विकल्प देख सकते हैं। इसी कड़ी में CarWale भी एक लोकप्रिय प्लेटफॉर्म है, जहां आपको पुरानी और नई कारों के ढेर सारे विकल्प मिलते हैं। इनके अतिरिक्त OLX भी पुरानी कारें खरीदने और बेचने के लिए लोकप्रिय ऐप है, जिसमें आप सीधे विक्रेता से संपर्क कर सकते हैं।

इसलिए बढ़ रहा है पुरानी कारों का बाजार

देश में हर साल लाखों लोग पहली बार कार खरीदते हैं और उनमें से बड़ी संख्या सेकेंड हैंड या यूज्ड कार को प्राथमिकता देती है। इसके पीछे कारण हैं-

- नई कारों की बढ़ती कीमतें
- कम डाउन पेमेंट और आसान फाइनेंस
- डेप्रिसिएशन का कम झटका
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती विश्वसनीयता
- सर्टिफाइड प्री-ओन्ड कार प्रोग्राम्स

इन कारों की मांग सबसे अधिक

बाजार के ट्रेंड पर नजर डालें, तो हैचबैक मारुति स्विफ्ट, वैगनआर, ग्रैंड आई-10 और सेडान में होंडा सिटी, मारुति सियाज, इसी तरह एसयूवी में क्रेटा, ब्रेजा, डस्टर आदि 5 से 7 साल पुरानी, कम चली और अच्छी तरह मेंटेंड कारें सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं।

खरीदने से पहले जरूरी बातें

- सबसे पहले अपना बजट बनाएं, फिर यह देखें कि पुरानी कार फर्स्ट हैंड है या फिर उसके पहले भी कई ऑनर रह चुके हैं। ऐसी कार लेना हमेशा बेहतर होता है, जो कम किलोमीटर चली हो। भारत में, एक कार औसतन सालाना 6 हजार से 12 हजार किलोमीटर चलती है। यह जरूरी है कि आप सर्विस रिकॉर्ड और गाड़ी की पूरी स्थिति के अनुसार चलाए गए किलोमीटर की जांच करें।
- आरसी, इंश्योरेंस और पॉल्यूशन सर्टिफिकेट की जांच करें। ओडोमीटर रीडिंग और सर्विस हिस्ट्री मिलाएं। कार को दिन की रोशनी में ध्यान से देखें।
- टेस्ट ड्राइव जरूर लें, आवाज, ब्रेक, गियर पर ध्यान दें। किसी अच्छे मेकैनिक से पूरा इंस्पेक्शन करवा लें। इंश्योरेंस ट्रांसफर की प्रक्रिया ठीक से समझें।

ऑनलाइन या ऑफलाइन कहां से खरीदें

- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म : ज्यादा विकल्प, पारदर्शी कीमत
- डीलरशिप : भरोसेमंद लेकिन कीमत थोड़ी ज्यादा
- डायरेक्ट ऑनर : सस्ता सौदा, पर जोखिम ज्यादा

Hero Vida Dirt.E K3: बच्चों के रोमांच को मिली इलेक्ट्रिक उड़ान

बदलते समय के साथ बच्चों की दुनिया भी स्मार्ट और टेक-फ्रेंडली हो रही है। इसी कड़ी में Hero MotoCorp की इलेक्ट्रिक ब्रांड Vida ने भारत में बच्चों के लिए एक अनोखी और सुरक्षित इलेक्ट्रिक डर्ट बाइक Dirt.EK3 पेश की है। यह बाइक न सिर्फ खेल-खेल में राइडिंग का मजा देती है, बल्कि सुरक्षा और सीखने, दोनों का पूरा ध्यान रखती है।

दमदार बैटरी

Dirt.EK3 में 360 Wh की रिमूवेबल बैटरी और 500W मोटर दी गई है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसकी टॉप स्पीड 25 किमी प्रति घंटा तक सीमित रखी गई है। बैटरी महज 2 घंटे में 20% से 80% तक चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज करने पर 2 से 3 घंटे तक राइड का मजा देती है।
तीन राइडिंग मोड- Beginner, Amateur और Pro, बच्चों को धीरे-धीरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देते हैं।

सुरक्षा और स्मार्ट फीचर्स

Vida ने सेफ्टी के मामले में कोई समझौता नहीं किया है। बाइक में मैग्नेटिक किल स्विच, चेस्ट पैड, ब्रेक रोटर कवर और रियर ग्रैबरेल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। खास बात यह है कि एक मोबाइल ऐप के जरिए माता-पिता बच्चे की राइडिंग एक्टिविटी पर नजर रख सकते हैं, स्पीड लिमिट सेट कर सकते हैं और अन्य पैरामीटर्स नियंत्रित कर सकते हैं।

इंटरनेशनल पहचान

Dirt.E K3 का डिजाइन सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। इसे Red Dot Award 2025 दिया गया है, जो इसकी क्वालिटी और इनोवेशन का प्रमाण है। कुल मिलाकर, Hero Vida Dirt.EK3 बच्चों के लिए एक ऐसा इलेक्ट्रिक राइडिंग अनुभव लेकर आई है, जहां रोमांच, सीख और सुरक्षा तीनों का खूबसूरत संतुलन देखने को मिलता है।

कीमत और उपलब्धता

Vida Dirt.EK3 की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 69,990 रखी गई है। पहले 300 यूनिट्स इसी कीमत पर उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यह बच्चों के लिए एक प्रीमियम, लेकिन समझदारी भरा विकल्प बनती है। इसकी बिक्री 12 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है।

बच्चे के साथ 'बढ़ने' वाली बाइक

इस बाइक की सबसे खास बात है इसका एडजस्टेबल डिजाइन। व्हीलबेस और सस्पेंशन को तीन लेवल- Small, Medium और High पर सेट किया जा सकता है। यानी जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होगा, बाइक भी उसके कद और उम्र के अनुसार ढलती जाएगी। इससे माता-पिता को हर कुछ साल में नई बाइक खरीदने की चिंता नहीं रहती।

मॉय फर्स्ट राइड

सासू मां के साथ मेरी आगे बढ़ने की यात्रा

जीवन में कुछ यात्राएं सड़कों पर तय होती हैं और कुछ हमारे मन और सोच के भीतर। मेरी कार सीखने की यात्रा भी ऐसी ही एक यात्रा रही, जो केवल ड्राइविंग सीखने तक सीमित नहीं थी, बल्कि आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और बदलाव को अपनाने की कहानी बन गई।

2024 में जब मेरी शादी तय हुई, तब तक मैं कार चलाना नहीं जानती थी। मायके में इसकी कभी विशेष आवश्यकता नहीं पड़ी थी, इसलिए यह कौशल मेरे जीवन का हिस्सा नहीं बन पाया, लेकिन शादी के बाद ससुराल का वातावरण अलग था। यहां मेरी सासू मां और ननद दोनों कार चलाती थीं। घर से जुड़ा अधिकांश काम-चाहे फैक्ट्री जाना हो, कच्चा माल लाना हो या बाजार की खरीदारी-कार से ही पूरा होता था। ऐसे में मुझे यह समझ में आने लगा कि अब मुझे भी इस जिम्मेदारी में हाथ बंटाना होगा।

कार सीखने का निर्णय लेना आसान था, लेकिन उसे सीखने की प्रक्रिया उतनी सरल नहीं थी। पहली बार स्टीयरिंग पकड़ते समय हाथ कांप रहे थे। सड़क पर निकलते ही मन में डर और असमंजस बना रहता था। ब्रेक, एक्सेलरेटर और क्लच के बीच तालमेल बैठाने में समय लगा। कई बार छोटी-छोटी गलतियां हुईं, लेकिन हर बार सासू मां ने धैर्य और अपनापन दिखाया। उनका विश्वास और सहयोग मेरे लिए सबसे बड़ा संबल बना।

धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ा और डर कम होने लगा। सुबह की खाली सड़कों से शुरुआत हुई, फिर मोहल्ले की गलियों से होते हुए मैं मुख्य सड़क तक पहुंच पाई। समय के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। आज मैं अपनी सासू मां के साथ फैक्ट्री के कामों के लिए जाती हूं और बाजार की जिम्मेदारियां भी निभाती हूं। अब कार मेरे लिए केवल एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की पहचान बन गई है।

इस पूरी यात्रा ने मुझे यह सिखाया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। परिस्थितियां जब बदलती हैं, तो हमें भी अपने भीतर बदलाव लाना पड़ता है। परिवार का सहयोग और विश्वास किसी भी नई शुरुआत को आसान बना देता है। सासू मां के साथ मेरा रिश्ता इस दौरान और भी गहरा हुआ, क्योंकि हमने साथ-साथ सीखने और आगे बढ़ने का अनुभव साझा किया।

आज जब मैं कार चलाती हूं, तो मुझे सिर्फ मंजिल तक पहुंचने की जल्दी नहीं होती, बल्कि उस सफर का आनंद भी मिलता है, जिसने मुझे आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनाया। मेरी कार सीखने की यात्रा वास्तव में मेरे नए जीवन की दिशा तय करने वाली एक महत्वपूर्ण यात्रा बन चुकी है।

-अपर्णा, कानपुर

काम की बात

सर्दियों में क्यों 'नखरे' दिखाती है बाइक?

सर्दियों की सुबह बाइक सवारों के लिए अक्सर एक परीक्षा बन जाती है। तापमान गिरते ही कई बाइक्स सेल्फ और किक दोनों पर सुस्त प्रतिक्रिया देने लगती हैं। बार-बार कोशिशों के बाद भी इंजन का स्टार्ट न होना न केवल समय की बर्बादी करता है, बल्कि बाइक की मैकेनिकल सेहत पर भी असर डालता है। ऑटो एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ठंड में बाइक स्टार्टिंग की समस्या पूरी तरह तकनीकी है और सही समझ के साथ इसे आसानी से मैनेज किया जा सकता है।

ठंड का बाइक पर असर

कम तापमान में इंजन ऑयल गाढ़ा हो जाता है, जिससे क्रैंकशाफ्ट और पिस्टन को घूमने में अधिक प्रतिरोध झेलना पड़ता है। दूसरी ओर, लेड-एसिड बैटरी की केमिकल रिएक्शन क्षमता ठंड में कमजोर हो जाती है, जिससे सेल्फ स्टार्ट का आउटपुट घट जाता है। यही कारण है कि सर्दियों में सुबह के समय बाइक स्टार्ट होने में दिक्कत करती है, जिससे बाइक सवार को मुश्किल का सामना करना पड़ता है, खासकर उन वाहनों में जिनका मेंटेनेंस नियमित नहीं होता।

स्टार्टिंग समस्या से निपटने के स्मार्ट तरीके

- **स्पार्क प्लग की भूमिका अहम-** ठंड और नमी के कारण स्पार्क प्लग पर कार्बन डिपॉजिट या नमी जमा हो सकती है, जिससे स्पार्क कमजोर पड़ जाता है। यदि बाइक स्टार्ट नहीं हो रही है, तो सबसे पहले स्पार्क प्लग की जांच जरूरी है। प्लग को साफकर दोबारा फिट करने से करंट फ्लो बेहतर होता है और इंजन आसानी से जान पकड़ता है।
- **क्लच ट्रिक से घटेगा लोड-** सर्दियों में गियरबॉक्स ऑयल भी गाढ़ा हो जाता है। बाइक को न्यूट्रल में रखकर क्लच पूरी तरह दबाने से गियरबॉक्स इंजन से अलग हो जाता है। इससे किक मारते समय इंजन पर कम लोड पड़ता है और स्टार्टिंग आसान हो जाती है।
- **चोक का सही और सीमित उपयोग-** कार्बोरेटर वाली बाइक्स में चोक ठंडे इंजन के लिए बेहद उपयोगी है। चोक खींचने से एयर-फ्यूल मिक्सचर रिच हो जाता है, जिससे इंजन जल्दी स्टार्ट होता है। हालांकि इंजन चालू होने के 20-30 सेकंड बाद चोक बंद कर देना चाहिए, वरना फ्यूल कंजम्पशन बढ़ सकता है।
- **इग्निशन ऑफ रखकर प्री-किक तकनीक-** ऑटो मैकेनिक्स के अनुसार, इग्निशन बंद रखकर 3-4 बार खाली किक मारने से सिलेंडर के भीतर गाढ़ा ऑयल फैल जाता है। इससे इंजन के मूविंग पार्ट्स लुब्रिकेट हो जाते हैं और स्टार्टिंग के समय कम प्रतिरोध पैदा होता है।
- **लगातार फेल स्टार्टिंग का नुकसान-** बार-बार सेल्फ मारने से बैटरी जल्दी डिस्चार्ज होती है और स्टार्ट मोटर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वहीं, ठंडे इंजन को जबरदस्ती स्टार्ट करने से पिस्टन और क्रैंकशाफ्ट पर अनावश्यक घर्षण बढ़ता है, जिससे लंबे समय में इंजन की परफॉर्मेंस प्रभावित हो सकती है।
- **एक्सपर्ट्स की मेंटेनेंस सलाह-** ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि सर्दियों में बाइक को खुले में खड़ा करने से बचना चाहिए। कवर का इस्तेमाल बैटरी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम को नमी से सुरक्षित रखता है। साथ ही मौसम के अनुसार सही ग्रेड का इंजन ऑयल और समय-समय पर बैटरी हेल्थ चेक करना बेहद जरूरी है।
- **आने वाला कल-** ऑटो इंडस्ट्री ठंडे मौसम के लिए बेहतर बैटरी टेक्नोलॉजी और लो-विस्कोसिटी इंजन ऑयल पर काम कर रही है। जब तक ये तकनीकें आम नहीं होतीं, तब तक सही ड्राइविंग हैबिट्स और बेसिक मेंटेनेंस से सर्दियों में बाइक स्टार्टिंग की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

दम्पत्ति ने वीडियो वायरल कर लगाई सुरक्षा की गुहार

मौदहा। रविवार को सोशल मीडिया में एक वीडियो जमकर वायरल हुआ। जिसमें एक नवदम्पत्ति पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने और गांव के कुछ लोगों से अपनी जान को खतरा होने की बात कह रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं दूसरे पक्ष की महिला द्वारा घर में घुसकर मारपीट करने और घर में ताला डाल देने की तहरीर कोतवाली में दी है। कोतवाल संतोष सिंह ने बताया कि लड़की अजमेर से गायब हुई थी और अजमेर में ही गुमशुदगी दर्ज है। फिर भी अगर कोई कोतवाली आएगा तो कार्रवाई करेंगे, लेकिन अभी तक कोई भी पक्ष कोतवाली नहीं आया है।

ट्रक की टक्कर से परिषदीय विद्यालय में तैनात शिक्षक घायल

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के गल्ला मंडी नहर के पास एक ट्रक ने परिषदीय विद्यालय में तैनात शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से शिक्षक घायल हो गए। घायल को इलाज के लिए तत्काल सीएचसी ले जाया गया। जहां से उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी शिक्षक विनोद द्विवेदी अपनी बाइक से जा रहे थे। राठ पनवाड़ी मार्ग पर नहर के पास अचानक पीछे बैक हो रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में विनोद द्विवेदी गिरकर घायल हो गए। घायल शिक्षक को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें नजदीकी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है।

तीन के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ 50 हजार रुपये गबन का मुकदमा दर्ज किया है। कस्बे के वार्ड संख्या 16 के निवासी रविंद्र कुमार ने अदालत को अवगत कराया था कि वह 22 अक्टूबर 24 से 27 नवंबर तक जेल में निरुद्ध रहा। प्रार्थी का मोबाइल अरविंद शिवहरे लरौंद मौदहा के पास था। प्रार्थी लक्ष्य जन सेवा समिति का अध्यक्ष है। अरविंद शिवहरे ने करुणेन्द्र कुमार निवासी वार्ड संख्या 8 विंध्यवासिनी मार्ग, अभिलाष सिंह निवासी वार्ड संख्या 16 से मिलीभगत करके मोबाइल से आनलाइन आईडी पासवर्ड बदलकर समिति के खाते से 50 हजार रुपये निकालकर गबन कर लिया है। तीनों के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज किया है।

मौरंग लदी टैक्टर ट्राली पकड़ी

मौदहा। रविवार को कस्बे की मुख्य सड़क पर दिनदहाड़े अवैध मौरंग ले जा रहा एक ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा जाना सत्ताधारियों का रहमो करम फिर से चर्चा का विषय बना है। कोतवाली सहित सिसोलर और बिंवार थानाक्षेत्र में मौरंग का अवैध कारोबार लम्बे समय से चर्चा में बना हुआ है। इस खेल में सत्तारूढ़ पार्टी के क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका सुर्खियां बटोरती है। इनके कारनामे आम जनमानस में चर्चा का विषय बने हैं। नायब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने कस्बे के मलीकुआ चौराहा में एक अवैध मौरंग से लदी टैक्टर ट्राली को पकड़ी है। हालांकि इसका चालक मौके से फरार हो गया है। वहीं नायब तहसीलदार ने इसे कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

घटिया कार्य से टूटी सीसी सड़क , लोगों में आक्रोश

परेशानी को लेकर ग्रामीणों ने डीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार। पारा गांव में नमामि गंगे योजना से डाली गई पाइप लाइन के बाद तोड़ी गई सीसी की मरम्मत नहीं कराई गई है। ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने डीएम को पत्र देकर सीसी का निर्माण कराने की मांग की है।

पारा निवासी शिवम तिवारी, रणधीर सिंह, रुशल सिंह, भूपल सिंह, प्रेम प्रकाश तिवारी, सत्यम भारती, श्यामेंद्र सिंह आदि ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि नमामि गंगे द्वारा हर घर नल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन डालने के लिए तोड़ी थी। लेकिन सीसी निर्माण कार्य नहीं किया गया है। जिससे आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नमामि गंगे के अवर अभियंता से कई बार शिकायत की तो ठेकेदार ने सीसी मरम्मत के नाम पर घटिया कार्य कराया जिससे 15 दिन में सीसी अपने पुराने रूप में पहुंच गई। जिससे आवागमन करने के साथ वाहन निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर खोदी गई सीसी की मरम्मत की मांग की है। नमामि गंगे के अवर अभियंता बिदुर कुमार ने बताया कि सीसी में कार्य कराया गया था। ग्रामीणों रास्ते से वाहन निकालने लगे व नाली का पानी आने से मरम्मत कार्य खराब हो गया है।

सीसी सड़क के ऊपर बहता पानी। अमृत विचार

- शिकायती पत्र देकर सीसी सड़क की मरम्मत की मांग की है

सैकड़ों पेड़ लकड़ी माफियाओं ने काटे

राठ (हमीरपुर)। चिकासी थाने के मंगरौठ गांव के पास बनी गल्ला मंडी परिसर में बीते तीन दिनों से हो रही पेड़ों की अवैध कटान ने प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना किसी के अनुमति, बिना नीलामी और बिना लिखित आदेश के बेशकीमती हरे पेडों को चोरी छिपे कटवाकर बेंचा जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए यह भी बताया कि मंडी सचिव के इशारे पर पेड़ों का अवैध कटान किया गया। वहीं मंडी सचिव राजेश कुमार का कहना था कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

मंगरौठ गांव के पास गल्ला मंडी वीरान पड़ी है। यहां पर सैकड़ों की तादाद में बेशकीमती पेड़ लगे हैं। बीते तीन दिनों ने मंडी के अंदर चोरी छिपे पेड़ों की कटान की जा रही है। ग्रामीणों के विरोध के बाद भी लकड़ी माफियाओं ने नहीं सुनी। बताया जाता है कि माफिया गल्ला मंडी प्रशासन के कुछ अधिकारियों से सांठगांठ कर पेड़ कटवा रहे हैं। जिन्हें ट्रैक्टरों में लोड कर बाहर भेजा गया है। एसडीएम ने मामले को संज्ञान में लेकर एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है।

मुशायरे में एक से बढ़कर एक कलाम पढ़े

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। मोहल्ला हुसैनगंज निजामीपुरा स्थित मास्टर फखरुद्दीन यावर मौधवी के मकान में बज़्मे करीम का माहाना तरही मुशायरा संपन्न हुआ। इसकी सदारत मास्टर फिरोज़ कमाल और संचालन शायर इनायत मोईन चिश्ती ने किया। मुशायरे में डॉ.अजमल सगीर मेहमाने खुसूसी रहे। मुशायरे में करीब दो दर्जन शायरों ने मिसरे पढ़े। कुछ फायदा नहीं मियां ऐसी उड़ान से और जाते हो तुम किस राह पर ठहरो ज़रा समेत कई कलाम पेश किए गए। श्रोताओं ने हर शायर के अच्छे शेर पर खूब दाद दी।

बदरुद्दीन तायब ने शेर सुनाया तुझको नज़र में आएंगे फिर रंगे कायनात, बाहर निकल के आओ तो अपने मकान से। मसीह निज़ामी ने पढ़ा दोज़ख की आग देख के क्या होगा उनका हाल, डरते हैं जो भी दुनिया के इस तापमान से। यावर मौधवी ने शेर सुनाया तनक़ीद ग़ैरों की करूंगा तुमसे फिर, मैं डाल लूं खुद पर नज़र ठहरो ज़रा। मूलचंद वारसी ने शेर पढ़ा मेहनत से अपनी जिनको खिलाकर बड़ा किया, वो गुल भी आज लड़ने लगे बागबान से। इनायत मोईन चिश्ती ने पढ़ा सरकार ने एक रोज सहाबा से कहा था, खुशबू वफ़ा की आती है हिंदोस्तान। कमर निजामी ने पढ़ा महरूम नहीं होता वो शागिर्द ज्ञान से, उस्ताद की जो बात को सुनता है ध्यान से। इस्लाम मौधवी ने शेर सुनाया तेरी मुखालफ़त का ज़रा भी असर नहीं ,हम लोग जी रहे हैं बड़ी आन बान से । क़ुदरत उल्लाह तिशना ने शेर सुनाया मौसम हमेशा एक सा रहता नहीं, जाएगा सर्दी का असर ठहरो ज़रा। रमज़ान खां साहिल ने शेर सुनाया मैं सच को झूठ झूठ की सच कह न पाऊंगा, जाती है मेरी जान तो फिर जाए जान से। निज़ाम मौधवी ने पढ़ा पाने को उसने मुझको किए हैं कई जतन,ली उसने दुश्मनी है सभी खानदान से । आकिल बिजनौर ने पढ़ा शीशे की तरह दिल के भी टुकड़े हज़ार , ज़ालिम ने ऐसा तीर चलाया कमान से । कलंदर निजामी ने पढ़ा क्यों खौफ खाते हो ज़माने से भला ,हो जाएगी इक दिन सहर ठहरो ज़रा। मुन्ना बॉर्डर ने अपने हास्य कलाम से सबको खूब हंसाया तुम अपने आपको जो समझती हो माधुरी ,मेरी भी शक्ल मिलती है शाह रूख खान से। तकी मास्टर ने शेर सुनाया तफ़रीके ज़ात पात से कुछ फायदा नहीं ,मिल कर यहां रहें सभी अमनो अमान से । महक बानो ने शेर सुनाया दो वक्त की वो कैसे कमाता है रोटियां, ये बात जा के पूछिए अपने किसान से । नसीम आलम ने पढ़ा सब जानते हैं फिर भी मगर हाव हाव है ,खाली ही हाथ जाएंगे सब इस जहान से। सफीर माचवी ने पढ़ा दर्दे फ़िराक़ से मेरा दिल चूर चूर है ,ये कौन उठ गया है मेरे दरमियान से । नजम मास्टर ने पढ़ा लहरा के ज़ुल्फ देखा जो बस तिरछी नजर से, बेहोश हो के कुछ तो गए अपनी जान से। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

कलाम पढ़ते शायर। अमृत विचार

- मुशायरे में करीब दो दर्जन शायरों ने पेश किए अपने कलाम

कुरारा के वार्ड एक में 20 लाख से बनेगा श्मशान गृह

संवाददाता, कुरारा हमीरपुर

अमृत विचार। कस्बा के वार्ड नंबर एक में 20 लाख की लागत से बनेगा श्मशान गृह। नगर पंचायत चेयरमैन ने भूमि पूजन किया। इससे लंबे समय से चली आ रही इस समस्या से राहत मिलेगी।

कस्बा के वार्ड नंबर एक में लोगों को अंतिम संस्कार करने के लिए दूर जाना पड़ता था, इस समस्या के समाधान के लिए नगर अध्यक्ष अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने भूमि पूजन कर इस महत्वपूर्ण जनहित कार्य का शुभारंभ कराया। श्मशान गृह के निर्माण से वार्ड नंबर एक के लोगों को अब दूर-दराज़ क्षेत्रों में जाने की मजबूरी नहीं रहेगी। उन्हें अपने ही क्षेत्र में सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने बताया कि वार्ड वासियों की मांग पर श्मशान गृह का भूमि पूजन कर कार्य शुरू कराया जा रहा है।

श्मशान गृह का भूमि पूजन करतीं चेयरमैन आशारानी कबीर। अमृत विचार

चार से होगा तीन दिवसीय उर्स

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बा सहित क्षेत्र के महान सूफी संत हजरत ताज उददीन बाबा का तीन दिवसीय सालाना उर्स चार फरवरी से धूमधाम से मनाया जाएगा।

उर्स के सिलसिले में चार फरवरी को बाद नमाज़ इशा नातिया मुशायरा का आयोजन होगा। जिसमें क्षेत्रीय और बाहरी शायर नातिया कलाम पेश करेंगे। वहीं पांच फरवरी को सुबह बाद नमाज़ फजिर कुरान ख्वानी और ग्यारह बजे से लंगर जबकि बाद नमाज़ असर चादर पोशी और बाद नमाज़ इशा कव्वालियों की महफिल का आयोजन किया जाएगा। छह फरवरी को कुल की फातिहा और लंगर के साथ तीन दिवसीय उर्स का समापन होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहेंगे।

एडीएम फाइनेंस की विदाई में भावुक हुए कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। एडीएम फाइनेंस विजय शंकर तिवारी के सेवानिवृत्त होने पर कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में डीएम और अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह में कई कर्मचारी भावुक हो गए।

14 फरवरी 2024 को हमीरपुर में एडीएम फाइनेंस का चार्ज विजय शंकर तिवारी ने संभाला था। उन्होंने करीब 22 महीने के कार्यकाल में बड़े फैसले लेकर खनिज विभाग के खजाने में रिकार्ड तोड़ राजस्व जमा कराया। बाढ़ से विकराल स्थिति को लेकर प्रभावित इलाकों में राहत कार्य कराकर पीड़ितों को राहत पहुंचाई। सेवा से रिटायर्ड होने पर कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने एडीएम विजय शंकर तिवारी के कार्यकाल की सराहना की। कहा इन्हें जो भी दायित्व दिए गए उन्हें समय रहते पूरी पारदर्शिता के साथ काम किया है। ये हमेशा अपने कार्यों के प्रति सक्रिय रहते थे। उन्होंने कहा कि वह सेवा से रिटायर्ड हो रहे हैं, लेकिन इनकी कार्यशैली को सदैव याद रखा जाएगा। एडीएम विजय शंकर तिवारी ने कहा कि उन्हें यहां पर काम करते बहुत अच्छा लगा। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में कोई भी दायित्व उन्हें मिला उसे पूरा करने में कभी कोई दिक्कत नहीं आई। विदाई समारोह में जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने एडीएम फाइनेंस को उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर एडीएम न्यायिक रिजवाना शाहिद, एडीएम नमामि गंगे सुरेश कुमार, एसडीएम सदर केडी शर्मा, एएसडीएम राजकुमार गुप्ता, हैदर पैगाम ए.एसडीएम, कलेक्ट्रेट मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष जगदीश निगम, विनय कुमार ओएसडी जिलाधिकारी, आपदा विशेषज्ञ प्रियेश मालवीय, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कुमार चक्रेश त्रिवेदी, प्रशस्ति तिवारी ओएसडी एडीएम फाइनेंस, लिपिक गौरव शर्मा, अवधेश अवस्थी एओ कलेक्ट्रेट, धर्मेन्द्र सिंह, प्रभात तिवारी, अभिषेक कुमार समेत तमाम कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

एडीएम वित्त एवं राजस्व को सम्मानित करते कर्मचारी। अमृत विचार

- विजय शंकर तिवारी के कार्यशैली की डीएम ने की सराहना

भाजपाइयों ने केंद्रीय बजट का लाइव प्रसारण सुना

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद की उपस्थिति में केंद्रीय बजट का लाइव प्रसारण सुना गया। सदर विधायक ने सुमेरपुर ब्लाक हाल में बजट का प्रसारण देखा।

आगामी बजट को लेकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पेश केंद्रीय बजट 2026 को पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नगर के गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से सुना। सुमेरपुर ब्लाक हाल में सदर विधायक डॉ मनोज प्रजापति की उपस्थिति में बजट का प्रसारण सुना गया। जहां ब्लाक प्रमुख जयनारायण यादव, मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह, भार्गव मिश्रा, गीता ओमर, श्याम धुरिया, अशोक सिंह, रवि गुप्ता, शरद चंदेल, अंकित सिंह, अजित गुप्ता उपस्थित रहे।

पार्टी कार्यालय में मीडिया प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि बजट में विकसित भारत का संकल्प और हर वर्ग के कल्याण की झलक साफ दिखाई देती है। सभी ने बजट की सराहना की और हर्ष व्यक्त किया। यह बजट देश और क्षेत्र की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। लाइव प्रसारण में जिला महामंत्री नरवेंद्र सिंह, अंकित गुप्ता, मनोज गुप्ता, नीलम बाजपेयी, राधा चौरसिया, राजकुमार शुक्ला, विनय मिश्रा, इंद्रप्रकाश बाजपेयी उपस्थित रहे। छानी में पूर्व जिलाध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता की उपस्थिति में बजट का लाइव देखा गया।

भाजपा कार्यालय में बजट सुनते पार्टी कार्यकर्ता। अमृत विचार

रविदास मंदिर में मनाई गई संत शिरोमणि रविदास की जयंती

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के रविदास मंदिर धर्मशाला में रविवार को संत रविदास की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। पड़ाव चौराहे पर स्थित रविदास मंदिर से एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जो कि बारह खम्बा चौराहे से होते हुए सैना रोड, दीवानपुरा और उरई बस स्टैंड तथा आंबेडकर चौराहा बजरिया रामलीला होते हुए वापस समाप्त हुई। विचार गोष्ठी और सभा में वक्ताओं ने संत रविदास द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम अध्यक्ष राजाराम वर्मा, सुंदर लाल, जालौन जनपद से आईं अंजू चौधरी, गोविंद अहिरवार, कामता राजपूत, प्रताप लोधी जराखर, धूराम चौधरी पूर्व विधायक, व मनोज वर्मा के अलावा सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मौलाना खान के साथ उनके सहयोगियों की संपत्ति का ब्योरा जुटाने में लगा प्रशासन

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। 15 जनवरी को कस्बे में हुए लव जिहाद, दुष्कर्म एवं धर्मांतरण के दबाव के मामले में आरोपी बनाए गए मौलाना खान के व्यावसायिक साझेदारों की कुंडली प्रशासन तैयार करने में जुटा है। कस्बे के पांच चुनिंदा व्यापारियों को चिन्हित कर उनकी आमदनी के स्रोत खंगाले जा रहे हैं। कुछ लोगों को बुलाकर पूछताछ भी की गई है। इससे इन लोगों में खलबली मची है।

मौलाना खान का पुश्तैनी कारोबार लकड़ी का रहा है। इसी के चलते लकड़ी माफिया कहा जाता है। मौलाना खान ने जब बसपा से नजदीकी बढ़ाई तब इसने लकड़ी के अलावा जमीन का कारोबार शुरू किया। इसको कस्बे में भूमाफिया भी कहा जाता है। जमीन के धंधे में इसने कस्बे के कुछ गैर मुस्लिमों को शामिल किया और जमकर खरीद फरोख्त कर कस्बे के चारों तरफ प्लाटिंग का कारोबार किया। अब इन्हीं साझेदारों की कुंडली प्रशासन मौलाना खान के साथ खंगाल रहा है। कुछ लोगों को थाने लाकर पूछताछ भी की गई है। खुफिया सूत्रों का दावा है कि प्रशासन गहनता के साथ मौलाना खान और उसके साथियों की कुंडली खंगाल रहा है। इनके आमदनी के स्रोत ढूंढ़े जा रहे हैं। बताते हैं कि यह तब संभव हुआ है जब भाजपा के एक कद्दावर नेता ने मुख्यमंत्री से भेंट कर मौलाना खान का काला चिट्ठा उनके समक्ष रखा है। इसके बाद ही प्रशासन सक्रिय हुआ है। प्रशासन के पूछताछ करने के बाद साझेदारों में हड़कंप मच गया है। यह लोग मौलाना खान से संबंधों को सिरे से नकारने लगे हैं, साथ ही दूरियां बढ़ा ली। खुफिया सूत्रों का कहना है कि जल्द ही इनकी कुंडली तैयार करके शासन को भेजी जाएगी। इसके उपरांत ही इनके खिलाफ जांच शुरू होगी। अभी महज उनकी संपत्तियों का ब्योरा तैयार किया जा रहा है। साथ ही आमदनी के स्रोत एकत्र किए जा रहे हैं। वहीं चर्चा है कि कस्बे का एक कद्दावर भाजपा नेता आरोपियों को बचाने में लगा है।

- लव जिहाद, दुष्कर्म एवं धर्मांतरण के दबाव के मामले में आरोपी बनाए गए हैं

एनजीटी टीम 4 को गायत्री गंगा का सच जानने आएगी

संवाददाता, सुमेरपुर

अमृत विचार। कस्बे के समाजसेवी राजेश शिवहरे की याचिका पर एनजीटी की टीम 4 फरवरी को गायत्री गंगा (करोड़न नदी) को मौके पर आकर स्थिति देखेगी। रविवार को एडीएम ने एसडीएम सदर एवं तहसीलदार, नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी के साथ कस्बे से गुजरी गायत्री गंगा का निरीक्षण किया। इस मौके पर वन विभाग की टीम भी मौजूद रही।

कस्बे के स्टेशन मार्ग निवासी समाजसेवी राजेश शिवहरे ने गत वर्ष एनजीटी के समक्ष याचिका दाखिल करके कस्बे में गुजरी गायत्री गंगा के अतिक्रमण को हटाकर साफ सफाई कराने की मांग की थी। एनजीटी ने इसको गंभीरता के साथ लिया था और सुनवाई करते हुए प्रशासन से नदी की रिपोर्ट तलब की थी। इस याचिका पर अगली सुनवाई 9 मार्च को होनी है। इसके पूर्व प्रशासन ने इसको नदी की जगह बरसाती नाला मानकर रिपोर्ट प्रस्तुत की है जबकि याचिका कर्ता का दावा है कि यह वर्ष पर्यंत बहने वाली नदी है किसी हद तक यह दावा सही भी है क्योंकि इसमें वर्ष पर्यंत पानी रहता है।

यही सच जानने के लिए एनजीटी की टीम 3 फरवरी को मुख्यालय आ रही है 4 फरवरी को टीम मौके पर नदी का अवलोकन करके रिपोर्ट तैयार करेगी। रविवार को एडीएम न्यायिक रिजवाना शाहिद ने एसडीएम सदर केडी शर्मा, तहसीलदार, नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी दिनेश आर्य, वन विभाग की टीम के साथ नदी का भ्रमण करके रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

- रविवार को एडीएम न्यायिक ने कस्बे से गुजरी गायत्री गंगा का निरीक्षण किया

चार दिनों से लापता छात्र की गुमशुदगी दर्ज

मौदहा (हमीरपुर)। बीए प्रथम वर्ष का एक छात्र बीते चार दिनों से लापता है। छात्र घर से कॉलेज जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। इस संबंध में परिजनों की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया गया कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करहिया निवासी देशराज कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपते हुए बताया कि उनका 19 वर्षीय पुत्र नीतेश कुमार कुशवाहा कस्बे के बड़े चौराहा के समीप स्थित डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष का छात्र है। बीते 27 जनवरी को वह घर से कॉलेज जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने पुलिस की मदद ली। पुलिस मांमले की जांट कर रही है।

आयोजन | विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन, भव्य शोभायात्राएं, विचार गोष्ठियां और भंडारे आयोजित किए गए

धूमधाम से मनाई संत शिरोमणि रविदास की 649 वीं जयंती

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। जिलेभर में रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ संत शिरोमणि रविदास की 649वीं जयंती मनाई गई। विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन, भव्य शोभायात्राएं, विचार गोष्ठियां और भंडारे आयोजित किए गए।

मुख्यालय के आम्बेडकर नगर नौबस्ता से संत शिरोमणि रविदास की 649वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान ढ़ोल नगाड़ों की धुन पर लोग थिरकते नजर आए। वक्ताओं ने संत रविदास के विचार सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता की सेवा पर आधारित हैं। इस दौरान रामकृपाल, रामसेवक वर्मा, हरी सिंह अनुरागी, अखिलेश कुमार, अनीस कुमार, अनूप कुमार, रामाधार, भगवान दास, पुष्पेंद्र सिद्धार्थ घसीटेलाल वर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं कोरी समाज महासस्थान ने भी संत शिरोमडी रविदास की जयंती मनाई। रामबाबू, राम बहादुर नयन, चन्द्रभान दरोगा, सुरेश आचार्य, रामहेत अनुरागी, भगवान दास आदि लोग उपस्थित रहे। सपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष इदरीश खान जयंती मनाई गई। ओम प्रकाश सोनकर, वारसी, हरिनारायण निषाद, जगमोहन यादव, नरेश सिंह खंगार, रजा हुसैन आदि लोग मौजूद रहे।

बिवांर में शोभायत्रा निकालते लोग। अमृत विचार

शोभायात्रा निकालते अनुयायी। अमृत विचार

मौदहा में धूमधाम से मनी संत रविदास की जयंती

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे में रविवार को संत रविदास की जयंती हर्षोल्लास के बीच मनाई गई। अनुयायियों ने भव्य शोभायात्रा निकाल विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। शोभायात्रा में महापुरुषों की झांकियों के साथ दीवारी नृत्य मंडली, घोड़े, ढोल-नगाड़े आकर्षण का केंद्र रहे। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष अपनी पारंपरिक वेशभूषा में नाचते-गाते दिखाई दिए। आंबेडकर पार्क में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। संत रविदास के महान विचारों पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं। उधर बिवांर में संत रविदास की शोभायात्रा बैंडबाजा घोड़ा डीजे के सहित अनेक झांकियां के साथ एक निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल घोड़े आकर्षण का केंद्र रहे। पुरवा मोहाल से एमडी वर्मा, रामगोपाल वर्मा, शिवपाल, रामहेत की देखरेख में शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें अनेक महापुरुषों की झांकी शामिल रहीं। शोभायात्रा को सन्नी मिश्रा ने बाजार मोहाल में जलपान कराकर विदा किया। करीब एक दर्जन लोगों ने अंधविश्वास जातिवादी छुआछूत भेदभाव पाखंड जुआं शराब को समूह से नाश करने की प्रतिज्ञा ली है।

न्यूज ब्रीफ

कीड़े के काटने से किसान की मौत

महोबा। रामूपुरा कदीम गांव निवासी महेश पुत्र प्यारे लाल अहिरवार खेत में सिंचाई कर रहा था तभी अचानक कीड़े ने उसे काट लिया। जिससे वह खेत में ही पैर पकड़ कर बैठ गया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े और उसे सीएचसी ले गए, जहां पर डॉक्टर ने उसका उपचार किया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

किराना दुकान की दीवार तोड़कर चोरी

महोबा। कबरई के डहर्रा गांव में स्थित एक किराना दुकान में अज्ञात चोरों ने पीछे की दीवार तोड़कर चोरी को अंजाम दिया। मकरबई गांव निवासी संतराम ने बताया कि डहर्रा गांव में वह किराने की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। बताया कि रोज की तरह वह बीती रात दुकान बंद कर वह घर चले गए और सुबह जब दुकान खोलने के लिए गए तो दुकान की पीछे की दीवार टूटी हुई थी। दुकान के अंदर से लगभग 40 हजार रुपये की सामग्री और करीब 15 हजार रुपये की नकदी गायब थी। पीड़ित दुकानदार ने पुलिस से इस चोरी का जल्द खुलासा करने की मांग की है।

पूर्वजों की कब्रगाहों की सफाई करते लोग। अमृत विचार

शब-ए-बारात पर की कब्रगाहों की सफाई

महोबा। शब-ए-बारात को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्रगाहों की साफ सफाई की। तमाम लोगों ने कब्रगाहों में उगी हरी घास, पेड़ पौधे, झाड झंकाड़ को फावडे, खुरपी, कुल्हाड़ी चलाकर साफ करके कब्रगाहों को चमाचम कर दिया है साथ ही मुस्लिम लोगों ने अपने बुजुर्गों की जमीदोज हो चुकी कब्रिस्तानों पर मिट्टी डालकर उन्हें कब्र का रूप दिया। कब्रगाहों की सफाई में लोग परिवार के साथ जुटे रहे।

शब-ए-बारात त्योहार से पहले हर साल मुस्लिम समुदाय के लोग अपने-अपने पूर्वजों की कब्रगाहों में जाकर साफ सफाई करते हैं और कब्रगाहों पर फूल अगरबत्ती लगाते हैं, जिससे उनकी रूहों को सूकून मिलता है। कब्रिस्तानों की साफ सफाई करने की परम्परा वर्षों से चली आ रही है। पहले उनके पूर्वज साफ सफाई करते थे, अब उनके परिवार के नाती, पोते व अन्य लोग कब्रगाहों में साफ करते हैं। 3 फरवरी को शब-ए-बारात पर्व होने के कारण लोग प्रतिदिन की तरह रविवार की सुबह फावड़ा, गेंती, कुदाली, खुरपी और कुल्हाड़ी लेकर कब्रगाहों पर पहुंचे और सफाई की।

पर्व करीब होने के कारण कब्रगाहों में अलग अलग परिवार के लोगों के झुंड के झुंड सफाई करते दिखाई दे रहे हैं। कब्रगाहों में अच्छी खासी भीड़ होने के कारण परिवार के लोगों का सफाई सफाई करने में भी मन लगा रहता है साथ ही उनके खानपान बगैरा का भी बेहतर इंतजाम भी किया जाता हैं। साल भर तक कब्रगाहों में झांकने न जाने वाले लोग शब-ए-बरात पर्व के मौके पर परिवार के साथ पहुंचते हैं।

भाजपा ने बजट को सराहा, विपक्षी दलों ने किसान विरोधी बताया

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। केंद्र सरकार के आम बजट की जहां भाजपाइयों ने सराहाना की वहीं सपा, बसपा और कांग्रेस ने बजट को जन विरोधी बताया। बजट 2026 में इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। वहीं आम नागरिक को बजट से कोई लाभ नहीं हुआ। बजट में बुंदेलों को कुछ नहीं मिला है, यहां के बाशिंदों और जन प्रतिनिधियों द्वारा खजुराहो महोबा से लखनऊ के लिए ट्रेन चलाए जाने की लंबे समय से की जा रही मांग के बाद भी एक भी ट्रेन नहीं मिली।

भाजपा के विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि इस साल का बजट मध्यम वर्ग, किसानों, महिलाओं और आम जनता के लिए लाभकारी है। पेश किया गया बजट ऐतिहासिक एवं हर वर्ग को फायदेमंद साबित होगा। बुंदेलखंड क्षेत्र में आईआई स्थापना के लिए बजट में व्यवस्था की गई है। बुंदेलखंड क्षेत्र के युवाओं के लिए यह क्रांतिकारी फैसला है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के पेश किए बजट की खासी सराहना की जा रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष धुरिया ने वित्त मंत्री के पेश किए गए बजट को जनता विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि इस बजट से किसानों और आम आदमी को कोई लाभ होने वाला नहीं है। बजट में कुछ भी नहीं है, जिससे लोगों को बजट का लाभ मिल सके। सपा जिलाध्यक्ष शोभालाल यादव ने अंतरिम बजट को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि बजट में किसानों को कोई लाभ नहीं दिया गया और न ही खाद, बीज, कृषि यंत्र सस्ते किए गए हैं। उनका कहना है कि पेश किए गए बजट में कोई भी खास बदलाव नहीं किया गया, जिससे किसी को कोई लाभ नहीं हुआ है। बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गंगादीन अहिरवार ने बताया कि बजट 2026 से आम लोगों को दूर रखकर बनाया गया है, जिससे उन्हें कुछ नहीं मिला। पेंशनर्स सेवा संस्थान के जिला महामंत्री बीके तिवारी ने कहा कि बजट में कर्मचारियों, पेंशनरों एवं दैनिक भोगी कर्मचारियों मेहनतकश लोगों की उपेक्षा की गई है और बजट में कर्मचारी का कोई ध्यान नहीं रखा गया है, जिससे स्पष्ट है कि सरकार कर्मचारियों पेंशनरों और मेहनतकश लोगों की विरोधी है। कहा कि इनकम टैक्स स्लैब में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने विदेशो में शिक्षा और इलाज को टैक्स फ्री किया जाए। बड़े लोगों को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया गया। बजट का सीधा प्रसारण देखने के लिए भाजपा के साथ आम आदमी टीवी के सामने बैठे रहे।

लाइव प्रसारण देखते लोग। अमृत विचार

- **बुंदेलखंड के लोगों को बजट में नहीं मिली कोई नई ट्रेन**

जितेंद्र सिंह सेंगर एमएलसी।

संतोष धुरिया कांग्रेस जिलाध्यक्ष।

शोभालाल यादव सपा जिलाध्यक्ष।

पेंशनर्स सेवा संस्थान के बीके तिवारी।

गाजे-बाजे के साथ निकली संत रविदास की शोभायात्रा

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जयंती, भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जुटी भीड़

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिले में संत रविदास जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। रविवार को शहर के रविदास मंदिर से गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान ट्रैक्टर में विभिन्न झांकियों से सुसज्जित झांकियां चल रही थी, जिसमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे व समाज के रविदासी पंथ के अनुयायी शामिल रहे। जयंती पर रविदास समाज के लोगों ने हवन और भंडारे का आयोजन किया, जहां पर सुबह से ही लोगों ने हवन में शामिल होकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। रात में भजन कीर्तन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, इस मौके लोगों की भारी भीड़ जुटी रही।

संत शिरोमणि रविदास जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को मुहल्ला नैकानापुर स्थिति रविदास मंदिर परिसर से दोपहर 2 बजे संत रविदास के जीवन पर आधारित झांकियों के साथ शोभायात्रा शुरू हुई। शोभायात्रा शहर के तहसील चौराहा, मेन बाजार, ऊदल चौक, राठ चुंगी, खोवा मंडी होते हुए पुनः रविदास मंदिर में आकर समाप्त हुई। शोभा यात्रा में महिला, बच्चे बैंडबाजों और डीजो की धुनों के साथ झूमते चल रहे थे। बच्चे ट्रैक्टरों पर महापुरुषों का रूप धारण कर लोगों को प्रभावित करते नजर आए। शोभायात्रा का कई स्थानों पर स्वागत भी किया गया, जहां पर श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। रविदास जयंती के मौके पर रविदास मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और चल रहे भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। रविदास जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा दौरान लोगो में खासा उत्साह नजर आया। जयंती के मौके पर रात्रि में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों और कीर्तन मंडली ने गुरु रविदास के जीवन पर आधारित कीर्तन व गीतों के माध्यम से प्रकाश डाला। इसी तहर शहर के भटीपुरा, नयापुरा नैकाना में भी रविदास के मानने वालों ने हवन कर आहुति दी साथ ही भंडारे और रात्रि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देर रात्रि तक चले कार्यक्रमों में लोगों की भीड़ जुटी रही।

शोभायात्रा निकालते अमृत विचार

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग। अमृत विचार

जैतपुर में भी रविदास जयंती की धूम

बेलाताल। कस्बे के मऊपुरा में रविदास कुटी मंदिर परिसर पर संत रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। पूजा-अर्चना के बाद शोभा यात्रा निकाली गई, जो नगर के व्यासपुरा, घुसयाना, जुगयाना, मल्याना, जमींदारी, बजरिया, बाजार, ड्योढ़ीपुरा होते हुए ओनेपुरा पहुंचकर समाप्त हुई। समाजसेवी मौला बख्स ने कहा कि संत रविदास जी जैसे विचारों वाले महापुरुष हमारे देश में न हुए है और न होंगे। उनके बारे में में जितना कुछ भी कहा जाए वह कम है। रविदास जी एक सच्चे संत महापुरुष के रूप में जाने जाते है। इस मौके पर ग्राम प्रधान छोटेलाल अहिरवार, देशराज कुशवाहा, अखिलेश, मौला बख्स, जगत सिंह, प्रेमनारायण, कामता कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

शोभायात्रा में मौजूद लोग। अमृत विचार

घोड़ों के साथ निकाली झांकी

कुलपहाड़। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें रविदास जी की आकर्षक झांकी के साथ घोड़े शामिल रहे और पूर रास्ते बैंडबाजे के साथ डीजे बजा। रविदास मंदिर से कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र कुमार वर्मा ने शोभायात्रा की शुरुआत कराई, जो नगर के हटवारा, बस स्टैंड, बाजार, किशोरगंज, पठवा पुरा, नजरबाग, सतियनपुरा, सेनापति वार्ड, कठवरिया पुरा होते हुए समाप्त हुई। शोभायात्रा के बाद रविदास मंदिर में बच्चों का बूगी-बूगी व सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विधायक बृजभूषण राजपूत व जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अधिवक्ता इंद्रपाल सिंह, प्रतीक यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शीतल प्रसाद ने किया। मंच की शोभा गायक विशाल ने शानदार गीत की प्रस्तुति देकर बढ़ाई। शोभायात्रा में उपजिलाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, मजिस्ट्रेट अभिषेक मिश्रा के साथ प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, एसआई योगेश रावत, कृष्णा गुप्ता, मोहम्मद शोएब, उपाध्यक्ष नवल किशोर, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र अहिरवार, शीतल प्रसाद, रफीक उल्ला सिद्दकी, इरफान पठान, संरक्षक बाबूलाल अहिरवार, काशी प्रसाद अहिरवार, कल्लू नेता कारीगर, मानवेंद्र सिंह, हरीदास अनुरागी आदि मौजूद रहे।

थायरो केयर कलेक्शन का उद्घाटन करते चरखारी विधायक। अमृत विचार

कस्बों में भी युवतियां अपना रही स्वरोजगार

कुलपहाड़ (महोबा)। अब छोटे कस्बों में भी युवातियां स्वरोजगार शुरू कर उड़ान भर रही हैं।

यह बात नगर के गोंदी चौराहे पर एक ब्यूटी पार्लर एवं थायरो केयर कलेक्शन सेंटर का उद्घाटन करते हुए चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत ने कही।

नगर पंचायत अध्यक्ष वैभव अरजरिया ने कहा कि युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करना चाहिए। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश सक्सेना, गौरी द्विवेदी, राधिका रत्नाकर, खुशबू अरजरिया, संजय अग्रवाल, महेंद्र सिंह राजपूत, प्रशांत, प्रभात पटैरिया, बृजेंद्र द्विवेदी, नरेश रिछारिया आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मेले में 154 मरीजों का पंजीयन कर की जांच

संवाददाता बेलाताल महोबा

अमृत विचार। विकासखंड जैतपुर के खमा अकौना ओर अजनर पीएचसी में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का रविवार को आयोजन किया गया। आरोग्य मेला का शुभारंभ टीम के प्रभारी डॉ. अंशुमान रावत ने फीता काटकर किया। मेले में सुबह से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी। आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने आरोग्य मेले में पंजीयन कराया। इसके बाद सभी पंजीकृत 154 रोगियों का उपचार कर दवा वितरित की गई।

उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ से गठित की गई मंडल स्तरीय एसआरएम टीम ने रविवार को विकास खंड जैतपुर के अन्तर्गत आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेला पीएचसी खमा 53, अजनर 55 और अकौना में 46 मरीजों ने पंजीकरण कराया, जहां पर डाक्टरों और कर्मचारियों की टीम ने मरीजों का उपचार किया। सुबह 10 बजे टीम खमा पहुंची। इसके बाद मरीजों का उपचार शुरू किया गया। सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक स्वास्थ्य टीम ने मरीजों का चेकअप कर उपचार किया। झांसी मंडल की दो सदस्यीय एसआरएम टीम प्रभारी अपर सीएमओ झांसी, डॉ. अंशुमान रावत व नरेंद्र रावत ने सीएचसी जैतपुर अधीक्षक डॉ. पवन राजपूत की मौजूदगी मे खमा अजनर और अकौना पीएचसी में लगे आरोग्य मेलों का निरीक्षण कर जायजा लिया। टीम ने पंजिका रजिस्टर देखा और दवा वितरण रजिस्टर की जांच कर चिकित्साधिकारी कक्ष के साथ साथ आयुष्मान कार्डो की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि मरीजों को पहले से और बेहतर सुविधा प्रदान कराई जाए। इस मौके पर अधीक्षक डॉ. पवन राजपूत, डॉ. अभिमन्यू, डॉ. पीएन शर्मा डॉ' जीतेन्द्र कुमार डॉ. वैशाली सोनी डॉ. रामकुमार डॉ. जयप्रकाश पस्तोर, डॉ. शैलेन्द्र सिह बीसीपीएम शिवचरन पाल रहे।

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों का चेकअप करती टीम। अमृत विचार

- **झांसी मंडल की दो सदस्यीय टीम ने आरोग्य मेलों का किया निरीक्षण**

ग्राम पंचायत अरछा बरेठी विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

निविदा सूचना

विकास खंड पहाड़ी अन्तर्गत ग्राम पंचायत अरछा बरेठी में मनरेगा योजना अंतर्गत निम्न कार्य में प्रयुक्त सामग्री हेतु व्यापार कर व आयकर में पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित किया जाता है निविदा प्रकाशन के पांच दिवस तक ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा निविदा ही मान्य होगी । **दिनांक 2/2/2026से 7/2/2026**

क्र.सं.	कार्य	लागत	धरोहर राशि	निविदा राशि
1	ग्राम पंचायत अरछा बरेठी में राशन घर का निर्माण	736125	14650	500

ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत अरछा बरेठी विकास खंड पहाड़ी चित्रकूट

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे पुत्र दीपक यादव का चाल चलन समाज विरोधी व संदेहजनक हो गया है। समझाने के बाद भी उसमें सुधार नही है। इस कारण से मैने उससे सम्बंध विच्छेद कर अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया। यदि वह किसी से लेनदेन या कोई कृत्य करता है तो वह स्वंय ही जिम्मेदार होगा। उसका परिवार के लोगों से कोई सरोकार नहीं । **सतीश कुमार पुत्र मोहर सिंह निवासी मोहनपुर पोस्ट लरखौर सैंफई इटावा।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा और मेरे पिता का नाम आनंद त्रिपाठी पुत्र रामकृपाल त्रिपाठी दर्ज है जबकि पैन कार्ड में मेरा और मेरे पिता का नाम आनंद तिवारी पुत्र राम कृपाल तिवारी दर्ज है, भविष्य में मेरे और मेरे पिता के नाम को आनंद त्रिपाठी पुत्र राम कृपाल त्रिपाठी समझा व पढ़ा जाए। **आनंद त्रिपाठी पुत्र रामकृपाल त्रिपाठी ग्राम व पो. हाजीपुर जिला अयोध्या**

सूचना

मैं सत्य नारायण सुत स्व0 बाबू राम निवासी ग्राम सोनबरसा पोस्ट रामापुर थाना धम्मौर जनपद सुलतानपुर यह कि मैं आर्मी से सेवानिवृत्त आर्मी नं0 13869536H नायक के पद पर सेवा दे चुका है। मेरी सेवापुस्तिका में मेरे पत्नी चन्द्रावती की जन्मतिथि 01/07/1962 व नाम चन्द्रवती दर्ज हो गया है जबकि मेरे पत्नी की सही जन्मतिथि 01/01/1959 व नाम चन्द्रावती सत्य व सही है।

सूचना

मेरे पिता महादेव पुत्र रामदुलारे विगत 25 फरवरी 2016 से अचानक कहीं गायब हो गए हैं। इनकी उम्र लगभग 88 वर्ष है। इनका रंग सांवला लंबाई 5 फीट 8 इंच है। शरीर दोहरा तथा बाल सफेद है। इनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। इनके लापता होने की सूचना थाना तुलसीपुर में 10 अक्टूबर 2017 को दर्ज है। इनकी बहुत तलाश की गई लेकिन इनका कोई पता नहीं चल सका है। **संतराम पुत्र महादेव निवासी ग्राम संडवा गुलरिहा, परगना, थाना व तहसील तुलसीपुर जनपद –बलरामपुर +919651453805**

सूचना

पहले मेरा नाम Vasim Khan था अब मैने बदलकर अपना नाम Waseem Khan रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- Mohammad Shahid Khan R/O- Bhewapar, Isur, Sultanpur, Uttar Pradesh, -228142

सूचना

पहले मेरा नाम SANJAY SINGH था अब मैने बदलकर अपना नाम SANJAY SINGH KASERA रख लिया है भविष्य में मुझे SANJAY SINGH KASERA के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RADHEY SHYAM R/O- 486/68,THATHERI BAZAR DALIGANJ STATION, LUCKNOW

श्रद्धा — परिक्रमा मार्ग पर गूंजी ओम नम : शिवाय और राम धुन, माघ पूर्णिमा पर स्नान और दान का है विशेष महत्व

माघी पूर्णिमा पर भक्तों ने लगाई गोरखगिरि की परिक्रमा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। माघ मास की पूर्णिमा पर गुरु गोरखनाथ परिक्रमा समिति के बैनर तले भक्तों ने रविवार को गोरखगिरि की परिक्रमा लगाकर सुखु-समृद्धि की कामना की। भक्तों ने श्रद्धा, भक्ति भाव, राम नाम की धुन व ओम नमः शिवाय के जयकारों के साथ परिक्रमा लगाई। परिक्रमा के दौरान भक्त हाथों में धार्मिक ध्वजा लेकर चल रहे थे। परिक्रमा प्रमुख मार्गों से होते हुए शिव मंदिर पहुंची, जहां भजन कीर्तन और सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने माघी पूर्णिमा और गोरखगिरि के इतिहास पर प्रकाश डाला।

रविवार की सुबह छह बजे गोरखगिरि के शिवतांडव मंदिर से माघी पूर्णिमा पर परिक्रमा प्रारंभ हुई, जो पठवा के हनुमान, महावीरन, कबीर आश्रम, हाजी फिराजशाह बाबा की दरगाह, राम दरवार मंदिर, भूतनाथ, काली माता, राधा कृष्ण, छोटी चंद्रिका मंदिर, पुलिस लाइन होते हुए पुनः शिवतांडव मंदिर परिसर में समाप्त हुई।

परिक्रमा में लोग बुलंद आवाज के साथ जय शिव शम्भू, जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। परिक्रमा दौरान भक्तों के श्रद्धा भाव से लगाए गए धार्मिक जयकारों से वातारण भक्ति में हो गया। परिक्रमा समाप्ति के बाद मंदिर परिसर में भजन पूजन और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां पर लोगों की भारी भीड़ जुटी। सांई कालेज के प्राचार्य व समिति के प्रमुख डॉ. एलसी अनुरागी ने महोबा के तीर्थ स्थल सूर्य मंदिर, मनियादेव, गोरखगिरि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए चंदेलों के कुल गुरु मनियादेव पर रचना सुनाई कि मनिया देव सुमिर महोबे वारो, दक्खिन दिशी में मात चंद्रिका, उत्तर शंकर प्यारो। प्राचार्य ने कहा कि माघ मास भगवान विष्णु को अतिप्रिय होने से इस महीने की पूर्णिमा का महत्व और भी बढ़ जाता है। माघ मास की पूर्णिमा को माघी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, इस दिन स्नान और दान का विशेष महत्व होता है, इस दिन नदियों, सरोवरों में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है साथ ही वस्त्र दान और गौदान का भी विशेष महत्व होता है। साध्वी सुनीता ने वाल्मीकि रामायण के भगवान राम के आदर्श चरित्र वाले श्लोक और उनका अर्थ लोगों को समझाया। पंडित हरीशंकर नायक ने रामकुंड, सीता रसोई का महत्व बताया। अधिवक्ता मुन्नालाल धुरिया ने गोरखगिरि की प्राकृतिक सुंदरत पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अवधेश तिवारी, पवन चौरसिया, पप्पू सेन, परशुराम अनुरागी, राकेश चौरसिया, विनोद, गौरीशंकर आदि लोग मौजूद रहे।

गोरखगिरि की परिक्रमा लगाते श्रद्धालु। अमृत विचार

हंस जब जब उड़ा तब अकेला उड़ा...

संत कबीर अमृतवाणी सत्संग के तत्वावधान में रविवार को कबीर आश्रम में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्संग में इंद्रजीत सिंह ने भजन प्रस्तुत किया कि जिंदगी में हजारों का मेला जुड़ा, हंस जब जब उड़ा तब अकेला उड़ा, काल से बच न पाएगा छोटा बड़ा, हंस जब जब उड़ा तब अकेला उड़ा। जगदीश रिछारिया ने जरा देर ठहरो राम तमन्ना यही है, अभी हमने जी भर के देखा नहीं है भजन प्रस्तुत किया। 85 वर्षीय चूरामणि रैकवार ने बुंदेली विधा की ढिमराई राग में भक्ति रचना गाये जा बजाए जा लगाए जा सारंगी सुनाई। कामता प्रसाद चौरसिया ने तूने अजब रचा भगवान खिलौना माटी का, भजन से लोगों के मंत्र मुग्ध कर दिया। समिति प्रमुख डॉ. एलसी अनुरागी ने कहा कि संतों, ऋषियों की वाणी से अमृत भरा रहता है। इस मौके पर हरिश्चंद्र वर्मा, रामदीन अनुरागी, राजाराम चौरसिया, रामऔतार सौन, आशाराम तिवारी, लखनलाल पप्पू सैन आदि कबीरी भक्त मौजूद रहे।

अतिशबाजी से तीन डीजे कर्मी झुलसे

महोबा। थाना श्रीनगर के सिलारपुरा गांव में बच्चे के जन्म होने पर आतिशबाजी छुड़ाए जाने से दो सगे भाई सहित तीन डीजे कर्मी गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गए।

सिलारपुरा गांव के एक परिवार में बच्चे के जन्म की खुशी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डीजे के साथ साथ अतिशबाजी हुई। इसमें तिंदौली गांव निवासी अवधेश राजपूत (24), छोटा भाई संजू (22) और उनका साथी शिव कुमार (25) डीजे बजा रहे थे, परिजन और मेहमान पटाखे फोड़ रहे थे, इसी बीच एक बड़ा डीजे कर्मियों के ऊपर आकर फट गया, जिससे तीनों युवक बुरी तरह झुलस गए। इससे अफरा-तफरी मच गई। घायलों को संभाला और आनन फानन में जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों की देखरेख में तीनों का उपचार किया जा रहा है। पुलिस को इस मामले की सूचना दे दी गई है पुलिस जांच में जुट गई ।

न्यूज ब्रीफ

घर-दुकान में छापा अवैध शराब बरामद

चित्रकूट। 29 जनवरी को जिलाधिकारी से किसी ने शिकायत की थी कि डिलौरा गांव में राजू निषाद द्वारा अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। डीएम के निर्देश पर आबकारी निरीक्षक प्रणव कुमार पांडेय ने राजौवा के घर एवं दुकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान यहां से अवैध शराब बरामद की गई। इस पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

अवैध शराब समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

मऊ। पुलिस ने अलग अलग स्थानों से अवैध शराब बरामद की। चौकी प्रभारी खंडेहा राहुल पांडेय ने माखन को 22 अदद देशी पाउच के साथ गिरफ्तार किया। एसआई मऊ ओमप्रकाश सिंह ने एक महिला आरोपी निवासी अंबेडकरनगर बस्ती को पांच लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। एसआई रामअधार सिंह यादव ने एक अन्य महिला निवासी अंबेडकरनगर बस्ती को दो लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। सभी पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई।

आप के चित्रकूट कार्यालय का उद्घाटन

चित्रकूट। रविवार को आम आदमी पार्टी के चित्रकूट कार्यालय का उद्घाटन विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष / पूर्व अध्यक्ष जिला बार एसोसिएशन संजय करवरिया ने किया। जिलाध्यक्ष संतोषी लाल शुक्ला ने बताया कि कार्यालय में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट उपलब्ध है। जिसे भी कोई फार्म भरना है या एसआईआर संबंधित कोई समस्या है, तो वह कार्यालय में संपर्क करे। समस्या का समाधान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर जितेंद्र गोयल, सन्नो मौर्या, विमल केशरवानी, डॉ. रमाकांत गुप्ता, प्रमोद कुमार सोनी, शिवशंकर सिंह, श्याम बाबू त्रिपाठी, वीरेंद्र साहू एडवोकेट आदि पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

500 एकड़ में मूंग उत्पादन का प्रस्ताव

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने रविवार को कैंप कार्यालय में कृषिगत विकास एवं दलहन उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि पर बैठक की। बैठक में ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादन के लिए जिले में 500 एकड़ क्षेत्रफल आच्छादित करने की योजना पर बातें हुईं। डीएम ने बताया कि इसके तहत चयनित किसानों के खेतों का मृदा परीक्षण कराते हुए उन्हें उन्नत एवं प्रमाणित किस्म का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक राजस्व ग्राम स्तर पर कृषि ज्ञान दूत और पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता को प्रशिक्षित किए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया। ये कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से शासन की योजनाओं एवं तकनीकों को ग्राम स्तर तक पहुंचाने का काम करेंगे। बैठक में श्रीअन्न (मिलेट्स) क्षेत्र विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीअन्न प्रसंस्करण इकाई की स्थापना पर भी चर्चा हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी और कृषि विशेषज्ञ मौजूद रहे।

बल्हौरा में कहीं नल से टोटी गायब तो कहीं, नहीं मिल रहा पानी

हरीनारायण पांडेय/ अभिनव राज त्रिपाठी, चित्रकूट

अमृत विचार। दावे चाहे कितने किए जाएं पर नमामि गंगे के तहत हर घर जल पहुंचाने की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में कार्यदायी संस्थाओं और अफसरों ने अपना काम पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से नहीं किया।

आकांक्षी ब्लाक रामनगर क्षेत्र के ग्राम बल्हौरा में योजना की मंशा जमीन पर फेल नजर आ रही है। योजना के अंतर्गत गांव में बिछाई गई पाइपलाइन ग्रामीणों के लिए राहत बनने के बजाय परेशानी का सबब बन गई है। कहीं नल लगे हुए हैं तो टोंटियां गायब है तो कहीं पूरा का पूरा नल ही गायब है। जलापूर्ति भी रामभरोसे है। तमाम ग्रामीण योजना को लेकर तमाम सवाल उठाते हैं पर पता नहीं किस डर से कई तो नाम बताने से गुरेज करते हैं। गांव के अधिकांश लोग अब भी इस योजना से वंचित हैं। हालात यह हैं कि ग्राम पंचायत कार्यालय और प्राथमिक विद्यालय तक में ठूंठ खड़े नल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके इस योजना की वास्तविकता को बयां कर रहे हैं। ग्रामीणों के घरों तक पानी न पहुंचने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पाइपलाइन लीकेज से सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि नलों में पानी न आने पर विभाग गंभीर नहीं है। सिर्फ कागजी आंकड़ों में हर घर जल मिल रहा है। वहीं सड़कों पर पसरे कीचड़ की साफ सफाई के लिए भी कोई पहल नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि योजना की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और गांव में जल्द ही सुचारु जलापूर्ति व जलनिकासी की व्यवस्था की जाए।

ऐसे रास्तों से जाना अब आम बात हो गई। अमृत विचार

बल्हौरा में ठूंठ बना नल। बिना टोटी के खड़ा नल। अमृत विचार

- वादों के उलट है हर घर जल की जमीनी हकीकत

नल भी गायब टोटी भी गायब। अमृत विचार

स्कूल जाने वाले रास्ते पर कीचड़

- गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय जाने वाले मार्ग पर पाइपलाइन से लगातार पानी रिसने से पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील हो गई है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को कीचड़ भरे रास्तों से आवागमन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। लगभग पूरे गांव की सड़कें जलभराव से जूझ रही हैं। ग्रामीण खुलकर सामने आने से भले ही कतरा रहे हों, लेकिन नाराजगी साफ झलकती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह योजना नहीं आई होती तो शायद कम से कम सड़क तो बेहतर होती। न घर के अंदर पानी है और नल खराब पड़े हैं, जबकि बाहर सड़कें पानी से लबालब भरी हैं।

...तो कैसे जारी कर दिया गया प्रमाणपत्र

- जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत की पूर्व प्रधान एवं तत्कालीन सचिव ने जल जीवन मिशन के हर घर जल के प्रमाणपत्र को जारी करते हुए 23.08.2023 को यह घोषणा कर दी थी कि गांव के हर घर को नल कनेक्शन प्रदान कर दिया गया है। साथ ही हर नल से पर्याप्त मात्रा में और नियमित रूप से शुद्ध जल मिल रहा है। प्रधान प्रतिनिधि ने वीडियो जारी करते हुए भी यह घोषणा कर दी थी। हालांकि जल जीवन मिशन के अधिकृत पोर्टल पर अपलोड वीडियो पर ग्रामीण कहते हैं कि तब गांव में कहीं पाइप लाइन डाली जा रही थी तो कहीं टोटियां लग रही थीं उसी दौरान नमामि गंगे योजना से जुड़े जिम्मेदार इस भरोसे पर कि कार्य प्रगति पर है जल्द ही सबको पानी उपलब्ध कराया जाएगा, कहकर तमाम गांव के लोगों की मौजूदगी में वीडियो बनवाया गया। (हालांकि 'अमृत विचार' वीडियो की पुष्टि नहीं करता।) इस मामले पर पूर्व प्रधान प्रतिनिधि सुनील कुमार स्पष्ट रूप से कुछ कहने से बचते नजर आए।

यह है जिम्मेदारों के कथन

एडीएम नमामि गंगे स्वप्निल यादव ने बताया कि बल्हौरा में पानी की सुचारू रूप से आपूर्ति हो रही है। जहां भी दिक्कतें होंगी, उन्हें ठीक करवाया जाएगा। जल जीवन मिशन के जूनियर इंजीनियर हरिकेश से जब जानकारी मांगी गई तो उन्होंने बताया कि सिर्फ आठ दस नलों में प्रेशर की वजह से पानी नहीं आया। उन्होंने पिछले सप्ताह गांव का दौरा करने की भी बात कही। उन्होंने तो यहां तक कहा कि आप अपने रिपोर्टर को साथ में भेज दीजिए। हालांकि जब उनसे इसके लिए समय तय करने की बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

कागजी आंकड़ों में मौसम गुलाबी है!

- जल जीवन मिशन के आधिकारिक आंकड़ों की बात करे तो बल्हौरा ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या 1347 हैं। जहां कुल 216 परिवार रहते हैं। बल्हौरा हरिजन बस्ती में 373 लोगों के बीच में 61 नल कनेक्शन हैं तो वहीं गांव के बल्हौरा में ही अकेले 974 लोगों के बीच 155 नल कनेक्शन दिए गए हैं। वहीं गांव के तीन प्राथमिक विद्यालयों एवं दो आंगनबाड़ी केंद्रों में भी नल के कनेक्शन का दावा किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के आधिकारिक दावों की बात करें तो गांव को हर घर जल के लिए सर्टिफाइड भी कर दिया गया है। दावा तो यह भी किया जा रहा है कि पानी की क्वालिटी चेक करने के लिए समय समय पर पानी का टेस्ट भी किया जाता है। अंतिम बार पानी की टेस्टिंग 16 नवम्बर 2025 को की गई थी। जल जीवन मिशन के दावों के अनुसार गांव में शत प्रतिशत नल के कनेक्शन कर दिए गए हैं। लेकिन ग्रामीण कहते हैं कि वास्तविक हकीकत ठीक इसके उलट है। बल्हौरा में ही मजरा पियरिया कला में जल जीवन मिशन की टंकी भी बन चुकी है।

नल लगे भी हों पर पानी नहीं आता : अरुणेंद्र

बल्हौरा गांव के अरुणेंद्र पांडेय ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों की बात को गलत ठहराया। बताया कि हर घर जल योजना से नल कई घरों में भले लगे हों लेकिन पानी नहीं आता है।

शिकायत की पर लग गई झूठी रिपोर्ट : इंद्र प्रसाद

ग्रामीण इंद्र प्रसाद ने बताया कि उन्होंने तो परेशान होकर आईजीआरएस पर शिकायत तक की थी। आरोप लगाया कि झूठी रिपोर्ट लगा कर निस्तारण कर दिया गया लेकिन धरातल पर पानी नहीं पहुंच पाया।

सिर्फ सड़कों पर बह रहा पानी : इंद्रनारायण

इंद्र नारायण का कहना है कि पानी केवल सड़कों पर बहाया जा रहा है, जिससे लोगों को दिक्कत हो रही है। साफ सफाई के नाम पर पैसा निकाला जा रहा है। जबकि गांव में सफाई कर्मी महीनों से नहीं आया।

मेडिकल कालेज के लिए कफन ओढ़कर बैठे युवा

जिला अस्पताल की हालत बद से बदतर, बना रेफर सेंटर

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिले में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था चर्चा का विषय रही है। जिला अस्पताल को रेफर सेंटर होने से बचाने के लिए समय समय पर लोगों ने अपनी आवाज बुलंद की है। अब रविवार से शहीद स्मारक पर युवा मेडिकल कालेज की मांग को लेकर कफन ओढ़कर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गए हैं।

इन युवाओं का कहना है कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत इतनी बदतर हो चुकी है कि अब उनके पास कफन ओढ़कर शासन प्रशासन को जगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। इनका कहना था कि जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं के नाम पर ढिंढोरा तो पीटा जाता है पर जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी कैसे निभा रहे हैं, सबको मालूम है। ज्यादातर सरकारी चिकित्सक घरों में क्लीनिक खोले हैं और अस्पताल आने वाले मरीजों को घर बुलाते हैं। इनकी जांच कभी नहीं की जाती। चित्रकूट जैसे महत्वपूर्ण जिले में आज तक मेडिकल कालेज का न होना चिंता का विषय है। जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों, दुर्घटना में घायलों और प्रसव पीड़ित महिलाओं को प्रयागराज, कानपुर और लखनऊ भेजा जाता है। युवाओं का आरोप है कि इलाज के अभाव में कई बार मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं, लेकिन जिम्मेदारों की नींद नहीं टूटती। कई बार पैसे के अभाव में भी लोगों की जान चली जाती है। युवाओं ने कहा कि यह हमारी मांग नहीं बल्कि जनता की जिंदगी का सवाल है। कफन किसी नाटक का हिस्सा नहीं, बल्कि उस सिस्टम का आईना है, जिसमें इलाज के बिना लोग मर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द फैसला नहीं लिया तो आंदोलन पूरे जिले में आग की तरह फैल जाएगा। इस आंदोलन में शिव शंकर पटेल, भूपेंद्र सिंह, नरेंद्र राव, आलोक सिंह, वेद, अभिषेक, विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

शहीद स्मारक पर कफन ओढ़कर अनशन करते युवा। अमृत विचार

मुख्य मांगें

- चित्रकूट में तत्काल सरकारी मेडिकल कालेज की स्थापना।
- जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों की नियुक्ति।
- स्वास्थ्य केंद्रों में संसाधन और सुविधाएं बढ़ाई जाएं।
- मरीजों को बाहर रेफर करने की मजबूरी खत्म हो।

कई बार ज्ञापन दिए पर हुआ कुछ नहीं

- युवाओं का कहना था कि समाजसेवियों, संगठनों आदि ने कई बार अस्पताल की बदतर हालत सुधारने के लिए ज्ञापन दिए। जनप्रतिनिधियों के आने पर उनसे बात की पर कुछ नहीं हुआ। जिला अस्पताल की हालत सुधरने से रही, ऐसे में यहां मेडिकल कालेज खुलना चाहिए।

खून से लिखा है पत्र : भूपेंद्र

- आमरण अनशन की अगुवाई कर रहे समाजसेवी भूपेंद्र पटेल ने बताया कि उन्होंने ने मुख्यमंत्री के नाम खून से चार पेज का पत्र लिखा है। इसे वह जल्द ही सीएम को भेजेंगे। युवाओं का कहना था कि तमाम राजनीतिक मुद्दे उठाने वाले राजनीतिक दल भी इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखाते अन्यथा स्वास्थ्य सुविधाएं कब की बढ़िया हो जातीं।

होलिका दहन की जमीन पर पट्टे की कोशिश का आरोप

चित्रकूट। ग्राम पंचायत कर्वीमाफी के बाशिंदों ने एसडीएम को पत्र भेजकर होलिका दहन वाली जमीन का पट्टा किए जाने के प्रयास का आरोप लगाया है। गांव प्रधान आभा देवी, बद्रीप्रसाद, रामनाथ वर्मा, नरेंद्र कुमार, आदेश कुमार, अभिलाष राम, आयुष, मुन्ना, अरविंद आदि ने बताया कि ग्राम पंचायत में तहसीलदार ने किसी के दबाव में आकर नगरपालिका क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के नाम होलिका दहन किए जाने वाली जमीन पर बिना प्रधान और ग्रामीणों की स्वीकृति के पट्टा देने का प्रयास किया जा रहा है। यह जमीन मुख्य मार्ग पर है और गांव आने जाने का रास्ता है। पट्टा किए जाने पर आवागमन प्रभावित होगा और होलिका दहन की समस्या भी होगी। आरोप लगाया कि रविवार को ग्रामीणों ने उक्त जगह पर होलिका दहन का झंडा परंपरानुसार लगाया, जिसे नायब तहसीलदार ने उखाड़कर फिंकवा दिया। उधर, इस संबंध में जब नायब तहसीलदार मंगल यादव से बात की गई तो उन्होंने गांव जाने की बात से ही इंकार किया। तहसीलदार चंद्रकांत तिवारी से बात करने की कोशिश की गई पर उन्होंने काल रिसीव नहीं की।

नाबालिग बेटी बोली पापा ने किया गंदा काम

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। एक नाबालिग बेटी ने अपने पिता पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। आरोपी कुछ दिन पहले ही अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में दो साल जेल काटकर लौटा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

आम आदमी को सन्न करने वाली यह घटना कोतवाली अंतर्गत इलाके की है। यहां का निवासी एक युवक सरकारी कर्मचारी था। उस पर 2023 में पत्नी की हत्या करने का आरोप लगा था, जिसका मुकदमा चल रहा है। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया था। दो साल जेल काटने के बाद वह 21 जनवरी को जमानत पर बाहर आया था। पुलिस और अन्य स्रोतों से मिली जानकारी के मुताबिक, उसके बच्चे अपनी दादी के पास रहते थे। इसने वहां से बच्चों को बुला लिया। आरोप है कि इसके बाद इसने अपनी 13 वर्षीया बेटी के साथ गलत काम किया। जब बेटी ने रोते हुए अपनी दादी से यह बात बताई तो वह सन्न रह गईं। उन्होंने अपने कपूत की हरकत को पुलिस से बताना सही समझा। इसके बाद बेटी ने तहरीर दी। आरोप है कि आरोपी पिता ने बेटी को यह बात किसी से बताने पर गोली मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने आननफानन में पाक्सो और अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली। अपराध निरीक्षक सविता श्रीवास्तव और उनकी टीम में शामिल आरक्षी राहुल पांडेय और मोहित कुमार ने मुखबिर की सूचना पर रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी श्यामप्रताप पटेल ने बताया कि जांच की जा रही है।

पहले भी इसने की थी हरकत : एसपी

- एसपी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक घटना है। एक नाबालिग बच्ची ने अपने ही पिता पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि बच्ची ने अपने बयान में बताया कि लगभग ढाई साल पहले भी इसने उसके साथ यह हरकत की थी। तब उसने अपनी मां से बताया था। मां ने जब इस संबंध में पति से बात की और विरोध जताया था तो उसने लाइसेंसी बंदूक से उसकी हत्या कर दी थी।

पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती शुरू कराते अतिथि। अमृत विचार

अशोक बने नामदेव समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

संवाददाता सीतापुर चित्रकूट

अमृत विचार। अखिल भारतीय नामदेव समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केके नामदेव ने नामदेव दर्जी समाज धर्मशाला परिक्रमा मार्ग पर बैठक की। इस दौरान सर्वसम्मति से नामदेव दर्जी समाज धर्मशाला के अध्यक्ष अशोक नामदेव निवासी पहाड़ी बुजुर्ग को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। अशोक ने कहा कि वह संगठन के प्रति निष्ठा व ईमानदारी से काम करेंगे। जिम्मेदारी और विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। धर्मशाला के प्रबंधक राकेश नामदेव निवासी राजापुर को जिला प्रभारी तथा डॉ. हरीशंकर नामदेव को जिलाध्यक्ष चुना गया। इन नियुक्तियों पर मोहन नामदेव, सोहन नामदेव, मनोज, राजा, विनोद, राजेश्वर नामदेव, राकेश, कीरत नामदेव सर्वेशानंद, कुलदीप नामदेव खंगार समाज धर्मशाला चित्रकूट के अध्यक्ष भोला नाथ खंगार, शैलेंद्र सिंह, रामनारायण साहू, गोपीचंद पांडेय, संजय मिश्रा, दिनेश कुशवाहा, अनिल कुमार अर्जुन कश्यप ने खुशी जताई।

अशोक नामदेव को बधाई देते संगठन के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी। अमृत विचार

पहलवानों ने दंगल में दिखाये दांवपेच

संवाददाता,पहाड़ी चित्रकूट

अमृत विचार। माघ मास की पूर्णिमा से दो दिवसीय दंगल व पंद्रह दिवसीय मेले की शुरुआत ब्लाक मुख्यालय में हुई। दूर-दूर से आए पहलवानों ने दांवपेच दिखाकर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

दंगल की शुरुआत रविवार को समाजसेवी हरिवल्लभ पांडेय उर्फ छोटू पांडेय ने सफीक करारी व मनोज प्रयागराज का हाथ मिलवाकर किया। इसमे सफीक करारी विजयी हुए। दंगल के पहले दिन दो दर्जन कुश्तियां हुई। राजेश दरसेड़ा ने अजय फतेहगढ़ को, अनूप महुआगांव ने हरबंस मलवारा को, अनिल महुवागांव ने अंकित कौशांबी को, बल्लू बांदा ने भूपेंद्र बाराबंकी को, राजेश अगरहुंडा ने तोताराम प्रतापगढ़ को, लवकुश सरधुआ ने सुनील प्रयागराज को पराजित किया। सबसे रोमांचकारी कुश्ती महिला और पुरुष पहलवान के बीच हुई। शासकीय अधिवक्ता सुशील सिंह व केंद्रीय विद्यालय के प्रोफेसर डा. जयराम त्रिपाठी एवं मनोज कुमार द्विवेदी ने वैशाली दिल्ली व राजबहादुर बिहारी के बीच हाथ मिलवाकर की। इसमें वैशाली विजयी रहीं। दंगल में लेखापटल का कार्य राजेश सिंह, उद्घोष का कार्य चंद्रदत्त त्रिपाठी, निर्णायक की भूमिका रामकिशोर त्रिपाठी एवं हरिशंकर गर्ग और छेदी पहलवान ओबरी रहे।

अनदेखी

आकांक्षी ब्लाक रामनगर के खजुरिहा खुर्द इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय का हाल

टूटे पोल व बिजली के तारों के नीचे भविष्य संवार रहे नौनिहाल

संवाददाता, रामनगर चित्रकूट

अमृत विचार। आकांक्षी ब्लाक रामनगर की ग्राम पंचायत खजुरिहा खुर्द प्राइमरी विद्याल के बच्चे और शिक्षक स्कूल परिसर के ऊपर से निकली बिजली की तारों और परिसर में लगे लगभग टूट चुके खंभे के नीचे पठनपाठन को मजबूर हैं।

जिलाधिकारी ने बीते दिनों हुई बैठक में परिषदीय स्कूलों से बिजली के पोल एवं तार हटाए जाने के सख्त निर्देश बिजली विभाग को दिए थे पर इसका कितना असर हुआ यह इस स्कूल की हालत से पता चल जाता है। बताया जाता है कि शिक्षा विभाग ने बिजली के पोलों की समस्या वाले स्कूलों की लिस्ट एवं धनराशि तक जमा करा दी लेकिन निस्तारण अब तक नहीं किया गया। रामनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत खजुरिहा खुर्द के इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय के विद्यालय परिसर से लगे पोल से गांव के अंदर बिजली की आपूर्ति की गई है लेकिन विद्यालय में जो पोल लगा है उसका सबसे ऊपरी भाग टूट कर तार के सहारे झूल रहा है। इसी टूटे पोल से बिजली की लाइन गई है। तार लगे पोल के नीचे ही विद्यालय का मुख्य द्वार है, जहां से बच्चे और शिक्षक आतेजाते हैं। परिसर में इसी जगह प्रार्थना करते हैं। ऐसे में यह टूटा पोल नौनिहाल बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है।

विद्यालय परिसर के ऊपर से निकले तार और अंदर लगा बिजली का पोल। बाहर एक साथ पढ़ते बच्चे। अमृत विचार

क्या कहते हैं अधिकारी

- खंड शिक्षाधिकारी एनपी सिंह ने कहा कि इस संबंध में बिजली विभाग को अवगत करा दिया गया है। पोल को हटाने की भी प्रकिया विभाग में विचाराधीन है। कई विद्यालयों में हटाए जा चुके हैं। विद्यालय के अंदर पोल एवं तार के मामले में जिलाधिकारी द्वारा भी संज्ञान लिया गया है।

लगातार बताया गया पर कार्रवाई नहीं हुई

- विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश ने बताया कि विद्यालय में नामांकित छात्र संख्या 96 है। उनके इस विद्यालय में आने के पूर्व से विद्यालय के अंदर से हाईटेंशन लाइन दौड़ रही है। इसकी विद्यालय द्वारा विभागीय स्तर पर मासिक डाक के माध्यम से लगातार सूचना भेजी जा रही है। अब इस पोल का ऊपरी भाग टूट कर तार के सहारे हवा में झूल रहा है। कोशिश रहती है कि कोई बच्चा इसके नीचे न रहे।

प्रधानाध्यापक सत्यप्रकाश।

एक साथ बैठकर पढ़ाई करते हैं बच्चे

- बच्चों के सामूहिक बाहर बैठने के सवाल पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि एक तो विद्यालय में बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर नहीं है दूसरा विद्यालय के शिक्षकों की एसआईआर एवं बीएलओ के कार्य में सलग्न होने की वजह से एक शिक्षक द्वारा सभी पांचों कक्षाओं के छात्रों की देखरेख करना पड़ता है कि अकेले झगड़ा न करें और उनकी नजर के सामने रहें।

जेफरी एपस्टीन फाइल : ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू से पूछताछ का बढ़ा दबाव

- पूर्व प्रिंस पर महिला ने लगाया है यौन संबंध बनाने का आरोप

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पर यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के अपराधों के स्तर की जांच कर रही अमेरिकी समिति के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने का दबाव बढ़ गया है। विंडसर की शाही स्थिति उनके भाई और ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने रद्द कर दी थी।

मामले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि एपस्टीन उसे 2010 में तत्कालीन प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन ले गया था। महिला का दावा है कि वह विंडसर कैसल एस्टेट स्थित एंड्रयू के शाही निवास में गई थी। ब्रिटिश राजपरिवार के पूर्व सदस्य पर इस तरह का आरोप लगाने वाली यह दूसरी महिला है।

एंड्रयू लगातार आरोपों से इनकार करते रहे हैं। हालांकि, नवीनतम मामले में उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जापान की यात्रा पर गए ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने रविवार को इस संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि मैंने हमेशा एपस्टीन के कृत्यों से पीड़ित लोगों को प्राथमिकता देते हुए मामले पर विचार किया है।

एपस्टीन के पत्राचार में मैक्रों का भी जिक्र

वाशिंगटन। जेफरी एपस्टीन ने कथित तौर पर अपने पत्राचार में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का ज़िक्र किया था, जो एक प्रगतिशील एजेंडा को बढ़ावा देने की संभावनाओं में रुचि रखते थे। नए दस्तावेज़ों में रविवार को यह दावा किया गया। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा प्रकाशित एपस्टीन मामले में एक ई-मेल की कॉपी में यह कहा गया है। यह पत्र सितंबर 2018 में दावोस में विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे को एक ऐसी ई-मेल से भेजा गया था।

चिकित्सकों ने तलाश ली घातक सल्फास विषाक्तता की काट

- चंडीगढ़ पीजीआई के डॉक्टरों को मिली बड़ी सफलता

चंडीगढ़, एजेंसी

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ स्थित स्नातकोत्तर चिकित्सा एंव अनुसंधान (पीजीआईएमईआर) के चिकित्सकों ने एल्युमिनियम फॉस्फाइड (जिसे आमतौर पर सल्फास के नाम से जाना जाता है) नामक घातक कीटनाशक से होने वाली विषाक्तता के उपचार में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

पीजीआईएमईआर ने एक बयान में बताया कि संस्थान के आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा किये गए अनुसंधान में पहली बार प्रदर्शित किया गया कि सल्फास की विषाक्तता के इलाज में इंट्रावेनस लिपिड इमल्शन प्रभावी जीवन रक्षक तरीका है। बयान के मुताबिक इन महत्वपूर्ण निष्कर्षों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिका यूरोपियन रिव्यू ऑफ मेडिकल एंड फार्माकोलॉजिकल साइंसेज में प्रकाशित किया गया है, जिससे इस अध्ययन को वैश्विक मान्यता मिली है। पीजीआईएमईआर के मुताबिक अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट होता कि इस इलाज पद्धति को तुरंत इस्तेमाल करने से एल्यूमीनियम फॉस्फाइड विषाक्तता के इलाज में अहम बदलाव आ सकता है। इसमें कहा गया कि अध्ययन के परिणाम बेहद उत्साहजनक थे। जिन रोगियों को मानक चिकित्सा उपचार के अतिरिक्त अंतःशिरा लिपिड इमल्शन दिया गया, उनमें मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई, साथ ही गंभीर चयापचय अम्लता का तेजी से सुधार हुआ, हेमोडायनामिक स्थिरता में सुधार हुआ तथा सदमे और हृदय संबंधी जटिलताओं से पीड़ित रोगियों सहित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में बेहतर परिणाम प्राप्त हुए।

कम लागत में अब आसानी से मिलेगा उपचार

चिकित्सकों के मुताबिक इस नवीन उपचार का एक प्रमुख लाभ इसकी व्यावहारिकता है, क्योंकि इंट्रावेनस लिपिड इमल्शन सस्ता है, व्यापक रूप से उपलब्ध है, और पहले से ही भारत भर के अधिकांश अस्पतालों में, जिनमें जिला अस्पताल और परिधीय स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं, स्टॉक में मौजूद है। बयान में कहा गया है कि इसकी कम लागत और आसानी से उपलब्धता के कारण, इस चिकित्सा पद्धति में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी लोगों की जान बचाने की क्षमता है, जहां सेल्फ़ोस विषाक्तता का बोझ सबसे अधिक है और उन्नत गहन देखभाल तक पहुंच अक्सर सीमित होती है। संस्थान ने कहा कि कम लागत और आसानी से उपलब्धता के कारण, इस चिकित्सा पद्धति में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी लोगों की जान बचाने की क्षमता है, जहां सेल्फ़ोस विषाक्तता के मामले सबसे अधिक आते हैं और उन्नत गहन देखभाल तक पहुंच सीमित होती है।

गंभीर जन स्वास्थ्य के लिए था चुनौती

इसमें कहा गया कि एल्युमिनियम फॉस्फाइड विषाक्तता एक गंभीर जन स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में, जहां अनाज को संरक्षित रखने के लिए इस यौगिक का व्यापक इस्तेमाल होता है। इसलिए इन क्षेत्रों के लिए एक प्रभावी, किफायती और साक्ष्य-आधारित उपचार की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। बयान के अनुसार, यह अध्ययन पीजीआईएमईआर के आंतरिक चिकित्सा विभाग के डीन (अकादमिक), प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में किया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

सिंगापुर में हिंदुओं ने मनाया थाईपुसम

सिंगापुर। सिंगापुर के संस्कृति मंत्री दिनेश वासु दास ने यहां श्रद्धालुओं के साथ एक धार्मिक उत्सव में भाग लिया। मंत्री ने रविवार को थाईपुसम उत्सव में भाग लिया। उत्सव के तहत श्रीनिवास पेरुमल मंदिर से श्री थेंदायुतपानी मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई और इस दौरान श्रद्धालुओं ने 3.2 किलोमीटर तक यात्रा की। श्रद्धालु अपने साथ पालकुडम (दूध के पात्र) लिए हुए थे। हिंदू एंडोमेंट्स बोर्ड (एचईबी) ने बताया कि शोभायात्रा शनिवार देर रात शुरू हुई और रविवार तक जारी रही। शोभायात्रा में सिंगापुर के संस्कृति, समुदाय और युवा एवं श्रमशक्ति मंत्री दिनेश वासु दास और उनकी पत्नी डॉ. रथीगा वेलाइथन भी शामिल थीं।

आइवरी कोस्ट में हादसे में 14 की मौत

अबिजान। आइवरी कोस्ट में शनिवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हादसा सुबह करीब पांच बजे कबाडूगू इलाके में हुआ और इसमें एक ट्रक शामिल था जो अनाज ले जा रहा था और जिसमें अवैध रूप से 69 यात्री सवार थे। परिवहन मंत्री अमादौ कोन ने कबाडूगू क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को हादसे की शुरुआती जानकारी इकट्ठा करने के लिए तुरंत मौके पर जाने का निर्देश दिया है।

अमेरिका में गोलीबारी में पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में लुइसियाना राज्य के क्लिंटन में शनिवार को "मार्डी ग्रास इन द कंट्री परेड के दौरान हुई गोलीबारी में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह घटना क्लिंटन में पूर्वी फेलिसियाना पैरिश कोर्टहाउस के बाहर हुई। पूर्वी फेलिसियाना पैरिश के शेरिफ जेफ ट्रैविस ने स्थानीय समाचार आउटलेट डब्ल्यूएएफबी को बताया कि घायलों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। ट्रैविस ने कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और पुलिस गोलीबारी के संबंध में एक गाड़ी की तलाश कर रही है।

थाईलैंड में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू

बैंकॉक। थाईलैंड में आम चुनाव के लिए पूर्व मतदान रविवार को शुरू हुआ जिसमें 20 लाख से ज्यादा पात्र मतदाता हिस्सा ले रहे हैं, जो आठ फरवरी को आधिकारिक मतदान के दिन अपना वोट नहीं डाल पाएंगे। मतदान शाम 5 बजे समाप्त होगा और आठ फरवरी के बाद सभी मतपत्रों की गिनती की जाएगी। चुनाव में पांच करोड़ से ज्यादा मतदाता कुल 500 सदस्य चुनेंगे।

अमेरिका ने युद्ध छेड़ा तो इस बार पूरा क्षेत्र इसकी चपेट में आएगा

ट्रंप की जंग की धमकी पर ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई ने दी चेतावनी

- खामेनेई ने दोहराया, ईरान पर हमलावरों को देंगे कड़ा जवाब

दुबई, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकी पर पलटवार करते हुए रविवार को चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने हमला किया, तो पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध भड़क सकता है। अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन और इससे जुड़े युद्धपोत फिलहाल अरब सागर में तैनात हैं, जिन्हें ट्रंप ने तेहरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के बाद भेजा था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप सैन्य ताकत का उपयोग करेंगे या नहीं।

उन्होंने कई बार कहा है कि ईरान बातचीत चाहता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा हल होते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि, खामेनेई ने राष्ट्रीय स्तर पर जारी विरोध प्रदर्शनों को तख्तापलट जैसा बताया और कहा कि इससे सरकार का रुख और कड़ा हो गया है। विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से लाखों लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं। ईरान में राजद्रोह के मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान है। इससे यह चिंता फिर से बढ़ गई है कि तेहरान गिरफ्तार लोगों को सामूहिक रूप से फांसी दे सकता है। ईरान ने रविवार और सोमवार को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास करने की योजना भी बनाई है। होर्मुज जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में दुनियाभर में तेल की ढुलाई होती है। खामेनेई ने कहा, अमेरिकियों को यह समझ लेना चाहिए कि यदि वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। खामेनेई ने कहा, हम न तो उकसाने वाले हैं और न ही किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरान पर जो कोई भी हमला करेगा उसे ईरानी जनता कड़ा जवाब देगी।

ईयू सेनाओं को आतंकवादी समूह मानता है ईरान

दुबई। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी संगठन मानता है। उनका यह कड़ा बयान उस फैसले के बाद आया है, जिसमें यूरोपीय संघ ने देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई को लेकर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर क़ालिबाफ द्वारा की गई यह घोषणा मुख्यत: प्रतीकात्मक मानी जा रही है। ईरान 2019 में पारित एक कानून के तहत पहले भी अमेरिका द्वारा रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के जवाब में अन्य देशों की सेनाओं को आतंकवादी संगठन करार दे चुका है।

हालिया प्रदर्शन तख्तापलट जैसा

दुबई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने देशभर में जारी उन विरोध-प्रदर्शनों की तुलना एक तख्तापलट से की, जिनसे वहां की धार्मिक शासन व्यवस्था को चुनौती मिली है। ईरान के सर्वोच्च नेता 86 वर्षीय खामेनेई की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विरोध प्रदर्शनों के बाद देश में कथित तौर पर हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान में राजद्रोह के आरोपों में मौत की सजा तक का प्रावधान है। ईरान में 28 दिसंबर को विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। शुरुआत में ईरानी मुद्रा रियाल के पतन के विरोध में हुए थे। जल्द ही ये खामेनेई शासन के लिए चुनौती बन गए।

फोन टैपिंग मामले में तेलंगाना के पूर्व सीएम से पूछताछ

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) रविवार को बीआरएस की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान फोन टैपिंग से संबंधित एक मामले में तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष अपने आवास पर पूछताछ के लिए पेश हुए। पूछताछ से कुछ घंटे पहले, राव हैदराबाद से लगभग 70 किलोमीटर दूर येर्रावल्ली स्थित अपने फार्म हाउस से निकले और एसआईटी के सामने पेश होने के लिए नंदी नगर स्थित अपने आवास पर पहुंचे। एसआईटी अधिकारियों का एक दल भी बीआरएस अध्यक्ष के आवास पहुंचा। राव के आवास के पास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, भारी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था और गली को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। केसीआर के नाम से चर्चित राव ने शनिवार को एसआईटी से कहा था कि वह एक फरवरी को पूछताछ के लिए पेश होंगे। उन्होंने नोटिस जारी करने में जांच अधिकारी पर कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किए जाने का भी आरोप लगाया। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने रविवार को कांग्रेस सरकार द्वारा उनके नेता के राजनीतिक उत्पीड़न के विरोध में तेलंगाना में प्रदर्शन किया।

सरकारों के हाथ से निजी कंपनियों को जा रही सत्ता

- संरा महासचिव ने किया शांति, न्याय, सतत विकास का आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

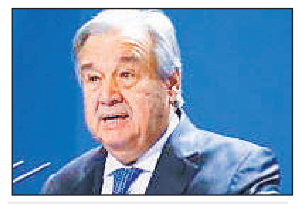

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच शांति, न्याय और सतत विकास के लिए नए प्रयासों का आह्वान किया है। गुटेरेस ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया शायद हमारे समय के सबसे बड़े सत्ता हस्तांतरण से गुजर रही है। सत्ता सरकारों से निजी तकनीकी कंपनियों के हाथों में जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी, जब व्यवहार, चुनाव, बाजार और यहां तक कि संघर्षों को आकार देने वाली तकनीकें बिना किसी सुरक्षा घेरे के काम करती हैं, तो प्रतिक्रिया नवाचार नहीं, अस्थिरता होती है।

महासचिव ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष यानि 2026 की प्राथमिकताओं की रूपरेखा पेश करते हुए कहा कि 2026 'अभी से निरंतर आश्चर्य और उथल-पुथल वाले वर्ष के रूप में आकार ले रहा है।' उन्होंने कहा कि अत्यधिक बदलाव के समय में वह उन सिद्धांतों की ओर लौटते हैं, जो बताते हैं कि ताकतें कैसे काम करती हैं। इसमें न्यूटन का तीसरा नियम भी है, जो कहता है कि हर क्रिया की एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। गुटेरस ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में, हम ऐसी कार्रवाइयों को चुनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं जो ठोस और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करें। हमारे संकटपूर्ण समय में शांति, न्याय, जिम्मेदारी और प्रगति की प्रतिक्रियाएं। महासचिव ने चैन रिएक्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दंड न मिलने का भाव संघर्षों को बढ़ावा दे रहा है, अविश्वास गहरा रहा है और हर क्षेत्र में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

संरचनाएं पुरानी हो सकती हैं, मूल्य नहीं

संयुक्त राष्ट्र की ओर इशारा करते हुए गुटेरेस ने कहा कि संरचनाएं पुरानी हो सकती हैं, लेकिन मूल्य नहीं। संयुक्त राष्ट्र चार्टर लिखने वाले लोग समझते थे कि हमारे संस्थापक दस्तावेजों में निहित मूल्य केवल ऊंचे विचार नहीं थे बल्कि स्थायी शांति और न्याय के लिए अनिवार्य शर्त थे।

तुर्किये में बस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

इस्तांबुल। तुर्किये के अंताल्या प्रांत में एक यात्री बस के सड़क से फिसलकर पलट जाने से इसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकारी प्रसारक टीआरटी द्वारा प्रसारित तस्वीरों में बस डोसेमेल्टी जिले में एक राजमार्ग से फिसलकर पलटती दिखती है। प्रांतीय गवर्नर हुलुसी साहिन ने बताया कि इस दुर्घटना में 26 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। समाचार एजेंसी डीएचए के अनुसार, बस के पलटने के बाद कुछ यात्री इसमें से बाहर निकलने में सफल रहे। भूमध्य सागर के किनारे स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल अंताल्या में हाल के दिनों में भारी बारिश हुई है।

धोखाधड़ी में 36 भारतीयों सहित दो हजार गिरफ्तार

- कंबोडिया में कैसिनो में छापामारी के दौरान की गई कार्रवाई

नोम पेन्ह, एजेंसी

कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के दौरान कुल 2,044 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 36 भारतीय भी शामिल हैं। यह जानकारी कंबोडियाई गृह मंत्रालय ने रविवार को दी। शनिवार को दक्षिणपूर्वी स्वे रींग प्रांत के बावेत शहर में 22 इमारतों वाले एक कैसिनो पर छापेमारी के दौरान आठ अलग-अलग देशों के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार कुल 2,044 विदेशी नागरिकों में 1,792 चीनी, 177 वियतनामी, 179 म्यांमारी, 30 नेपाली, पांच ताइवानी, एक मलेशियाई, दो लाओसी, 36 भारतीय और एक मैक्सिकन नागरिक हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखाक ने कहा कि कंबोडियाई सरकार ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल अपराधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई में कभी ढील नहीं देगी। उन्होंने कहा कि कंबोडिया अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं बल्कि नरक है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देश ने सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था एवं सामाजिक सुरक्षा को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने के उद्देश्य से साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क के खिलाफ अभूतपूर्व राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। पिछले सात महीनों में 23 देशों के कुल 5,106 धोखाधड़ी के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

इजराइल ने रफाह सीमा को प्रायोगिक तौर पर खोला

काहिरा। इजराइल ने फलस्तीनियों के सीमित आवागमन के मद्देनजर गाजा की मिस्र के साथ रफाह सीमा क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोलने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद रफाह सीमा क्रॉसिंग पर रविवार को चहल-पहल देखी गई। रफाह सीमा क्रॉसिंग को दोबारा खोलना इजराइल-हमास संघर्षविराम के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इजराइल ने रविवार को घोषणा की कि रफाह क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोल दिया गया है। गाजा को मानवीय सहायता के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली इज़राइली सैन्य एजेंसी सीओजीएटी ने एक बयान में कहा कि क्रॉसिंग को पूर्ण संचालन के लिए सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है।

ट्रंप का दावा, भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से खरीदेगा तेल

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा तेल के लिए चीन भी कर सकता है सौदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। ट्रंप ने शनिवार को फ्लोरिडा के पाम बीच जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में की कि क्या चीन वेनेजुएला को दिए गए कर्ज की भरपाई तेल आपूर्ति के बदले कर पाएगा।

ट्रंप ने कहा कि चीन का स्वागत है और वह तेल के मामले में एक बड़ा सौदा कर सकता है। हम चीन का स्वागत करते हैं। हम पहले ही एक सौदा कर चुके हैं। भारत आ रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला का तेल खरीदेगा। हमने पहले ही यह सौदा कर लिया है, कम से कम इस सौदे की अवधारणा तो तय हो चुकी है। ट्रंप की इन टिप्पणियों पर नई दिल्ली की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भारत 2019 तक ईरानी तेल का एक प्रमुख खरीदार रहा है, लेकिन तेहरान पर अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लगाए जाने के बाद भारत ने ईरान से तेल आयात में काफी कटौती कर दी थी।

ट्रंप के ये बयान ईरान और वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंधों और इन देशों से कच्चा तेल न खरीदने को लेकर प्रमुख ऊर्जा आयातक देशों पर बनाए जा रहे दबाव की पृष्ठभूमि में आए हैं। हाल के वर्षों में भारत ने रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है, जिससे रूस भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया है, जिसमें रूसी तेल की खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा एवं विस्तृत करने पर सहमति जताई।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 2 फरवरी, सोमवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 3 फरवरी 01.52 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

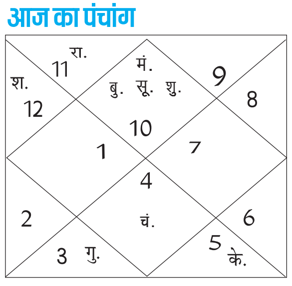

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्लेशा 22.47 तक तत्पश्चात मघा।

मेष - आज आयात-निर्यात के कारोबार में तेजी आएगी। अधिकारी वर्ग आपकी अनदेखी कर सकते हैं। विरोधियों को हल्के में न लें। अपनी जीवनशैली को सुधारने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। धार्मिक साहित्यों की ओर आपकी रुचि बढ़ सकती है।

वृष - आज तीर्थ यात्रा सुखद रहेगी। व्यापार में उन्नति के अवसर मिलेंगे। आप अपनी योजनाओं को लेकर थोड़े कन्फ्यूज हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नए दोस्त बन सकते हैं। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति विश्वास बनाए रखें।

मिथुन - आज अपने व्यक्तिगत कार्यों को प्रोफेशनल जीवन से अधिक महत्व देंगे। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करने के लिए दिन उत्तम है। प्रेम संबंधों को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा।

कर्क - आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण करने का दबाव रहेगा। अपने व्यवहार में लचीलापन बनाए रखें। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। आपके ऊपर काफी जिम्मेदारियां रहेंगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में उत्तम सफलता मिल सकती है।

सिंह - आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में आपको कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। धन लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। विदेश से जॉब के अवसर मिलने की संभावना है। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका दायरा मजबूत होगा।

कन्या - आज दिन का शुरुआती भाग आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। आप कुछ नया सीखने को लेकर प्रेरित हो सकते हैं। आपके ऊपर पुराने ऋण को चुकाने का दबाव हो सकता है। संपत्ति के क्रय-विक्रय से बेहतरीन लाभ मिलेगा। शाम को सिरदर्द की शिकायत होगी।

तुला - आज इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े लोगों का काम बढ़ने वाला है। गुप्त शत्रुओं की वजह से कार्यक्षेत्र में कुछ समस्या हो सकती है। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। दूसरों के झगड़ों में मध्यस्थता न करें। ऑनलाइन कारोबार में आपको बड़ा लाभ होगा।

वृश्चिक - आज आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। उच्च अधिकारियों से आपको बड़ा लाभ हो सकता है। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

धनु - आज आपके आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि होगी। मेहनत के बल पर आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र की राजनीति के कारण आपको समस्या होगी। जॉब में आपको ओवरटाइम करना पड़ सकता है। अपने खर्चों को नियंत्रित रखने का प्रयास करें।

मकर - आज शाम को आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आप जिनके साथ अच्छा करें वही आपको महत्व न दें। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। नजदीकी व्यक्तियों के साथ किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कुंभ - आज फाइनेंस और लोन से जुड़े हुए अटके काम शुरू हो सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत करने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपकी इच्छाशक्ति आपके लिए विपरीत परिस्थितियों में ढाल के रूप में काम करेगी।

मीन - आज सहकर्मियों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। संपत्ति विवादों का समाधान निकल सकता है। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को अपनी जॉब की चिंता हो सकती है। संतान की चिंता हो सकती है।

सुडोकू -49

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6				8	
	8	9			4			5
3			2			7		
	2			8	9			6
		7				3	9	
9				1			4	
		1			7			8
4			1			9	5	
	9				5			

सुडोकू - 48 का हल

7	6	5	9	3	1	2	4	8
9	4	3	6	2	8	1	5	7
8	2	1	5	7	4	3	9	6
5	9	6	8	1	3	7	2	4
3	7	4	2	5	9	8	6	1
1	8	2	7	4	6	9	3	5
4	3	7	1	6	2	5	8	9
6	1	9	3	8	5	4	7	2
2	5	8	4	9	7	6	1	3

मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और हो सकता है कि वहां की पिच यहां की पिच की तुलना में अलग हो या फिर वैसी ही हो। और अगर ऐसा होता है, तो हमें पता है कि कैसे खेलना है।

–मिचेल सैंटनर

स्टेडियम

कानपुर, सोमवार, 2 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लवलीना, पूजा करेंगी भारतीय मुक्केबाजी टीम की अगुवाई

ला नुसिया (स्पेन)। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और ओलंपियन पूजा रानी मंगलवार को स्पेन के एलिकांटे के ला नुसिया में होने वाले बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में भारत की 33 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम की अगुवाई करेंगी। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया और सचिन सिवाच भी इस टीम का हिस्सा हैं। निकहत जरीन (51 किग्रा) ने मार्च के आखिर में होने वाली एशियन चैंपियनशिप जो ओलंपिक क्वालिफिकेशन के रास्ते में एक अहम कदम है - की तैयारी पर ध्यान देने के लिए इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

गुकेश ने नीमैन को बराबरी पर रोका

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने टाटा स्टील मास्टर्स के 12वें चरण में रविवार को यहां हांस मोके नीमन के खिलाफ ड्रॉ खेला, जबकि नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने मैथियास ब्लूबाउम पर दमदार जीत दर्ज कर एकल बढ़त कायम करते हुए खिताब की ओर कदम बढ़ा दिया। जावोखिर सिंदारोव ने आर प्रज्ञानानंदा के खिलाफ कोई जोखिम नहीं लिया जिससे उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। वह 7.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। वह अपने हमवतन अब्दुसत्तोरोव से आधा अंक पीछे हैं। टूर्नामेंट में अब सिर्फ एक दौर का खेल बचा है और उज्बेकिस्तान के इन दोनों खिलाड़ियों ने शीर्ष दो स्थान के साथ साल के पहले सुपर-टूर्नामेंट में अपने देश का दबदबा कायम किया।

अर्शदीप सिंह 'इम्पैक्ट प्लेयर' चुने गए

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद भारत के पेसर अर्शदीप सिंह को इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। बीसीसीआई ने रविवार को ड्रेसिंग रूम का एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो जारी किया। बीसीसीआई टीवी पर शेयर किए गए वीडियो में, ट्रेनिंग असिस्टेंट उडेनेका नेवान ने अर्शदीप सिंह को मेडल जीतने वाले के तौर पर अनाउंस किया, और पूरी सीरीज में लगातार इम्पैक्ट दिखाने के लिए बाएं हाथ के पेसर की तारीफ की। अर्शदीप ने यह सम्मान लेते हुए, सपोर्ट स्टाफ और फैंस को धन्यवाद दिया और सीरीज के दौरान टीम के परफॉर्मेंस की तारीफ की।

दो अभ्यास मैच खेलेंगे तिलक वर्मा

मुंबई। भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से खेलने की मंजूरी मिल गई है और वह 2026 टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे। जनवरी की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्जरी कराने के चलते वे लगभग एक महीने से मैदान से बाहर थे। तिलक पहले 2 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ इंडिया ए टीम की ओर से खेलेंगे और इसके बाद 4 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे।

देविका सिहाग ने जीता पहला सुपर 300 खिताब

बैंकॉक, एजेंसी

भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने रविवार को यहां 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता।

हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही। उन्होंने कहा मैंने शुरुआत से ही अच्छी गति बनाने की योजना बनाई थी और वह कारगर रही। मेरा मानना है कि वह थकी हुई थीं और उन्हें ऐंठन भी थी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करती हूं। देविका इस जीत के साथ सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल पीवी सिंधु और साइना नेहवाल ने हासिल की थी। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स

प्रतिद्वंद्वी मलेशिया की गोह जिन वेई बीच से हटीं

देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया। बाद में उन्होंने मुकाबला बीच में छोड़ दिया।

देविका ने चैंपियन बनने के बाद कहा आज मैं बेहद खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला सुपर 300 खिताब है। मैं भविष्य में और टूर्नामेंट खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं। उन्होंने कहा मैंने यहां बहुत अच्छे मुकाबले खेले। मैंने काफी कुछ सीखा है। यहां मिली सीख को मैं अपने खेल में लागू कर गलतियों को सुधारूंगी। मैं थ में उतरते समय मैंने जीत या हार के बारे में नहीं सोचा, बल्कि अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान रखा। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

–देविका सिहाग

थाईलैंड मास्टर्स

एक्सीलेंस में कोच उमेंद्र राणा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसके साथ ही वह इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु के साथ अपने खेल को निखार रही हैं। भारतीय खिलाड़ी क्रॉस कोर्ट और सीधे स्मैश लगाने की अपनी क्षमता और साथ ही बड़ी कुशलता से ड्रॉप शॉट लगाने से जल्द ही 9-2 से आगे हो गईं। इंटरवल तक उन्होंने 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। गोह को देविका ने उन्हें कोर्ट पर खूब दौड़ाया।

कार्लोस अल्कारेज ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाले बने सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी

मेलबर्न, एजेंसी

कार्लोस अल्कारेज रविवार को यहां फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब अपने नाम करके करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। जब कोई खिलाड़ी चारों ग्रैंडस्लैम- ऑस्ट्रेलियाई ओपन, विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत लेता है तो उसे करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना कहते हैं।

रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच की मेलबर्न पार्क में फाइनल में यह पहली हार है। इससे पहले उन्होंने यहां अपने सभी 10 फाइनल में जीत दर्ज की थी। शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी अल्कारेज ने रविवार को पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से जीत हासिल की। जीत दर्ज करने के बाद कोर्ट से जाते हुए अल्कारेज ने टीवी कैमरा के लैंस पर हस्ताक्षर करते हुए लिखा, 'काम पूरा हुआ। चार में से चार पूरे हुए।'

बाइस साल के स्पेन के खिलाड़ी ने 38 साल के जोकोविच पर दबाव बनाए रखा। जीत पक्की करने के बाद अल्कारेज ने हाथ से रैकेट छोड़ दिया और वह पीठ के बल जमीन पर गिर गए और अपने हाथ सिर पर रख लिए। जोकोविच से हाथ मिलाने के लिए नेट पर जाने से पहले वह कुछ सेकेंड वहीं रुके। दोनों खिलाड़ियों ने कुछ बातें कीं और जोकोविच स्पेन के खिलाड़ी को बधाई देते हुए मुस्कुराए। इसके बाद नया चैंपियन कोर्ट के एकतरफ लगी कुर्सियों पर बैठे अपने कोच को गले लगाने के लिए दौड़ा और बाद में स्टैंड में अपने पिता और टीम के दूसरे सदस्यों को भी गले लगा। पिछले सत्र के आखिर में अल्कारेज अपने पुराने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से अलग हो गए थे और सैमुअल लोपेज उनकी कोचिंग टीम के प्रमुख बने।

जोकोविच ने मजाक में कहा कि यह मुकाबला अगले 10 वर्षों के लिए अल्कारेज के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता की शुरुआत करेगा। उन्होंने हालांकि बाद में कहा कि नए चैंपियन को आगे आने देना ही सही था। दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में पांच सेट में कड़ी जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों की तलाश में तीन घंटे से अधिक समय तक दोनों ने जबरदस्त फिटनेस, खेल और स्टेमिना का नजारा दिखाया। कोई भी खिलाड़ी बड़े अंकों पर हार मानने को तैयार नहीं था। स्पेन के खिलाड़ी ने 16 ब्रेक प्वाइंट में से पांच का फायदा उठाया जबकि जोकोविच छह ब्रेक प्वाइंट में से सिर्फ दो को ही अंक में बदल सके।

कोई नहीं जानता कि मैं यह ट्रॉफी पाने के लिए कितनी मेहनत कर रहा हूं। मैंने इस पल का बहुत पीछा किया। हमने बस सही काम किया, आप मुझे हर दिन सही काम करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। मैं उन सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं जो अभी मेरे साथ हैं।

–कार्लोस अल्कारेज

सबसे पहले एक शानदार टूर्नामेंट और शानदार दो हफ्तों के लिए बधाई। आप जो कर रहे हैं उसे बताने के लिए सबसे अच्छा शब्द ऐतिहासिक, दिग्गज है इसलिए बधाई। मैं आपके बाकी करियर के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

–नोवाक जोकोविच

- नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराया

करियर ग्रैंडस्लैम

जब कोई खिलाड़ी चारों ग्रैंडस्लैम- ऑस्ट्रेलियाई ओपन, विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत लेता है तो उसे करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना कहते हैं।

जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब का इंतजार बढ़ा

नोवाक जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने के अभियान पर एक बार फिर अल्कारेज और यानिक सिनर में से एक ने रोक लगाई। इन दोनों ने मिलकर पिछले नौ ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में सिनर को हराया था और ओपन युग में ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बनने की राह पर थे लेकिन अल्कारेज ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जोकोविच और स्पेन के रफेल नडाल ने कुछ जबरदस्त मैच खेले जिसमें 2012 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का अब तक का सबसे लंबा मैच भी शामिल है जो पांच सेट का फाइनल था और लगभग छह घंटे तक चला था।

अंडर-19 में शॉट लगाते वेदांत त्रिवेदी। एजेंसी

पाकिस्तान को हराकर भारत सेमीफाइनल में

अंडर-19 विश्वकप

बुलावायो, एजेंसी

- भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बनाए 252 रन
- पाक को सेमीफाइनल के लिए 33.3 ओवर में हासिल करना था लक्ष्य

वेदांत त्रिवेदी (68) की अर्धशतकीय पारी और निचलेक्रम के बल्लेबाजों की जुझारू पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अंडर-19 विश्वकप के 36वें मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

भारत पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को जीत के लिए 253 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान 33.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। जिसमें वह विफल रहा। भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 46.2 ओवर में 194 के स्कोर पर समेट कर उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने समीर मिन्हास (नौ) का विकेट गंवा दिया। खिलन पटेल ने मिन्हास को पगबाधा आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उस्मान खान और हम्जा जहूर ने पारी को संभाला और 88 के स्कोर तक ले गए।

17वें ओवर में आयुष म्हात्रे ने उस्मान खान (66) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान फरहान यूसुफ ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाज टीम के स्कोर को 151 तक ले गये। पाकिस्तान 35.3 ओवरों तक पांच विकेट पर 168 रन ही बना सका।

उत्तर प्रदेश की कप्तान मेग लानिंग का विकेट लेने के बाद जश्न मनातीं शिनेल हेनरी। एजेंसी

दिल्ली ने यूपी को 122 रनों पर रोका

महिला प्रीमियर लीग

वडोदरा, एजेंसी

मारिजेन कैप की अगुआई में गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग में रविवार को यहां यूपी वारियर्स को आठ विकेट पर 122 रन के स्कोर पर रोक दिया। कैप (30 रन पर तीन विकेट), श्री चरणी (22 रन पर दो विकेट) और हेनरी (25 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने यूपी वारियर्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कभी बड़े स्कोर की ओर पहुंचने की स्थिति में नहीं थी।

वारियर्स की ओर से सलामी बल्लेबाज दीप्ति शर्मा (24), शिखा पांडे (नाबाद 23) और सिमरन शेख (22) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाईं। दिल्ली की टीम अगर इस मुकाबले को जीत लेती है तो मुंबई इंडियन्स को पछाड़कर गुजरात जाइंट्स के खिलाफ होने वाले एलिमिनेटर में जगह बना लेगी।

जेमिमा ने टॉस जीतकर वारियर्स को बल्लेबाजी का न्यौता दिया जिसे उनकी गेंदबाजों ने सही साबित करते हुए पावर प्ले में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 36 रन कर दिया। हेनरी ने मैच की पहली ही गेंद पर कप्तान मेग लेनिंग (00) को पगबाधा किया। दीप्ति शर्मा (24) ने हेनरी और कैप पर दो-दो चौके मारे। चार्ली नॉट (12) ने भी कैप पर चौका मारा लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर विकेटकीपर लिजेल ली को कैच दे बैठी। दीप्ति ने कैप पर पारी का पहला छक्का मारा लेकिन ओवर की अंतिम गेंद को निक्की प्रसाद के हाथों में खेल गईं। हरलीन देओल भी 11 गेंद में सिर्फ तीन रन बनाने के बाद श्री चरणी की गेंद पर पगबाधा हो गईं।

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगा पाकिस्तान

लाहौर, एजेंसी

टी-20 विश्व कप

5 दिन शेष

- लेकिन टूर्नामेंट में भाग लेगा बांग्लादेश का ले रहा पक्ष

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के अपने ग्रुप लीग मुकाबले के बहिष्कार के फैसले की रविवार को औपचारिक घोषणा कर दी लेकिन सरकार ने सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के बाकी मैचों में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी है।

यह एक ऐसा कदम, जिसके दूरगामी असर पड़ने की संभावना है। सरकार के एक आधिकारिक बयान के माध्यम से दिए गए इस निर्णय को बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने से जुड़ा एक राजनीतिक विरोध माना जा रहा है। विश्व निकाय ने सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के भारत से श्रीलंका में मैच स्थानांतरित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पहले कहा था कि वह इस फैसले के बाद टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की समीक्षा करेगा, क्योंकि वह बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखा रहा है। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि उसने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है, लेकिन टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में मैदान पर नहीं उतरेगी। इस फैसले के साथ टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों का दौर समाप्त हो गया है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हो रहे इस टूर्नामेंट के बीच यह फैसला क्षेत्र में बढ़े राजनीतिक तनाव के माहौल में सामने आया है।

विदर्भ से हारकर उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी से बाहर

नागपुर। गत चैंपियन विदर्भ ने रविवार को यहां उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराकर ग्रुप ए से आंध्र के साथ एलीट रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विदर्भ की टीम ग्रुप ए में आंध्र के बाद दूसरे स्थान पर रही। दोनों टीम ने सात मैच में समान 31 अंक हासिल किए, लेकिन आंध्र की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर रही। उत्तर प्रदेश के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ की टीम ने चौथे और अंतिम दिन चार विकेट पर 91 रन से आगे खेलते हुए छह विकेट गंवाकर 58.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज अमन मोखाडे 150 गेंद में 83 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके मारे। दानिश मालेवार ने भी 54 रन की पारी खेली। उप्र की तरफ से स्पिनर शिवम शर्मा ने 55 रन देकर चार विकेट चटकाए।

बढ़ा मनोबल

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में सर्वाधिक रन बना बनाकर टी-20 विश्व कप के लिए जता दिए अपने इरादे

ब्रेक और बल्लेबाजी में कुछ बदलाव से फॉर्म में लौटे सूर्यकुमार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद मिले ब्रेक और बल्लेबाजी में किए गए कुछ बदलाव से उन्हें अपनी फॉर्म में वापसी करने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने शनिवार से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड पर भारत की 4-1 से जीत में आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए कुछ उम्दा पारियां खेली।

सूर्यकुमार पिछले साल रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। वह इस दौरान एक भी अर्धशतक नहीं बना पाए थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करके न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाए और उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद सूर्यकुमार ने आत्मचिंतन किया और अपने खेल में कुछ बदलाव किए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार पारियों में वह केवल 34 रन बनाए थे, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 12 रन था। सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत की 46 रन से जीत के बाद कहा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद मुझे ब्रेक मिला। मैंने घर लौटने पर अपना किट बैग एक तरफ रखा और नौ-दस दिन तक आराम किया। उन्होंने कहा नए साल की शुरुआत से ही मैंने फिर से अभ्यास करना शुरू कर दिया और पिछले साल की कमियों पर विचार किया। विशेष रूप से शुरुआती ओवरों में मेरे स्ट्राइक रेट पर मैंने चिंतन किया।

सूर्यकुमार ने कहा मैं 2021-23 में शुरुआती पांच-दस गेंदों पर आक्रामक बल्लेबाजी करता था और मेरा स्ट्राइक रेट 200-250 रहता था। अब मैं शुरुआती पांच-सात गेंदों पर संभलकर खेलता हूं और उसके बाद अपना स्ट्राइक रेट दोगुना कर लेता हूं। नागपुर में खेले गए पहले ही मैच से यह रणनीति कारगर साबित हुई, जिससे मुझे लय मिली और मेरी फॉर्म में सुधार हुआ।

भारत के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार को कप्तानी संभालने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करना पड़ा था। उन्होंने 2025 में 21 मैचों में केवल 218 रन बनाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 रहा। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने पांच मैचों में 80.66 के औसत और 196.74 के स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए। भारत की निगाहें अब लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने पर टिकी हैं।

टीम संयोजन को बनाया गया है बेहतर

सूर्यकुमार ने कहा कि गेंदबाजी से समझौता किए बिना बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए टीम संयोजन को भी बेहतर बनाया गया है। उन्होंने अपने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी अपनी अनूठी पहचान लेकर आता है। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, संजू सैमसन, सभी राज्य और फ्रेंचाइजी स्तर पर अपनी शैली के अनुरूप बल्लेबाजी करते हैं। मैंने उन्हें अपनी शैली पर बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। सूर्यकुमार ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज को लेकर अंतिम फैसला शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच से पहले लिया जाएगा।